{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 07 मई 2026
वैशाख कृष्ण 06 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 222
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 77,017.79
निफ्टी - 24,032.80
सोना - 1,49,180
चांदी - 2,55,000
डॉलर - 95.07

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 34 से बढ़कर 38

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की मंत्रिमंडल बैठक में कई अहम फैसले लिए गए, जिनका असर न्यायपालिका, उद्योग और बुनियादी ढांचे पर दिखाई देगा। सबसे प्रमुख निर्णय सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने का है, जिसे 34 से बढ़ाकर 38 करने की मंजूरी दी गई। इससे लंबित मामलों के तेजी से निपटारे में मदद मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही उद्योगों को राहत देने के लिए इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी योजना को आगे बढ़ाया गया है। खासतौर पर एविएशन सेक्टर को ध्यान में रखते हुए एयरलाइंस कंपनियों को क्रेडिट गारंटी सुविधा दी जाएगी, जिससे उन्हें आर्थिक संकट से उबरने में सहायता मिलेगी। बैठक में सेमीकंडक्टर यूनिट्स को प्रोत्साहन, नई रेल लाइनों को मंजूरी और कृषि क्षेत्र से जुड़े फैसले भी शामिल रहे। सरकार का मानना है कि इन कदमों से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और विभिन्न सेक्टरों में विकास को गति मिलेगी।

वारिसों पर भी हो सकता है मुआवजे का दावा- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला देते हुए कहा है कि किसी डॉक्टर की मौत के बाद भी मेडिकल लापरवाही के मामलों में मुआवजे का दावा उसके कानूनी वारिसों के खिलाफ किया जा सकता है। जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने स्पष्ट किया कि वारिस व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं होंगे, लेकिन मृत डॉक्टर से मिली संपत्ति से मुआवजा दिया जा सकता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह व्यवस्था पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए जरूरी है। यह फैसला मेडिकल लापरवाही से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान दिया गया, जिससे भविष्य में ऐसे मामलों के निपटारे का रास्ता साफ होगा।

आज 6 घंटे बंद रहेंगे मुंबई एयरपोर्ट के दोनों रनवे

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर आज गुरुवार को दोनों रनवे 6 घंटे के लिए बंद रहेंगे। इस दौरान सभी उड़ान सेवाएं पूरी तरह स्थगित रहेंगी। जानकारी के अनुसार, सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रनवे की मरम्मत और रखरखाव का काम किया जाएगा। बताया गया है कि यह काम मानसून से पहले होने वाली नियमित तकनीकी जांच का हिस्सा है। मुंबई एयरपोर्ट के दोनों रनवे 'आरडब्ल्यूवाय 09/27' और 'आरडब्ल्यूवाय 14/32' इस अवधि में उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। दरअसल हर साल बारिश से पहले रनवे पर पानी जमा न हो, सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित हो और तकनीकी खामियों से बचाव के लिए यह मेंटेनेंस किया जाता है। इसमें रनवे की लाइटिंग, ड्रेनेज सिस्टम की सफाई और सतह की मरम्मत जैसे कार्य शामिल हैं।

कुछ ना कहना

वंदे मातरम को 'जन गण मन' के समान दर्जा

अपमान करने या गायन में बाधा डालने पर सजा और जुर्माना

केंद्रीय मंत्रिमंडल की कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिली

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा देने का ऐतिहासिक फैसला किया है। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिली है, जिसके बाद अब वंदे मातरम के अपमान करने या उसके गायन में बाधा डालने पर सख्त सजा और जुर्माना हो सकता है। यह महत्वपूर्ण फैसला राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को भी हरी झंडी मिलने के बाद आया है।

कैबिनेट के निर्णय के अनुसार, बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित वंदे मातरम पर अब वहीं नियम और पाबंदियां लागू होंगी, जो वर्तमान में राष्ट्रगान पर लागू होती हैं। इसका स्पष्ट अर्थ है कि राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान के अपमान के लिए वर्तमान में जेल, जुर्माना या दोनों का जो प्रावधान है, वहीं अब वंदे मातरम पर भी लागू होगा। केंद्र सरकार यह बदलाव वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के मौके पर कर रही है, जिसके लिए कानून की धारा 3 में संशोधन होगा। इस धारा के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रगान गाने में बाधा डालता है या गाने से रोकता है, तब उसे तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। फिर अपराध करने पर कम से कम एक साल की सजा का प्रावधान है।

इसके अतिरिक्त, मोदी सरकार ने भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के लिए आधिकारिक प्रोटोकॉल संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी इन दिशानिर्देशों के अनुसार, वंदे मातरम का संपूर्ण आधिकारिक संस्करण, जिसमें छह श्लोक हैं और जिसकी अवधि करीब 3 मिनट 10 सेकंड है, प्रमुख राजकीय समारोहों के दौरान प्रस्तुत या बजाया जाना चाहिए। इसमें राष्ट्रीय ध्वज फहराना, राष्ट्रपति और राज्यपालों के आधिकारिक कार्यक्रमों में औपचारिक आगमन और प्रस्थान समारोह, तथा इसतरह के समारोहों में उनके निर्धारित भाषणों से पहले और बाद के कार्यक्रम शामिल हैं। एक महत्वपूर्ण निर्देश है कि यदि किसी कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' और 'राष्ट्रगान' दोनों होने हैं, तब पहले 'वंदे मातरम' (राष्ट्रगीत) गाया जाएगा और उसके बाद 'राष्ट्रगान' गाया जाएगा। दर्शकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सम्मान के प्रतीक के रूप में दोनों प्रदर्शनों के दौरान सावधान मुद्रा में खड़े रहें। मंत्रालय ने स्कूल-कॉलेज और महत्वपूर्ण संस्थागत कार्यक्रमों के दौरान वंदे मातरम गाने को बढ़ावा देने का आग्रह किया है, जिसका उद्देश्य छात्रों और लोगों के बीच राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति जागरूकता और सम्मान पैदा करना है। यह भी स्पष्ट किया गया है कि जब वंदे मातरम का प्रदर्शन किसी बैंड द्वारा किया जाता है, तब उससे पहले ढोल की थाप या बिगुल की ध्वनि से औपचारिक रूप से गायन की शुरुआत का संकेत दिया जाना चाहिए। हालांकि, सिनेमा हॉल और फिल्म स्क्रीनिंग के लिए विशिष्ट छूट दी गई है। निर्देशों के अनुसार, यदि वंदे मातरम फिल्म के साउंडट्रैक के हिस्से के रूप में बजाया जाता है, तब दर्शकों को खड़े होने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि मनोरंजन स्थलों पर दर्शकों को खड़े होने के लिए मजबूर करने से देखने का अनुभव बाधित हो सकता है और संभावित रूप से भ्रम पैदा हो सकता है।

पांच राज्यों में नई सरकार के गठन की कवायद तेज

बंगाल में 9 मई, असम में 12 मई संभावित

नई दिल्ली। देश के पांच चुनावी राज्यों में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद नई सरकारों के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। 4 मई को आए नतीजों के बाद बीजेपी ने पश्चिम बंगाल और असम में मजबूत प्रदर्शन करते हुए सत्ता में वापसी की राह बनाई है, जबकि अन्य राज्यों में भी सरकार गठन को लेकर राजनीतिक हलचल तेज है।

पश्चिम बंगाल में 9 मई को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथ ग्रहण समारोह प्रस्तावित है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, सुवेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। 8 मई को विधायक दल की बैठक में नेता का औपचारिक चयन किया जाएगा। चुनाव के बाद राज्य में हुई हिंसा ने प्रशासन के सामने कानून-व्यवस्था की चुनौती भी खड़ी कर दी है। असम में भी सरकार गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक हिमंता बिस्वा सरमा 12 मई को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। हालांकि आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन पार्टी नेतृत्व स्तर पर सहमति बनने की बात कही जा रही है। राज्य में भाजपा ने एनडीए गठबंधन के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। तमिलनाडु में विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में 7 मई को शपथ ग्रहण समारोह संभावित माना जा रहा है। हालांकि पार्टी को बहुमत के लिए सहयोगी दलों के समर्थन की जरूरत है और इस दिशा में प्रयास जारी हैं। वहीं केरल और पांडुचेरी में भी नई सरकार के गठन को लेकर मंथन जारी है। यहां शपथ ग्रहण की तारीख अभी आधिकारिक रूप से घोषित नहीं हुई है, लेकिन मई के दूसरे सप्ताह में समारोह आयोजित होने की संभावना जताई जा रही है। कुल मिलाकर, पांचों राज्यों में राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं और आने वाले कुछ दिनों में शपथ ग्रहण समारोहों के साथ नई सरकारें औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल लेंगी। इस बीच भाजपा ने संगठनात्मक स्तर पर भी सक्रियता बढ़ा दी है। जेपी नड्डा को असम का पर्यवेक्षक और नायब सिंह सैनी को सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है, ताकि सरकार गठन और संगठनात्मक समन्वय सुचारु रूप से हो सके।

आयोग ने जारी की बंगाल में नई विधानसभा की अधिसूचना

-चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह से समाप्त, राज्य में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक अभूतपूर्व संवैधानिक संकट गहरा गया है। एक तरफ सीएम ममता बनर्जी ने चुनाव परिणामों को साज़िश करार देते हुए पद छोड़ने से साफ इनकार कर दिया है, वहीं दूसरी ओर भारत निर्वाचन आयोग ने नई विधानसभा के गठन की औपचारिक अधिसूचना जारी कर दी है। यह अधिसूचना पश्चिम बंगाल के राज्यपाल को भेजी गई है, जिससे चुनावी प्रक्रिया औपचारिक रूप से समाप्त हो गई है और राज्य में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मंगलवार को इस अधिसूचना का जारी होना विधानसभा चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद एक अहम संवैधानिक कदम है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही पश्चिम बंगाल में नई विधानसभा के गठन की प्रक्रिया आयोग की ओर से पूरी हो गई है। यह स्थापित प्रक्रियाओं के मुताबिक सरकार गठन के अगले चरणों को संभव बनाता है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने यह तय किया कि चुनाव के संचालन के दौरान सभी मानदंडों और प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि मतदान से लेकर मतगणना तक की पूरी प्रक्रिया वैधानिक ढांचे के मुताबिक स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न की गई है। यह अधिसूचना अब नव-निर्वाचित प्रतिनिधियों के शपथ ग्रहण और पश्चिम बंगाल में अगली सरकार के गठन का रास्ता साफ करती है।

-ममता का इस्तीफा देने से इनकार

बता दें टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की सीएम के पद से इस्तीफा देने से साफ इनकार कर दिया, जिससे राज्य में एक संवैधानिक और राजनीतिक गतिरोध पैदा हो गया। उनकी यह टिप्पणी बीजेपी द्वारा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भारी जीत दर्ज करने के एक दिन बाद आई। चुनाव परिणामों को खारिज करते हुए ममता ने इस जनादेश को मनगढ़ंत बताया और दावा किया कि उनकी पार्टी बीजेपी के बजाय चुनाव आयोग से लड़ रही थी। उन्होंने कहा कि मैं इस्तीफ़ा क्यों दूँ? हम हारे नहीं हैं। जनादेश को लूटा गया है। इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता है?

खचाखच भरी प्रेस कॉन्फ्रेंस में ममता बनर्जी ने कहा कि वह अपना पद नहीं छोड़ेंगी और आरोप लगाया कि यह हार किसी वास्तविक जनादेश का परिणाम नहीं, बल्कि एक साज़िश का नतीजा है। उन्होंने कहा मेरे इस्तीफे का तो सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि हम जनता के फ़ैसले से नहीं, बल्कि एक साज़िश की वजह से हारे हैं। मैं हारी नहीं हूँ, मैं लोक भवन नहीं जाऊंगी। उन्होंने वोटों की गिनती में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि करीब 100 सीटें लूट ली गईं और टीएमसी कार्यकर्ताओं का मनोबल तोड़ने के लिए जान-बूझकर वोटों की गिनती धीमी की गई।

बनर्जी ने दावा किया कि सोमवार को वोटों की गिनती के एक केंद्र के अंदर उन्हें लात मारी गई, धक्का दिया गया और उनके साथ जोर-ज़बरदस्ती की गई। उन्होंने केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों पर भी आरोप लगाया कि वे वोटों की गिनती वाली जगहों के बाहर गुंडों जैसा बर्ताव कर रहे थे।

वोट चोरी से कभी सीटें तो कभी चुराई जाती हैं पूरी सरकार- राहुल गांधी

नई दिल्ली। चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के चुनाव परिणामों के बाद देश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। विपक्ष लगातार सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर वोट चोरी के आरोप लगा रहा है। इसी कड़ी में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, कि कभी वोट चोरी से सीटें तो कभी सरकार चुरा ली जाती है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

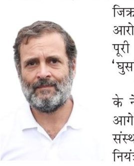

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, कि 'वोट चोरी से कभी सीटें चुराई जाती हैं, तो कभी पूरी सरकार।' उन्होंने दावा किया कि भाजपा के 240 लोकसभा सांसदों में से लगभग हर छठा सांसद वोट चोरी के जरिए जीता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ऐसे नेताओं को भाजपा की भाषा में 'घुसपैठिया' कहा जाना चाहिए। हरियाणा का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि वहां पूरी सरकार ही 'घुसपैठिया' है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आगे कहा कि जो संस्थाओं को अपने नियंत्रण में रखते हैं और मतदाता सूचियों व चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर करते हैं, वे खुद 'रिमोट कंट्रोल' से संचालित होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सत्तारूढ़ दल को सच्चाई का डर है, क्योंकि यदि निष्पक्ष चुनाव हों तो भाजपा 140 सीटों के आसपास भी सिमट सकती है। इससे पहले भी राहुल गांधी चुनावी नतीजों के दौरान कई राज्यों में चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने असम और पश्चिम बंगाल का उदाहरण देते हुए आरोप लगाया कि वहां चुनाव 卐चुराए卐 गए। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की प्रवृत्ति मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और 2024 के लोकसभा चुनावों में भी देखी गई है।

ममता का दावा बंगाल में सीटें लूटी गई

वोट चोरी के आरोप के बीच ममता बनर्जी ने भी भाजपा और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में 100 से अधिक सीटें 'लूटी' गईं और चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं रहा। इन आरोपों के बीच चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता और पारदर्शिता को लेकर राजनीतिक बहस और तेज हो गई है, जिससे आने वाले समय में इस मुद्दे पर और टकराव की संभावना जताई जा रही है।

सबरीमाला से शुरू हुई बहस, अब मस्जिद में महिलाओं के प्रवेश और धार्मिक बहिष्कार पर सर्वोच्च न्यायालय में बड़ा मंथन

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट में इन दिनों धार्मिक परंपराओं, महिलाओं के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों को लेकर एक बेहद अहम सुनवाई चल रही है। सबरीमाला मामले से शुरू हुई यह कानूनी बहस अब केवल एक मंदिर तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका दायरा कई धार्मिक समुदायों की परंपराओं तक पहुंच चुका है। अदालत अब यह तय करने की दिशा में आगे बढ़ रही है कि धार्मिक स्वतंत्रता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।

सुनवाई के दौरान न्यायपीठ ने मुस्लिम महिलाओं के मस्जिदों में प्रवेश, पारसी समुदाय में अंतरधार्मिक विवाह करने वाली महिलाओं के बहिष्कार और दाऊदी बोहरा समाज में सामाजिक बहिष्कार जैसी प्रथाओं पर गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने पूछा कि क्या किसी महिला को विवाह के आधार पर समुदाय से अलग करना वास्तव में धार्मिक परंपरा है या फिर यह समय के साथ बनी सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा है।

बहस के दौरान पारसी महिलाओं की ओर से पक्ष रखते हुए अधिवक्ताओं ने कहा कि महिलाओं के बहिष्कार का कोई स्पष्ट धार्मिक आधार दिखाई नहीं देता और यह अधिकतर मानव निर्मित व्यवस्था प्रतीत होती है। न्यायपीठ ने यह भी जानना चाहा कि यदि पुरुषों को अलग नियमों के तहत स्वीकार किया जाता है तो महिलाओं के लिए अलग व्यवस्था क्यों लागू हो।

अब इस मामले में आने वाला फैसला केवल एक विवाद का समाधान नहीं करेगा, बल्कि यह देश में धर्म, समानता और संवैधानिक अधिकारों की नई दिशा भी तय कर सकता है।

तमिलनाडु में एआईएडीएमके में फूट की आशंका, 30 से अधिक विधायक विजय के समर्थन में

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में इन दिनों एक बड़ा उलटफेर होने की आंशका है। राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) वर्तमान में गहरे आंतरिक संकट और विभाजन के कगार पर खड़ी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पार्टी के कुल 47 विधायकों में से 30 से अधिक विधायक विजय की नवगठित पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) को समर्थन देने पर विचार कर रहे हैं, जिससे पार्टी में बड़ी टूट की आशंका बन गई है।

अन्नाद्रमुक के भीतर असंतोष तब खुलकर सामने आया जब विधायकों के बड़े गुट ने आलाकमान से मांग की कि राज्य में अगली सरकार बनाने के लिए टीवीके का समर्थन किया जाए। इस विवाद के कारण पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक को भी टालना पड़ा है। राज्यसभा सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता सीवी शनमुगम इन नाराज़ विधायकों का नेतृत्व कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि शनमुगम के आवास पर बागियों की गुप्त बैठक होने की संभावना है, जहाँ आगे की रणनीति तय होगी। पार्टी प्रमुख एडप्पादी के.पलानीस्वामी (ईपीएस) को परोक्ष रूप से चेतावनी दी गई है कि यदि उन्होंने जल्द ही सरकार गठन में टीवीके का साथ देने का फैसला नहीं लिया, तब 30 से ज़्यादा विधायक सामूहिक रूप से पार्टी छोड़ सकते हैं। हाल ही में संपन्न हुए चुनावों के बाद तमिलनाडु का राजनीतिक नक्शा पूरी तरह बदल गया है। विजय की नवगठित पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम 107 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बहुमत के आंकड़े के करीब पहुँचने के लिए टीवीके को अन्य दलों के समर्थन की जरुरत है। इस स्थिति में एआईएडीएमके का एक धड़ा यह मानता है कि सत्ता में हिस्सेदारी और राज्य के भविष्य के लिए विजय का समर्थन करना ही सबसे बेहतर विकल्प है, खासकर जब उनकी अपनी पार्टी विपक्ष में है। सूत्रों के मुताबिक, शनमुगम के वफादार विधायक पहले ही अन्य विधायकों के बीच समर्थन जुटा रहे हैं।

चीन के अदला-बदली वाले प्रस्ताव को भारत ने ठुकराया

ड्रैगन को जमकर सुनाई थी खरी-खोटी

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद दशकों पुराना है, जिसकी जड़ें इतिहास के उन पन्नों में दबी हैं जहाँ चीन ने कूटनीतिक चालाकी के जरिए भारत की संप्रभुता से खिलवाड़ करने की कोशिश की थी। एक दौर ऐसा भी था जब चीन ने सीमा विवाद सुलझाने के नाम पर भारत के सामने एक ऐसा बार्टर ऑफर (अदला-बदली का प्रस्ताव) रखा था, जिसे भारत ने बिना किसी देरी के सिरे से खारिज कर दिया। यह प्रस्ताव चीन की उस विस्तारवादी सोच का हिस्सा था, जिसमें वह भारत की ही जमीन का सौदा भारत की ही दूसरी जमीन से करना चाहता था।

इस विवाद की शुरुआत 1959-60 के दौरान हुई थी, जब तत्कालीन चीनी प्रधानमंत्री झोउ एनलाई ने एक सौदे का प्रस्ताव रखा था। चीन का प्रस्ताव था कि यदि भारत अक्साई चिन पर अपना दावा छोड़ दे, तो बदले में चीन अरुणाचल प्रदेश (जिसे उस समय नेफा कहा जाता था) को भारत का हिस्सा मान लेगा। सीधे शब्दों में कहें तो चीन भारत की उस जमीन पर अवैध कब्जे को कानूनी मान्यता चाहता था, जहाँ उसने चोरी-छिपे सड़क बना ली थी। अक्साई चिन चीन के लिए सामरिक रूप से इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि उसे अपने दो अशांत क्षेत्रों—झिंजियांग और तिब्बत को जोड़ने के लिए वहां से गुजरने वाले हाईवे की जरूरत थी। भारत ने उस समय भी स्पष्ट कर दिया था कि देश की एक इंच जमीन पर भी कोई सौदेबाजी नहीं होगी।

चीन की असल साजिश यह थी कि वह अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत बताकर उस पर अपना फर्जी दावा जताता था, जबकि अरुणाचल ऐतिहासिक और संवैधानिक रूप से हमेशा से भारत का अभिन्न अंग रहा है। चीन चाहता था कि भारत अक्साई चिन को छोड़कर मैकमोहन लाइन की वैधता पर खुद सवाल खड़े कर दे। भारत के रणनीतिकारों ने समय रहते भांप लिया था कि यदि आज अक्साई चिन दे दिया गया, तो भविष्य में चीन अरुणाचल के लिए फिर से नया विवाद खड़ा कर देगा। चीन की रणनीति हमेशा से पहले बड़ी मांग करने और फिर समझौते का नाटक कर अपनी मनचाही चीज छीनने की रही है।

1960 के उस दौर से लेकर आज तक भारत का स्टैंड पूरी तरह स्पष्ट है। आज का भारत रक्षा के मोर्चे पर पहले से कहीं अधिक मजबूत और सक्षम है। भारत अब सीमाई इलाकों में तेजी से बुनियादी ढांचे, सड़कों और पुलों का निर्माण कर रहा है, जिससे चीन में बौखलाहट साफ देखी जा सकती है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा जारी, हालात चिंताजनक

अब तक 4 की मौत -चुनाव आयोग और प्रशासन हुआ सख्त

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद से शुरू हुई हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार हो रही झड़पों ने साल 2021 के चुनाव बाद हुए घटनाक्रम की यादें ताजा करा दी हैं। अब तक कम से कम चार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं।

चुनाव के दौरान भारी संख्या में केंद्रीय बलों की तैनाती के चलते मतदान प्रक्रिया अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण रही, लेकिन नतीजे घोषित होने के बाद स्थिति तेजी से बिगड़ती चली गई। कई जगहों पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यालयों पर हमले, आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आई हैं। इसके अलावा पार्टी समर्थकों और कार्यकर्ताओं के घरों को भी निशाना बनाया गया है, जिससे स्थानीय स्तर पर भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है।

ज्ञानेश ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

बंगाल में स्थिति गंभीर होते देख मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राज्य के वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन को कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए हर संभव कदम उठाने को कहा गया है।

अराजकता बर्दाश्त नहीं- पुलिस आयुक्त

वहीं कोलकाता के पुलिस आयुक्त अजय नंद ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हिंसा में शामिल तत्वों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही, विजय जुलूसों में बुलडोज़र के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गई है, ताकि स्थिति को और बिगड़ने से रोका जा सके।

नामांकन का लक्ष्य एक सप्ताह में अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश

कलेक्टर ने की शिक्षा संबंधी योजनाओं की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कलेक्टर मृणाल मीना ने 06 मई को जिले के सभी विकासखंड के बीआरसी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारियों की बैठक लेकर शिक्षा संबंधी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री जीपी बर्मन भी उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के संबंध में बताया गया कि जिले के 30 हजार 500 असाक्षर लोगो को साक्षर बनाने के लिए 14 अप्रैल 2026 को मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया था। इस परीक्षा में 26 हजार 696 असाक्षर शामिल हुए थे। इनमें से 25 हजार 880 की ऑनलाईन एंट्री कर ली गई है। असाक्षरों को साक्षर करने के लिए जिले में 04 हजार वालियंटियर द्वारा सेवा दी जा रही है। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में निर्देशित किया कि असाक्षरों को साक्षर बनाने के लिए वालियंटियर्स के कार्य पर निगरानी रखे और उन्हें शासन द्वारा उपलब्ध करायी गई पुस्तके प्रदाय करें।

नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण में तेजी के निर्देश, एफएलएन सर्वे पर रहे विशेष फोकस

वर्ष 2026-27 में कक्षा 01 से 08 तक दर्ज विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी बीआरसी एवं बीईओ को सख्त निर्देश दिये कि सभी बच्चों को पाठ्य पुस्तक वितरण के साथ ही उसकी ऑनलाईन एंट्री अनिवार्य रूप से की जाए। विकासखंड बिरसा, कटंगी, लालबर्रा, परसवाडा एवं वारासिवनी में पाठ्यपुस्तक वितरण में कम प्रगति पाये जाने पर इसमें शीघ्रता से सुधार करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने कक्षा 01 से 04 के बच्चों के एफएलएन सर्वे के लिए बच्चों को अभ्यास पुस्तिका उपलब्ध कराने और बच्चों का शैक्षणिक स्तर बेहतर बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पिछले एफएलएन सर्वे में जिले की स्थिति संतोषजनक नही पायी गई है। कुछ शालाओं में बच्चों का गिनती एवं हिन्दी भाषा का ज्ञान बहुत कमजोर पाया गया है अतः जिले की सभी शालाओं में एफएलएन सर्वे पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिन शालाओं में बच्चों का शैक्षणिक स्तर कमजोर पाया गया वहां के शिक्षकों का कार्यवाही का प्रस्ताव जिला कार्यालय को भेजे।

नामांकन में धीमी प्रगति पर सख्ती, साइकिल वितरण की ऑनलाइन एंट्री अनिवार्य

बैठक में कक्षा 01 से 08 एवं कक्षा 09 से 12 तक छात्र छात्राओं के नामांकन की समीक्षा की गई। जिसमें पाया गया कि विकासखंड खैरलांजी, बैहर, वारासिवनी, बिरसा की प्रगति संतोषजनक नही पायी गई। कक्षा 09 से 12 में छात्र छात्राओं का पंजीयन 102 प्रतिशत होना बताया गया। कलेक्टर श्री मीना ने सभी बीआरसी को सख्त निर्देश दिये कि एक सप्ताह के भीतर सभी शालाओं में शत प्रतिशत बच्चों का नामांकन पूर्ण हो जाना चाहिए। जिस विकासखंड में नामांकन का लक्ष्य पूर्ण नही होगा वहाॅ के बीआरसी एवं बीईओ के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। बैठक मे सभी बीआरसी एवं बीईओ को निर्देशित किया गया कि छात्र छात्राओं को निःशुल्क साईकिल वितरण करने के साथ ही उसकी पोर्टल पर एंट्री की जाए। विकासखंड परसवाडा में 362 साईकिलों का वितरण किया जा चुका है, लेकिन उसकी पोर्टल पर एंट्री नही की गई है।

जीर्ण-शीर्ण शाला भवनों का वर्षा के पहले सुधार कार्य कर ले

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि उनके क्षेत्र में यदि कोई शाला भवन जीर्णशीर्ण है या उसमें मरम्मत या सुधार कार्य कराया जाना है तो इसके लिए राशि की मांग कर ले। जिला प्रशासन डीएमएफ या अन्य मद से इस कार्य के लिए राशि उपलब्ध करायेगा। जो कार्य स्थानीय स्तर पर ग्राम पंचायत से कराये जा सकते है उन्हें सरपंच सचिव से समन्वय कर करा लिया जाए। हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में मरम्मत के लिए शासन से राशि उपलब्ध करायी जा रही है। वर्षा के दिनों में जिले में कही से भी शाला भवन में पानी टपकने या उसके टूटे-फूटे होने की शिकायत प्राप्त होगी तो इसे संबंधित बीआरसी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी माना जाएगा, और उसके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री मीना ने शालाओं में बने खेल मैदानों का निरीक्षण कर उनके गुणवत्ता परीक्षण करने के निर्देश दिये। उन्होंने छात्रवृत्ति एवं सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों के पेंशन प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में कहा कि जिले की शालाओं में शौचालयों की व्यवस्था की जा चुकी है। संस्था के प्राचार्य एवं शिक्षक शौचालयों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दे इसके लिए वॉश ऑन व्हील की सेवाओं का उपयोग किया जाए।

कभी उमस भरी तेज धूप, तो कभी सुहानी बारिश

गर्मी के दिनों में बेमौसम बारिश ने बदला मौसम का मजाज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मई माह की गर्मी से अक्सर लोग हलाकान हो जाते है।लेकिन इस वर्ष मई माह अपने शुरुवाती दौर से ही नर्म गर्म चल रहा है।जहा कभी उमस भरी तेज धूप,तो कभी सुहानी बारिश देखी जा रही है। मई माह की भीषण गर्मी के बीच जिले में इन दिनों बेमौसम बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल कर रख दिया है। जहां एक

ओर सुबह से दोपहर तक तेज धूप और उमस लोगों को परेशान कर रही है, तो वहीं अचानक दोपहर बाद आसमान में काले बादलों का डेरा जमते ही मौसम करवट ले रहा है।जहा मई माह के शुरुआत से ही रोजाना मौसम में अचानक बदलाव देखा जा रहा है।जिसका एक नजारा आए दिनों की तरह बुधवार को भी नगर मुख्यालय सहित पूरे बालाघाट जिले में देखने को मिला।जहा बुधवार को सुबह से लेकर दोपहर 2 बजे तक तेज धूप के बाद अचानक मौसम बदला और जिले भर में आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। बादलों की तेज गड़गड़ाहट और बिजली की चमक ने लोगों को चौंका दिया, वहीं कई क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया।मौसम में आए अचानक इसी बदलाव के बीच मौसम विभाग ने नगर का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियत दर्ज किया गया।तो वही न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियत के आसपास रहा।उधर मौसम विभाग ने आगामी 3 दिनों तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने, और रविवार से पूरे सप्ताह भर कड़ी धूप पड़ने, उमस के साथ चिपचिपी गर्मी का एहसास होने के साथ साथ अधिकतम तापमान पुन: 40 से 42 डिग्री सेल्सियत तक पहुचने के संकेत दिए है।

मौसम हुआ सुहाना,गर्मी से मिली राहत

मौसम के इस अचानक बदलाव से जहां लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली है, वहीं किसानों और व्यापारियों की चिंता भी बढ़ गई है। खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है, खासकर उन किसानों के लिए यह स्थिति परेशानी का कारण बन रही है जिन्होंने गर्मी की फसल तैयार कर रखी है।

रोजाना मौसम में हो रहा बदलाव

जिले के विभिन्न हिस्सों में बीते कुछ दिनों से यही स्थिति बनी हुई है।जहा सुबह चिलचिलाती धूप और दोपहर बाद अचानक बदलता मौसम अब आम हो गया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह की परिस्थितियां वातावरण में नमी और पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण बन रही हैं।अचानक तेज हवाओं और बारिश के कारण शहर के कुछ इलाकों में पेड़ की डालियां टूटने और बिजली आपूर्ति बाधित होने की भी खबरें सामने आई हैं। हालांकि किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है,स्थानीय नागरिकों का कहना है कि मई जैसे गर्म महीने में इस तरह की बारिश असामान्य है, जिससे दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है। वहीं मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी ऐसे ही मौसम बने रहने की संभावना जताई है।

भीषण गर्मी में बारिश से बदल रही दिनचर्या

ज्ञात हो कि मई माह में आमतौर पर तापमान अपने चरम पर रहता है, लेकिन इस वर्ष बार-बार हो रही बारिश ने मौसम के पैटर्न को बदल दिया है। इससे जहां तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है, वहीं उमस भी बढ़ रही है, जो लोगों के लिए असहज स्थिति पैदा कर रही है।उधर रोजाना मौसम में बदलाव को देखते हुए मौसम विभाग द्वारा आंधी-तूफान और बिजली गिरने की घटनाओं को देखते हुए नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील की है। खुले स्थानों पर जाने से बचने, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूरी बनाए रखने तथा खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है।इस तरह मई माह में हो रही बेमौसम बारिश ने जहां गर्मी से राहत दी है, वहीं अपने साथ कई तरह की चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। आने वाले दिनों में मौसम का यह बदला हुआ मिजाज क्या असर दिखाएगा, इस पर सभी की नजरें बनी हुई हैं।लेकिन भीषण गर्मी के इन दिनों में रोजाना मौसम में बदलाव व बारिश ने लोगो की दिनचर्या बदलकर रख दी है।वही मौसमी बीमारियों का भी खतरा बढ़ गया है।

सीसी सड़क निर्माण पर सवाल, एक साल भी नही टिक पायी सीसी सड़क

जगह जगह से उखड़ी, ग्रामीणों ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप, सुधार कार्य ना होने पर दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बुढ़ी के रट्टा पायली गांव में वर्ष 2025 में 14वें वित्त की राशि से लगभग 14 लाख रुपये की लागत से निर्मित सीसी सड़क अब विवादों में घिर गई है। निर्माण के महज एक वर्ष के भीतर ही सड़क के कई हिस्सों के उखड़ने की शिकायत सामने आई है, जिसके बाद ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं।ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान ही उन्होंने गुणवत्ता को लेकर पंचायत का ध्यान आकर्षित किया था, लेकिन उनकी बातों को नजरअंदाज कर कार्य पूरा कर लिया गया। अब स्थिति यह है कि सड़क जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिससे आवागमन में भी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में लापरवाही बरती गई और मानकों का पालन नहीं किया गया। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि शिकायत करने पर उन पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि सड़क की शीघ्र मरम्मत नहीं कराई गई तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को बाध्य होंगे। उनका कहना है कि सार्वजनिक धन से बने निर्माण कार्यों में इस प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।फिलहाल इस मामले में जांच और सुधार कार्य को लेकर ग्रामीणों की निगाहें प्रशासन पर टिकी हुई हैं। अब देखना यह है कि संबंधित विभाग इस शिकायत को कितनी गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करता है।

सड़क अच्छी बननी चाहिए- पूवेश बिसेन

चर्चा के दौरान रट्टा पायली निवासी पूवेश बिसेन ने बताया कि वर्ष 2025 में यह सड़क बनी है, पंचायत द्वारा इसका निर्माण कराया गया है, लेकिन रोड बनाते समय यहां जनता की सुनवाई नहीं हुई, नियमानुसार कार्य नहीं किया गया ,सड़क बनाने में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया है जिस पर ग्रामीणों द्वारा आपत्ति जताई गई थी, लेकिन सरपंच पति व ठेकेदार ने किसी की नहीं सुनी, नतीजा यह निकला कि यह सड़क 1 वर्ष भी नहीं टिक सकी। जगह-जगह से सड़क खराब हो चुकी है हमारी मांग है कि सड़क अच्छी बननी चाहिए ताकि ग्रामीणों को इसका लाभ लंबे समय तक मिल सके ।

शिकायत पर भी नहीं हुई सुनवाई-अरुण जामरे

ग्रामीण अरुण जामरे ने बताया कि जून 2025 में यह सड़क बनी थी, जो 4-6 महीने में ही खराब हो गई करीब 25 से 30 मीटर सड़क फट चुकी है। इसकी शिकायत ग्रामीणों द्वारा 181 में की गई थी तब जाकर साइट शोल्डर भरने का कार्य शुरू किया गया था, उसमें भी मिट्टी चिपका रहे थे,जिसका विरोध करने पर मुरम डालने का कार्य किया गया। 22 जनवरी को शिकायत के बाद अब करीब 5 महीना बीत गया हैं अब तक साइड सोल्डर का काम पूरा नहीं हुआ है।जब सड़क निर्माण गुणवत्ताहीन किया जा रहा था तब हमने इनका विरोध किया था, विरोध करने पर सरपंच पति और ठेकेदार आपत्ति उठा रहे थे हमारी शिकायतों पर भी ध्यान नहीं दिया गया।इसलिए आज ग्रामीणों द्वारा नाराजगी जताई गई है।यदि इस पर भी कोई कार्यवाही नहीं होती तो फिर कलेक्टर से मामले की शिकायत की जाएगी।

निराधार है सभी आरोप, जल्द शुरू किया जाएगा मरम्मत कार्य- लिल्हारे

वहीं, इस पूरे मामले में पंचायत सचिव सेवक राम लिल्हारे ने आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि सड़क निर्माण कार्य जुलाई 2025 में बरसात के दौरान शुरू किया गया था, जिससे कार्य में कुछ तकनीकी दिक्कतें आईं। उन्होंने कहा कि कहीं-कहीं सड़क को नुकसान पहुंचा है, जिसे जल्द ही सुधार लिया जाएगा। सचिव के अनुसार निर्माण कार्य गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए ही कराया गया था और भ्रष्टाचार के

श्री लक्ष्मीनारायण झंझाड़े एवं श्रीमती अनसुया झंझाड़े
आपको वैवाहिक वर्षगांठ की
हार्दिक शुभकामनाएं
शुभेच्छु-चंद्रकिशोर बघेल सरपंच, अरविंद गाडेश्वर पूर्व सरपंच प्रतिनिधि, प्रमोद सपाटे, उदेलाल भोंगाड़े एवं समस्त मित्र मंडली बुट्टा हजारी लालबर्रा।

जनगणना-2027 के लिए जिले में घर-घर जाकर किया जा रहा है मकान सूचीकरण कार्य

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनगणना-2027 के अंतर्गत बालाघाट जिले में 01 मई से प्रगणकों द्वारा मकान सूचीकरण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। मकान सूचीकरण का कार्य 30 मई तक चलेगा। इस बार की जनगणना पूरी तरह डिजिटल तरीके से की जा रही है और यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। इसमें मकान सूचीकरण का कार्य पेपर फॉर्म के बजाय मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जा रहा है। प्रगणक घर-घर जाकर मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए डेटा फीड करने का कार्य कर रहे हैं, जिससे जानकारी सटीक रहेगी और गणना कार्य में तेजी आएगी। कलेक्टर मृणाल मीना ने जिले की जनता से अपील की है कि जनगणना-2027 के लिए जब प्रगणक आपके घर आएं, तो उन्हें निर्भीक होकर सही और सटीक जानकारी दें और इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में अपना सहयोग प्रदान करें। जनगणना एक महत्वपूर्ण कार्य है और देश के लिए विकास योजनाओं को तैयार करने में इसका बहुत बड़ा योगदान होता है। इसलिए सभी लोग अपने घर जनगणना के लिए आने वाले प्रगणकों को सहयोग प्रदान करें, जिससे जिले में जनगणना कार्य सुगमता से और समय सीमा में पूर्ण किया जा सके। सभी प्रगणकों के पास आधिकारिक पहचान पत्र दिया गया है, जिसे नागरिक अपनी संतुष्टि के लिए देख सकते हैं और संतुष्ट हो सकते हैं कि वे सही व्यक्ति को अपनी जनगणना संबंधी जानकारी दे रहे हैं।

प्रगणकों द्वारा जनगणना में क्या पूछा जायेगा

जनगणना-2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण कार्य में शासन की ओर से अधिकारीगण आपके घरों पर उपस्थित हो कर कुछ सामान्य जानकारियां प्राप्त करेंगें। जैसे कि आपका मकान कैसा है, परिवार में कितने सदस्य हैं, परिवार के मुखिया का नाम, नल कनेक्शन, बिजली कनेक्शन, शौचालय/बाथरूम, गैस कनेक्शन, रेडियो/टीवी, कैबल कनेक्शन, साईकिल/मोटर साईकिल/कार, खाया जाने वाला मुख्य अन्न, आपका मोबाईल नम्बर आदि जानकारी ली जायेगी। इस प्रकार कुल 33 प्रश्न जनगणना के मकान सूचीकरण कार्य के दौरान पूछे जायेंगें।

क्या नहीं पूछा जायेगा

जिले में 30 मई तक किये जाने वाले जनगणना-2027 के मकान सूचीकरण कार्य में आधार कार्ड नम्बर, पैन कार्ड नम्बर, बैंक की जानकारी तथा किसी भी प्रकार का ओ.टी.पी. नहीं मांगा जायेगा। अतः आमजन जानकारी देते समय अत्यधिक सावधानी बरते तथा आने वाले अधिकारी का पहचान पत्र जरूर चैक करें।

बालाघाट जिले में जनगणना-2027 के व्यवस्थित संचालन के लिए कुल 2985 गणना ब्लाक बनाये गये हैं। इन गणना ब्लाक में जनगणना के लिए 2693 प्रगणक एवं उनके काम की निगरानी के लिए 480 सुपरवाईजर नियुक्त किये गये हैं। 10 से 30 अप्रैल तक स्वगणना के दौरान 10 हजार 336 लोगों द्वारा मोबाईल के माध्यम से स्व गणना की गई है। जिले में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर मकान सूचीकरण का कार्य 01 मई से प्रारंभ कर दिया गया है, जो 30 मई तक चलेगा।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

बरगी डैम हादसे में मृतकों को यूथ कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि, हनुमान चौक में भावुक रहा माहौल

पद्मेश न्यूज । बालाघाट । शहर के हनुमान चौक स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष आज यूथ कांग्रेस द्वारा एक भावुक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवम विश्वकर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जबलपुर के बरगी डैम में हुए दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वाले 9 लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभा में बड़ी संख्या में यूथ कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के दौरान माहौल गमगीन रहा और उपस्थित लोगों ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। इस अवसर पर यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवम विश्वकर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि

बरगी डैम में हुआ यह हादसा बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने इस घटना के लिए शासन और प्रशासन की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यदि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होते, तो शायद इतनी बड़ी जनहानि नहीं होती। उन्होंने मांग की कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस और सख्त कदम उठाए जाएं। साथ ही उन्होंने सरकार से अपील की कि मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए और परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी प्रदान की जाए, ताकि शोक संतप्त परिवारों को राहत मिल सके। सभा के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने एक स्वर में ओम शांति, का उच्चारण कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में सौरभ सिंह चौहान, नितिन शिवहरे, कैलाश नागपुर, शाहबाज खान, चंद्रेश दशहरे, लिखीराम कावरे, साबिर वारसी, शशांक पांचभावे, ब्लॉक अध्यक्ष दीपक मेश्राम, नितिन बम्बुरे, सानू विश्वकर्मा, सुशील यादव सहित बड़ी संख्या में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन थाना क्षेत्रों में बैटरी चोरी का खुलासा, लाखों का माल बरामद

प्रेस वार्ता में पुलिस का खुलासा, ट्रैक्टर बैटरी चोरी में आरोपी गिरफ्तार, वाहन भी जप्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

तीन थाना क्षेत्रों में हो रही बैटरी चोरी की घटनाओं को लेकर नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में प्रेस वार्ता आयोजित कर मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि थाना ग्रामीण, लालबर्रा और वारासिवनी क्षेत्र में बीते दिनों ट्रैक्टरों से बैटरी चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही थीं, जिस पर पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए सफलता हासिल की गई है। पुलिस ने इस मामले में लगभग 7 लाख 12 हजार रुपये कीमत की चोरी गई बैटरियां बरामद करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही चोरी की वारदात में प्रयुक्त एक चारपहिया वाहन भी जब्त किया गया है। नगर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है और आरोपियों से अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है।

स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में 6 मई को आयोजित प्रेस वार्ता में नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि जिले के तीन थाना क्षेत्रों में लगातार सामने आ रही बैटरी चोरी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। थाना ग्रामीण (नवेगांव), लालबर्रा एवं वारासिवनी क्षेत्र में सक्रिय बैटरी चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दो नाबालिक बालकों को भी अभिरक्षा में लिया गया है। नगर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बीते कुछ समय से ग्राम तुमड़ीटोला, मगरदर्रा, बोंगाटोला, खोगाटोला, बेलगांव सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में अज्ञात चोरों द्वारा रात्रि के समय घरों के परिसर एवं खुले स्थानों पर खड़े ट्रैक्टर एवं डम्पर वाहनों से बैटरियां एवं डाबर पट्टे चोरी किए जा रहे थे। इन घटनाओं के संबंध में संबंधित थाना क्षेत्रों में प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही थी। लगातार बढ़ती घटनाओं को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में विशेष आसूचना तंत्र सक्रिय किया गया और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने थाना ग्रामीण (नवेगांव), लालबर्रा एवं वारासिवनी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों से ट्रैक्टर एवं अन्य वाहनों की बैटरियां चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई कुल 12 नग बैटरियां, 6 नग डाबर पट्टे एवं घटना में प्रयुक्त सफेद रंग की टवेरा वाहन क्रमांक MH-09-BM-5060 जब्त किया है। जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 7 लाख 12 हजार रुपये आंकी गई है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी निलेश खरोले पिता सुनील खरोले, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम बेहरई थाना लालबर्रा को गिरफ्तार किया है। वहीं दो नाबालिगों को भी प्रकरण में अभिरक्षा में लेकर उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपीगण पहले दोपहिया वाहन से ग्रामीण क्षेत्रों में घूमकर रेकी करते थे और देर रात सुनसान समय में ट्रैक्टर एवं डम्पर वाहनों से बैटरियां निकालकर चोरी करते थे। इसके बाद चोरी की गई बैटरियों को टवेरा वाहन के माध्यम से सुनसान स्थानों पर ले जाकर छिपा दिया जाता था। इसी तरीके से आरोपियों ने कई स्थानों पर वारदातों को अंजाम दिया। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिससे जिले के अन्य क्षेत्रों में हुई बैटरी चोरी की घटनाओं का भी खुलासा होने की संभावना है। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से क्षेत्र में हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा।

इस प्रकार था चोरी करने का तरीका

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपीगण पहले दोपहिया वाहन से गांव-गांव घूमकर रात्रि में रेकी करते थे। इसके बाद देर रात सुनसान समय में ट्रैक्टर और डम्पर वाहनों में लगी बैटरियों को निकालकर चोरी कर लेते थे। चोरी की गई बैटरियों को टवेरा वाहन के माध्यम से ले जाकर सुनसान स्थानों पर छिपा दिया जाता था। इसी तरीके से आरोपियों ने कई स्थानों पर लगातार वारदातों को अंजाम दिया।

आगे की जांच जारी और आरोपियों की बढ़ेगी संख्या

पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि जिले के अन्य क्षेत्रों में हुई बैटरी चोरी की घटनाओं का भी खुलासा किया जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई से क्षेत्र में हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा और अन्य संलिप्त आरोपियों तक भी जल्द पहुंच बनाई जाएगी।

नर्सिंग छात्राओं को बड़ी राहत, अब काउंसिल वेबसाइट पर दिख रहा यूनिवर्सिटी का नाम

47 छात्राओं की समस्या का समाधान, अब आसानी से हो सकेगा रजिस्ट्रेशन

पद्मेश न्यूज । बालाघाट । सरदार पटेल यूनिवर्सिटी की लगभग 47 बीएससी नर्सिंग छात्राओं के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। डिग्री मिलने के बावजूद अब तक नर्सिंग काउंसिल की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन के दौरान यूनिवर्सिटी का नाम प्रदर्शित नहीं हो रहा था, जिससे छात्राओं का भविष्य अधर में लटका हुआ था। इस समस्या को लेकर छात्राओं ने जिला स्तर से लेकर भोपाल तक अपनी आवाज उठाई थी। लगातार प्रयास और शिकायतों के बाद अब इस मामले में सुधार किया गया है और नर्सिंग काउंसिल की वेबसाइट पर यूनिवर्सिटी का नाम दिखना शुरू हो गया है। अब छात्राएं आसानी से अपना रजिस्ट्रेशन कर सकेंगी, जिससे उनके करियर को लेकर बनी अनिश्चितता खत्म हो गई है। लंबे समय से चली आ रही इस समस्या के समाधान के बाद छात्राओं में राहत और खुशी का माहौल है। छात्राओं ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर वे पिछले काफी समय से संघर्ष कर रही थीं। मामला जब जिले से निकलकर प्रदेश स्तर तक पहुंचा, तब जाकर संबंधित विभाग द्वारा इस पर संज्ञान लिया गया और सुधार की प्रक्रिया पूरी की गई। इस समाधान के बाद अब छात्राओं के लिए रोजगार और आगे की पढ़ाई के रास्ते खुल गए हैं, जो पहले रजिस्ट्रेशन न होने के कारण बाधित हो रहे थे।

सरदार पटेल यूनिवर्सिटी से बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई करने वाली लगभग 47 छात्राओं की लंबे समय से चली आ रही बड़ी समस्या का आखिरकार समाधान हो गया है।

बीते दिनों छात्राओं ने मीडिया के माध्यम से अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया था कि यूनिवर्सिटी से डिग्री प्राप्त करने के बावजूद वे मध्य प्रदेश नर्सिंग काउंसिल की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन नहीं कर पा रही थीं, क्योंकि वेबसाइट पर यूनिवर्सिटी का नाम ही प्रदर्शित नहीं हो रहा था। इस स्थिति से छात्राओं में गहरा असंतोष था और उन्हें अपने साथ ठगी होने का अंदेशा भी होने लगा था। छात्राओं ने इस गंभीर मामले को लेकर ओबीसी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ लोधी से संपर्क किया, जिसके बाद उन्होंने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। पहले जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया, लेकिन जब स्थानीय स्तर पर समाधान नहीं निकला, तब यह मामला प्रदेश स्तर तक पहुंचाया गया। सौरभ लोधी के माध्यम से छात्राओं ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से मुलाकात कर अपनी समस्या रखी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीतू पटवारी ने पहले प्रदेश के उपमुख्यमंत्री से चर्चा की और तत्पश्चात मध्य प्रदेश नर्सिंग काउंसिल की अध्यक्ष डॉ. बिनु कुशवाहा के समक्ष पूरा विषय रखा। काउंसिल की ओर से समस्या के समाधान के लिए 7 दिन का समय दिया गया था, लेकिन तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे छात्राओं में नाराजगी बढ़ने लगी। इसके बाद छात्राओं और सौरभ लोधी ने यूनिवर्सिटी के सामने आंदोलन की रणनीति बनानी शुरू कर दी थी। इसी बीच 6 मई की शाम को स्थिति में बड़ा बदलाव देखने को मिला। जानकारी सामने आई कि यूनिवर्सिटी की कुछ तकनीकी और औपचारिक खामियों के कारण काउंसिल की वेबसाइट पर उसका नाम प्रदर्शित नहीं हो रहा था, जिसे अब सुधार लिया गया है। अब वेबसाइट पर यूनिवर्सिटी का नाम दिखाई देने लगा है, जिससे छात्राएं अपना रजिस्ट्रेशन कर पा रही हैं। इस घटनाक्रम के बाद छात्राओं ने राहत की सांस ली है। गौरतलब है कि इस समस्या के चलते कई छात्राएं महीनों तक परेशान रहीं और कई को सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रियाओं में भाग लेने का अवसर भी गंवाना पड़ा। छात्राएं लगातार यूनिवर्सिटी और संबंधित कार्यालयों के चक्कर काट रही थीं, लेकिन समाधान नहीं मिल रहा था। हालांकि, सौरभ लोधी ने स्पष्ट किया है कि कुछ स्थानीय मांगें अभी भी लंबित हैं, जिन्हें लेकर 6 मई को छात्राओं के साथ यूनिवर्सिटी प्रबंधन से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्राओं के भविष्य से जुड़े इस तरह के मामलों में लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फिलहाल, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू होने से छात्राओं की सबसे बड़ी समस्या का समाधान हो गया है, लेकिन अब सभी की नजरें यूनिवर्सिटी प्रबंधन द्वारा शेष मांगों के निराकरण पर टिकी हुई हैं।

एक महीने से खुली नाली बनी जानलेवा

अवंती बाई चौक पर नगर पालिका की लापरवाही से बढ़ा हादसों का खतरा-यातायात व्यवस्था चरमराई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण चौराहों में शुमार बस स्टैंड के समीप स्थित अवंती बाई चौक इन दिनों गंभीर अव्यवस्था और लापरवाही का केंद्र बना हुआ है। यहां नगर पालिका द्वारा नाली की सफाई के नाम पर उसे पिछले एक महीने से खुला छोड़ दिया गया है।जो अब आम नागरिकों, राहगीरों और वाहन चालकों के लिए बड़ा खतरा बन चुका है। स्थिति यह है कि हर दिन यहां दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। लेकिन जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान देने को तैयार नहीं दिख रहा।

अवंती बाई चौक नगर का प्रमुख ट्रैफिक जंक्शन है।जहां से एक-दो नहीं बल्कि छह महत्वपूर्ण मार्ग जुड़े हुए हैं। इनमें भटेरा रोड, बैहर रोड, गुजरी रोड, काली पुतली चौक मार्ग, बस स्टैंड से अस्पताल जाने वाला मार्ग और बूढ़ी रोड शामिल हैं। इसके अलावा, पास में मुख्य बस स्टैंड होने के कारण यहां दिनभर यात्रियों, ऑटो चालकों, बसों और अन्य वाहनों की भारी भीड़ रहती है। ऐसे संवेदनशील और व्यस्त स्थान पर इस तरह की लापरवाही प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है।जानकारी के मुताबिक अप्रैल माह में नगर पालिका ने मुलना गार्डन के सामने स्थित इस नाली को सफाई के उद्देश्य से खोला था। शुरुआत में लोगों को उम्मीद थी कि कुछ ही दिनों में सफाई कार्य पूरा कर नाली को फिर से ढक दिया जाएगा, लेकिन एक माह बीत जाने के बावजूद न तो सफाई कार्य पूरा हुआ और न ही नाली को बंद किया गया। नाली का मलबा भी नाली में पड़ा हुआ है।जिससे न केवल गंदगी फैल रही है बल्कि बदबू और संक्रमण का खतरा भी बढ़ गया है।

नगर पालिका द्वारा सुरक्षा के नाम पर नाली के चारों ओर अस्थायी स्टॉपर लगा दिए गए हैं। लेकिन रात के समय और अधिक खतरा पैदा हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंधेरे में कई बार बाइक सवार और पैदल चलने वाले लोग गिरते-गिरते बचते हैं।

इस चौक पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग ऑटो और बस का इंतजार करते हैं। खासकर महिलाएं, बुजुर्ग और स्कूली बच्चे यहां लंबे समय तक खड़े रहते हैं। ऐसे में खुली नाली उनके लिए सीधे खतरे का कारण बन गई है। स्थानीय दुकानदारों और रहवासियों ने बताया कि कई बार छोटे-मोटे हादसे हो चुके हैं। लेकिन अब तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है।जो कि केवल किस्मत का ही खेल है।

पहले इस चौक पर यातायात पुलिस के जवान नियमित रूप से तैनात रहते थे और ट्रैफिक को नियंत्रित करते थे। लेकिन अब उनकी मौजूदगी भी काफी कम हो गई है। इससे स्थिति और अधिक बिगड़ गई है। जाम लगना आम बात हो गई है और वाहन चालकों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि काम शुरू करने के बाद उसे अधूरा छोड़ देना प्रशासन की गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या को गंभीरता से लिया जाए और तुरंत नाली की सफाई पूरी कर उसे सुरक्षित रूप से ढका जाए। साथ ही जब तक कार्य पूर्ण नहीं होता, तब तक उचित सुरक्षा व्यवस्था, पर्याप्त बैरिकेडिंग और यातायात नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना को रोका जा सके।यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो यह लापरवाही कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। जिसकी जिम्मेदारी सीधे तौर पर नगर पालिका प्रशासन की होगी।

जिले के 22 खिलाड़ी राज्य स्तरीय पेंचक सिलाट चैंपियनशिप के लिए रवाना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पेंचक सिलाट एसोसिएशन के सचिव प्रवीण नन्हेट ने प्रेसविज्ञप्ति जारी कर बताया कि दिनांक 26 अप्रैल को जिला स्तरीय पेंचक सिलाट चैंपियनशिप का सफल आयोजन एकलव्य अकादमी, बालाघाट में किया गया। प्रतियोगिता में जिले भर के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर कुल 22 खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया गया।चयनित खिलाड़ी दिनांक 6 मई को बालाघाट से वरिष्ठ टीम कोच प्रवीण नन्हेट के नेतृत्व में राजगढ़ (ब्यावरह) के लिए रवाना हुए।जहां मध्य प्रदेश पेंचक सिलाट एसोसिएशन द्वारा आयोजित 12वीं राज्य स्तरीय पेंचक सिलाट चैंपियनशिप दिनांक 7 मई से 10 मई तक आयोजित की जा रही है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में बालाघाट जिले के खिलाड़ी अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों जैसे इंदौर, भोपाल, जबलपुर, देवास, उज्जैन, राजगढ़, बालाघाट, रीवा, सतना, शिवपुरी, मंदसौर, रतलाम, रायसेन, मुरैना, धार, झाबुआ आदि से लगभग 600 खिलाड़ी भाग लेंगे। सभी खिलाड़ी अपने-अपने वजन वर्ग एवं आयु वर्ग में प्रतिस्पर्धा में भाग लेंगे।उन्होंने इस प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों द्वारा उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर मैडल हासिल करने की अपेक्षा की है।

आस-पास की खबरें

द्वितीय अवसर परीक्षा का आगाज आज से

कक्षा दसवीं की आज से तो बारहवीं की कल से होगी परीक्षा शुरू

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के निर्देशानुसार बोर्ड परीक्षाओं में कम अंक प्राप्त करने वाले अथवा अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए द्वितीय अवसर परीक्षा का आगाज आज 7 मई से होने जा रहा है। इस परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अपने अंकों में सुधार करने और उत्तीर्ण होकर अपना भविष्य संवारने का एक और सुनहरा मौका देना है। शिक्षा विभाग

द्वारा परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी (उत्कृष्ट) विद्यालय लालबर्रा को इस द्वितीय परीक्षा के लिए लालबर्रा विकासखण्ड का मुख्य केंद्र बनाया गया है। वहीं कक्षा 10 वीं की परीक्षा 7 मई को हिन्दी प्रश्नपत्र के साथ शुरू हो जायेगी एवं 12 वीं की 8 मई से शुरू होगी। यह परीक्षा प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेगी। 7 मई को कक्षा 10 वीं की परीक्षा के पहले दिन हिंदी विषय का प्रश्नपत्र आयोजित किया जायेगा। इस केंद्र पर कक्षा 10 वीं के कुल 45 विद्यार्थी सम्मिलित होकर अपनी परीक्षा देंगे। इसी के साथ हाई स्कूल की द्वितीय अवसर परीक्षा का विधिवत शुभारंभ हो जायेगा। चर्चा में सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के सहायक केन्द्राध्यक्ष खेमकरण कटरे ने बताया कि द्वितीय अवसर की कक्षा 10 वीं, 12 वीं की परीक्षा की तैयारी पूरी कर ली गई और 7 मई को कक्षा दसवीं की हिन्दी प्रश्नपत्र के साथ द्वितीय परीक्षा शुरू हो जायेगी और यह परीक्षा प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होगी।

मध्य प्रदेश में गहराया भू-जल संकट-मालवा-बुंदेलखंड में हजार फीट पर भी धूल

नई दिल्ली । सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) की ताजा रिपोर्ट ने मध्य प्रदेश के भू-जल स्तर की भयावह स्थिति पर गंभीर चिंता जाहिर की है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के कई प्रमुख क्षेत्रों में भू-जल का दोहन खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है, जिससे भविष्य में पानी का विकट संकट खड़ा होने की आशंका है।

मालवा क्षेत्र, अपनी उपजाऊ मिट्टी के लिए प्रसिद्ध, अब भू-जल खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। विशेष रूप से उज्जैन जिले की स्थिति बेहद गंभीर है, जहां कुछ ब्लॉकों में भू-जल रिचार्ज से कहीं अधिक 144 प्रतिशत तक निकाला जा रहा है। उज्जैन के सभी छह ब्लॉक रेड अलर्ट श्रेणी में हैं। राजधानी भोपाल में भी भू-जल का दोहन 80 प्रतिशत के पार निकल गया है, और इसके तीनों ब्लॉक सेमी-क्रिटिकल श्रेणी में हैं, जिसका सीधा अर्थ है कि भू-जल का उपयोग रिचार्ज की तुलना में कहीं अधिक हो रहा है।

ददिया माइनर नहर बदहाल, खेतों तक नहीं पहुंच रहा पानी, किसान परेशान

किसानों ने माइनर नहर का सीमेन्ट्रीकरण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से करीब 5 किमी दूर स्थित ग्राम पंचायत ददिया एवं मुरझड़ के किसानों के लिए सिंचाई का मुख्य साधन वैनगंगा बड़ी नहर की माइनर शाखा अब उपेक्षा का शिकार है। देख-रेख के अभाव में ददिया से मुरझड़ तक जाने वाली यह माइनर नहर पूरी तरह जीर्ण-शीर्ण हो चुकी है, जिससे क्षेत्र के सैकड़ों किसानों के सामने सिंचाई का संकट खड़ा हो गया है। वहीं लंबे समय से क्षेत्रीय किसानों ने इस माइनर नहर का सीमेन्ट्रीकरण करवाने की मांग कर रहे है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे किसानों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। किसानों ने शासन-प्रशासन से घोटी से निकली ददिया से मुरझड़ माइनर नहर का जल्द सीमेन्टीकरण करवाने की मांग की है।

पानी की कमी से फसल होती है प्रभावित

आपकों बता दे कि वैनगंगा बड़ी नहर घोटी से ददिया-मुरझड़ तक माइनर नहर निकली है। पूर्व में जल संसाधन विभाग के द्वारा घोटी से बम्हनी तक सीमेन्ट्रीकरण नहर का निर्माण किया गया है लेकिन गुणवत्तापूर्ण निर्माण नही होने के कारण जगह-जगह से सीमेन्ट्रीकरण नहर टुट-फुट चुकी है। वहीं ददिया से लेकर मुरझड़ तक सीमेन्ट्रीकरण नहर का निर्माण नही किया गया है। जिसके कारण नहर जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है एवं झाड़िया उग चुकी है। नहर की स्थिति इतनी खराब है कि इसमें जगह-जगह जंगली झाड़ियां उग आई हैं और मिट्टी धंसने के कारण पानी आगे तक नही पहुंच पाता है। अगर इस माइनर नहर का सीमेन्टीकरण कर दिया जाता है तो ददिया, मुरझड़ के सैकड़ों किसानों को वैनगंगा बड़ी नहर का पानी सिंचाई के लिए मिलेगा जिससे उनकी फसल प्रभावित नही होगी। लेकिन शासन-प्रशासन से द्वारा माइनर नहर के खस्ताहाल की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जिससे किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं किसानों का कहना है कि ददिया से मुरझड़ माइनर नहर का सीमेन्ट्रीकरण नही होने के कारण अंतिम छोर (टेल) तक पानी पहुंच ही नहीं पाता, जिससे फसलें प्रभावित हो जाती हैं। मेहनत और लागत लगाने के बाद भी पानी की कमी के कारण पैदावार पर बुरा असर पड़ रहा है। इसलिए प्रशासन से मांग है कि जल्द घोटी से निकली ददिया-मुरझड़ माइनर नहर का सीमेन्ट्रीकरण करवाये ताकि खेतों तक पानी पहुंच सके।

प्रशासन की अनदेखी से आक्रोश

क्षेत्रीय किसानों ने बताया कि वे लंबे समय से ददिया-मुरझड़ माइनर नहर के सीमेन्ट्रीकरण की मांग कर रहे हैं। कई बार गुहार लगाने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों और विभाग ने इस ओर ध्यान नहीं दिया है। शासन-प्रशासन की इसी अनदेखी के कारण अब किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। आगे बताया कि नहर की हालत बहुत खराब है। अगर बरसात से पहले इसका सीमेन्ट्रीकरण नहीं किया गया, तो इस साल भी हमें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। हम चाहते हैं कि प्रशासन जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू करवाये। यदि समय रहते नहर का सीमेन्ट्रीकरण कर दिया जाता है, तो पानी का अपव्यय रूकेगा और खेतों तक सुगमता से पानी पहुंच सकेगा, जिससे फसलों को जीवनदान मिलेगा।

नहर का जल्द किया जाये सीमेंट्रीकरण - तुलसीराम

किसान, पूर्व कृषि समिति सभापति तुलसीराम बोपचे ने बताया कि नहर की दुर्दशा के संबंध में समय-समय पर शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षित करवाया गया था परंतु उनके द्वारा कोई भी सार्थक प्रयास नहीं किया गया, जिससे किसानों को वर्तमान में परेशानी हो रही है। नहर का सीमेंट्रीकरण नहीं होने के कारण किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है और पानी जगह-जगह से व्यर्थ में बहता रहता है जिससे किसानों की फसल भी प्रभावित होती है। श्री बोपचे ने बताया कि लगभग 500 एकड़ कृषि इस माइनर नहर के अंतर्गत आती है और ये सभी किसान समय पर पानी का टैक्स सिंचाई विभाग को देते हैं। उसके बावजूद उनके द्वारा किसानों की इस समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। शासन-प्रशासन से मांग है कि जल्द से जल्द नहर का सीमेंट्रीकरण किया जाना चाहिये, जिससे किसानों को पानी मिले और उनकी फसलों का उत्पादन अच्छा हो एवं किसान समृध्द बन सके।

किसानों के खेतों तक नहीं पहुंचता पानी - मनीराम

जनपद सदस्य प्रतिनिधि मनीराम भोयर ने बताया कि पूर्व में जल उपभोक्ता संस्था का अध्यक्ष रहते हुए हमारे द्वारा यह प्रयास किया गया था कि बड़ी नहर के साथ ही जो छोटी माइनर नहर है उनका भी सीमेंट्रीकरण किया जाये, परंतु इन मांगों को पूरा नहीं किया गया। जिससे वर्तमान में यह समस्या निर्मित हो रही है क्योंकि पुरानी नहर होने के कारण यह जगह-जगह से टूट चुकी है जिसके कारण नहर का पानी किसानों के खेतों तक नहीं पहुंच पा रहा है। श्री भोयर ने बताया कि नहर का सीमेंट्रीकरण नहीं होने के कारण जो दूर के किसान है उनके खेतों पानी नहीं पहुंच पाता है और ऐसी स्थिति बबरिया से पिपरिया, अमोली से आमाटोला और ददिया से देवरी तक बनी हुई है। किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंच पाने के कारण अंत में उनकी फसल बर्बाद हो जाती है। साथ ही यह भी बताया कि नहर जीर्णशीर्ण होने से पानी व्यर्थ बहता रहता है, शासन-प्रशासन से मांग है कि इस माइनर नहर का सीमेन्टीकरण करवाये, जिससे किसानों खेतों तक पानी सुगमता से पहुंच सके और किसान पानी के अभाव में अपनी खेती कार्य में आ रही परेशानी से मुक्त हो सके।

तहसील परिसर गार्डन की सफाई नही होने से गंदगी का लगा अंबार

देखरेख के अभाव में गार्डन में बैठने के लिए बनाये गये सीमेंट की कुर्सी हो रही क्षतिग्रस्त, साफ-सफाई एवं मरम्मत की उठी मांग

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय में स्थित तहसील कार्यालय परिसर में लाखों रूपयों की लागत से गार्डन एवं बैठने के लिए सीमेन्ट की कुर्सी लगाई गई है ताकि जनपद पंचायत क्षेत्र के 104 गांव के ग्रामीणजन तहसील कार्यालय राजस्व काम से आये तो उक्त स्थान पर बैठकर कुछ समय बिता सके परन्तु गार्डन एवं तहसील परिसर की नियमित रूप से साफ-सफाई नही होने के कारण झाडियां उग चुकी है। साथ ही देख-रेख के अभाव में सीमेंट की कुसियां भी क्षतिग्रस्त होने के साथ ही गट्टू भी निकलने लगे है और गार्डन व तहसील परिसर में गंदगी व झाडियां उग जाने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों से तहसील कार्यालय आने वाले ग्रामीणजनों, अधिवक्ता एवं पक्षकारों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मजबूरी में कुड़ा करकट में बैठने मजबूर है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। साथ ही तहसील परिसर में ग्रामीणजनों के लिए पीने की पानी की भी व्यवस्था नही है। जबकि रोजाना जनप्रतिनिधि एवं जिम्मेदार अधिकारी गार्डन एवं तहसील परिसर के समीप से आना-जाना करते है उसके बावजूद भी साफ-सफाई नही हो रही है जिससे ग्रामीणजनों व अधिवक्तागणों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दे कि लालबर्रा मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय में रोजाना 77 ग्राम पंचायत के 104 गांव के ग्रामीणजन राजस्व काम से तहसील कार्यालय आते है और तेज धुप लगने एवं समय पर काम व अधिकारी नही मिलने पर कार्यालय के समीप बने गार्डन में जाकर बैठते है परन्तु गार्डन एवं तहसील परिसर की नियमित रूप से साफ-सफाई नही होने से तहसील कार्यालय के आजू-बाजू व प्रसाधन की ओर जाने वाले रास्ते में झाड़िया उग चुकी है। वहीं गार्डन में लगी सीमेन्ट की कुर्सियों पर डस्ट बैठ जाने के कारण लोग बैठते नही इधर-उधर घुमते रहते है। जबकि लाखों रूपयों की लागत से गार्डन का निर्माण किया गया है परन्तु देखरेख के अभाव में गार्डन में लगाये गये सीमेन्ट की कुर्सी व गट्टू भी क्षतिग्रस्त होने लगी है। वहीं शासन स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई पर लाखों रूपये खर्च कर रही है एवं प्रशासन के द्वारा स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक भी किया जाता है। उसके बावजूद भी तहसील परिसर व दीवारों के किनारे झाड़िया उगने के साथ ही गंदगी फैली हुई है परन्तु जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है, जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्रभर से पहुंचने वाले ग्रामीणजन, पक्षकार एवं अधिवक्तागणों ने तहसील परिसर स्थित गार्डन की नियमित रूप से साफ-सफाई कर बैठने एवं पीने के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था करने की मांग प्रशासन से की है।

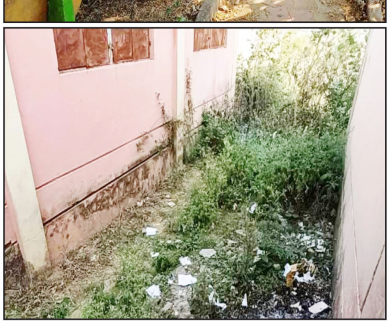

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में खेल की गतिविधियां एवं बारीकियां सीख रहे है खिलाड़ी

सेवानिवृत्त कार्यपालन यंत्री अरविंद चौहान ने खिलाड़ियों से की मुलाकात, बेहतर कैरियर बनाने के दिये टिप्स

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार के फिजिकल क्लब खेल मैदान में जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग बालाघाट के निर्देश पर गत दिवस से ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण आरोह 2026 समर कैम्प शिविर जारी है। आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह में व्हालीबॉल, कबड्डी, एथलेटिक्स, खो-खो खेल की बारीकियां खेल प्रशिक्षकों द्वारा सीखाकर बच्चों को निपुण किया जा रहा है। बुधवार को फिजिकल क्लब औल्याकंहार में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के छटवें दिन रिटायर्ड कार्यपालन यंत्री (लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़) के अरविंद चौहान का आगमन हुआ। इस दौरान उन्होने शिविर में उपस्थित खिलाड़ियों से मुलाकात की और अपने अनुभव सांझा किया। साथ ही श्री चौहान ने शिक्षा का जीवन में क्या महत्व है बच्चों को समझाते हुए कहा - जीवन में पढ़ाई केवल किताबी ज्ञान पाने के लिए नहीं, बल्कि सही और गलत की समझ विकसित करने के लिए जरूरी है। यह न केवल बेहतर कैरियर के अवसर पैदा करती है, बल्कि आपके आत्मविश्वास को बढ़ाकर समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाती है। साथ ही सरल शब्दों में श्री चौहान ने कहा कि शिक्षा वह निवेश है जिसका लाभ जीवनभर मिलता रहता है। खेल हमारे शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अनिवार्य हैं। इनसे न केवल बेहतर स्वास्थ्य और स्फूर्ति मिलती है, बल्कि अनुशासन और टीम वर्क जैसे महत्वपूर्ण गुण भी विकसित होते हैं। साथ ही खेल शरीर को मजबूत बनाता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। तनाव कम होता है और एकाग्रता में सुधार आता है। हार-जीत को स्वीकार करना, नेतृत्व करना और दूसरों के साथ मिलकर काम करना सीखने को मिलता है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और सम्मान मिलता है इसलिए इस ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में जो सीखाया जा रहा है उसे सीखकर आगे बढ़े। वहीं आयोजित इस खेल प्रशिक्षण शिविर में विकासखण्ड के स्कूली छात्र-छात्राओं, गैर स्कूली बच्चों एवं खिलाड़ियों को कबड्डी, व्हॉलीवाल, एथलेटिक्स, योग व अन्य खेलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है एवं उपस्थित खिलाड़ी भी पुरे उत्साह के साथ खेल में भाग लेकर खेल की गतिविधिया, उसकी बारीकियां को सीख रहे है। जो उन्हे भविष्य में काम आयेगा और यह प्रशिक्षण प्रतिदिन सुबह-शाम दिया जा रहा है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (EMRS) बैहर एवं उकवा की प्रबंधन समिति की संयुक्त बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बैहर में आज दिनांक 06 मई 2026 को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (श्स्क्र) बैहर में EMRS बैहर एवं उकवा की प्रबंधन समिति की संयुक्त बैठक अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैहर श्री अर्पित गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में छात्रावास एवं विद्यालय की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान पेयजल व्यवस्था, विद्यार्थियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, खेल सामग्री की उपलब्धता, छात्र सुविधाओं तथा शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। एसडीएम श्री गुप्ता ने संबंधित अधिकारियों एवं प्राचार्यों को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों की आवश्यकताओं की समय पर पूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने विशेष रूप से छात्रावासों में साफ-सफाई, पौष्टिक भोजन एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं पर ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक के पश्चात एसडीएम अर्पित गुप्ता द्वारा EMRS बैहर में नवीन कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कंप्यूटर लैब की स्थापना से विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जुड़ने का बेहतर अवसर मिलेगा, जिससे उनके ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि होगी। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य एवं दोनों विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

खैरलांजी के युवक की हत्या कर शव झाडियों में फेंका, गर्राबोड़ी के पास मिला नगन शव

बाइक से दबाकर दुर्घटना दिखाने की साजिश, हत्या की आशंका से फैली सनसनी रामपायली पुलिस जांच में जुटी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

रामपायली थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम गर्राबोड़ी में बुधवार की सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई। जब मुरझड़ रोड़ स्थित पट बर्रा मैदान की झाडियों में एक युवक का संदिग्ध अवस्था में शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान तरूण लिल्हारे २३ वर्ष के रूप में हुई है जो खैरलांजी का निवासी था। घटना स्थल के हालात और शरीर पर मौजूद चोट के निशान प्रथम दृष्टया हत्या की ओर इशारा कर रहे है जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है।

शादी में जाने का कहकर निकला था मृतक

प्राप्त जानकारी के अनुसार तरुण लिल्हारे पिता टोपसिंह लिल्हारे खैरलांजी में वेल्डिंग की दुकान चलाता था। परिजनों ने बताया कि मंगलवार की शाम को वह हमेशा की तरह दुकान बढ़ाकर घर आया था। रात करीब १० बजे उसने घर पर किसी शादी समारोह में जाने की बात कही और अपनी बाइक लेकर निकल गया। जब वह सुबह तक वापस नहीं लौटा तो परिजन चिंतित थे इसी बीच उन्हें गर्राबोड़ी के पास शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई।

अर्धनग्न अवस्था में मिला शव ऊपर गिरी थी बाइक

बुधवार की सुबह ग्रामीणों ने झाडियों में एक अज्ञात शव देखा जिसकी सूचना तुरंत रामपायली पुलिस और डायल ११२ को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब मुआयना किया तो परिस्थितियां काफी संदिग्ध पाई गईं युवक का शव निर्वस्त्र पाया गया। मृतक की बाइक उसके शव के ऊपर ही गिरी हुई थी जिससे इसे दुर्घटना का रूप देने की कोशिश प्रतीत हो रही है। मृतक के शरीर पर मारपीट के गंभीर निशान मिले हैं जिससे आशंका है कि उसे बेरहमी से पीटा गया है।

एफएसएल और पुलिस ने की जांच

घटना स्थल का निरीक्षण करने के लिए एफएसएल टीम बालाघाट को भी बुलाया गया जिसने बारीकी से साक्ष्य जुटायें हैं। स्थानीय सूत्रों और क्षेत्र में चर्चा है कि मृतक का किसी युवती के साथ प्रेम संबंध था और वह रात में उसी से मिलने के लिए निकला था। हालांकि पुलिस ने अभी इस प्रेम प्रसंग वाले एंगल की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस का मानना है कि युवक की हत्या कहीं और की गई और साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से शव को सुनसान मैदान की झाडियों में लाकर फेंक दिया गया। रामपायली पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना के बाद से खैरलांजी और रामपायली क्षेत्र के ग्रामीणों में रोष और भय का माहौल है।

मौत का कारण अज्ञात है पुलिस जांच कर रही है- अभिषेक चौधरी

एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि ६ मई को सूचना मिली कि ग्राम मुरझड़ से चिखला येरवाटोला के मध्य में एक मोटरसाइकिल के साथ शव बरामद हुआ है। रामपायली थाने की टीम यहां पहुंची और वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी यह २३ वर्षीय तरुण लिल्हारे खैरलांजी का रहने वाला वेल्डिंग की दुकान चलाता है। इसमें देहाती मर्ग दर्ज कर पोस्टमार्टम के लिए शव भेज दिया गया है कारण का पता लगाने के लिए डॉक्टर की पैनल के माध्यम से यह पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। जो एफएसएल के द्वारा जांच की गई है वह विवेचना का विषय है। परिजनों ने बताया कि रात में मृतक शादी विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर से निकला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सटीक कारणों का पता चल पाएगा। सभी संभावित पहलुओं पर गहनता से जांच कर रहे हैं।

वारासिवनी में ९ मई को सजेगी नेशनल लोक अदालत

आपसी सुलह से निपटाए जाएंगे लंबित मामले

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार और जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रणेय कुमार प्राण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में आगामी ९ मई २०२६ को वारासिवनी तहसील न्यायालय में इस वर्ष की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति एवं विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट श्रीमती कविता इवनाती ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि लोक अदालत के सफ ल आयोजन हेतु व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने इस महत्वपूर्ण आयोजन के प्रचार प्रसार में सहयोग की अपील की है ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण और शहरी नागरिक इसका लाभ उठा सकें। लोक अदालत में न्यायालय में लंबित विभिन्न प्रकार के प्रकरणों का निराकरण आपसी समझौते के आधार पर किया जाएगा। जिनमें मुख्य रूप से आपराधिक शमनीय प्रकरण, चेक बाउंस प्रकरण धारा १३८,बैंक रिकवरी और ऋण संबंधी मामले, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, श्रम, भूमि अधिग्रहण, विद्युत एवं जल कर संबंधी मामले, नगर पालिका और नगर पंचायतों के कर संबंधी प्रकरण, राजस्व एवं अन्य दीवानी मामले शामिल हैं। इस लोक अदालत की विशेष बात यह है कि नगर पालिका , नगर पंचायत और विद्युत विभाग के प्रकरणों में एकमुश्त भुगतान करने पर नियमानुसार अधिभार में विशेष छूट प्रदान की जाएगी। श्रीमती कविता इवनाती ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से विवाद सुलझाने के कई फायदे हैं जैसे लंबे समय से चल रहे मुकदमों से मुक्ति मिलती है। आपसी राजीनामे से दोनों पक्षों के बीच कड़वाहट खत्म होती है। लोक अदालत के फैसले के खिलाफकहीं अपील नहीं होती जिससे मामला हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है। इच्छुक पक्षकार जो अपने मामलों का निराकरण कराना चाहते हैं वे अपने अधिवक्ता के माध्यम से या स्वयं तहसील विधिक सेवा समिति वारासिवनी के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

विवाह समारोह के दौरान खूनी संघर्ष भोजन के बाद दो नाबालिगों में चले चाकू

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर १३ में बीती ५ मई की रात एक शादी समारोह के बहार उस वक्त अफरा तफरी में बदल गईं जब दो नाबालिगों के बीच मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद इतना बढ़ गया कि एक १४ वर्षीय बालक ने दूसरे १७ वर्षीय किशोर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस घटना में किशोर गंभीर रूप से घायल हुआ है जिसे उपचार हेतु सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर १३ में एक परिवार में विवाह कार्यक्रम आयोजित था। इस समारोह में स्थानीय लोगों के साथ साथ बाहर से आए मेहमान भी बड़ी संख्या में शामिल हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रात के समय भोजन करने के बाद चार नाबालिग बालक घर से बाहर निकले थे। इसी दौरान किसी पुरानी बात या तात्कालिक विषय को लेकर उनके बीच बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना गहरा गया कि आवेश में आकर १४ वर्षीय नाबालिग ने अपने पास रखे धारदार हथियार से १७ वर्षीय करण पिता सुनील पंचेश्वर पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में घायल होने के बाद करण पंचेश्वर ने तत्काल अपने परिजनों को घटना की सूचना दी। खून से लथपथ हालत में देख परिजनों ने बिना समय गंवाए उसे नगर के सिविल अस्पताल पहुँचाया जहाँ डॉक्टरों के द्वारा उसका प्राथमिक उपचार किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने अस्पताल और घटना स्थल का मुआयना किया। परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी नाबालिग के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा २९४,११५, ३५१,३ के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। वहीं थाना पुलिस का कहना है कि मामला नाबालिगों से जुड़ा है इसलिए संवेदनशीलता के साथ जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में प्रारंभिक धाराओं में मामला दर्ज किया गया है आगे चोट की गंभीरता को देखते हुए मामले में अन्य कड़ी धाराएं बढ़ाई जा सकती हैं।

वारासिवनी लालबर्रा मार्ग पर दो बाइकों की भिड़ंत, वृद्ध गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी लालबर्रा मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम नेवरगांव पेट्रोल पंप के सामने एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने दूसरी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में आमाटोला कासपुर निवासी ६४ वर्षीय वृद्ध सहसराम पटले गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें उपचार के लिए तत्काल सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसराम पटले लालबर्रा क्षेत्र में एक विवाह समारोह में शामिल होने गए थे। वैवाहिक कार्यक्रम के बाद वह पाथरशाही स्थित अपने रिश्तेदारों से मिलने पहुंचे। वहां से वापस अपने गांव आमाटोला लौटने के दौरान उन्होंने नेवरगांव स्थित पेट्रोल पंप से अपनी मोटरसाइकिल में ईधन भरवाया। जैसे ही वह पेट्रोल पंप से निकलकर मुख्य मार्ग पर आए तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सहसराम पटले सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए। बताया जा रहा है कि दुर्घटना को अंजाम देने वाला अज्ञात मोटरसाइकिल चालक बम्हनी निवासी उमेश नागिने है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल वृद्ध को वारासिवनी के सिविल अस्पताल लाया गया। सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आने के कारण डॉक्टर उनकी स्थिति पर निगरानी रख रहे हैं। फिलहाल घायल का प्राथमिक उपचार जारी है।

नौकरी के नाम पर ठगी मामला वारासिवनी पुलिस ने लांजी से दूसरे आरोपी को दबोचा

न्यायालय ने आरोपी को भेजा पुलिस रिमांड पर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय महाविद्यालय में नौकरी लगवाने के नाम पर बेरोजगार युवाओं से लाखों की ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ वारासिवनी पुलिस ने अपनी कार्यवाही तेज कर दी है। मुख्य आरोपी प्रीतम डहरवाल की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस ने उसके एक और साथी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपी का नाम रविशंकर कबीरे है जो लांजी क्षेत्र का निवासी है।

यह है नया खुलासा

पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि ठगी की राशि के लेनदेन में रविशंकर कबीरे की अहम भूमिका थी। पीडितों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आरोपी प्रीतम डहरवाल के कहने पर ठगी की राशि रविशंकर के फोन पे नंबर पर ट्रांसफर की गई थी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और बैंक ट्रांजेक्शन के आधार पर रविशंकर की संलिप्तता की पुष्टि की और उसे गिरफ्तार कर लिया।

मामले की पृष्ठभूमि

गौरतलब है कि आरोपी प्रीतम डहरवाल ने खुद को रसूखदार बताकर वारासिवनी, बालाघाट और लांजी के कई युवाओं को सरकारी नौकरी का झांसा दिया था। कटंझरी निवासी पीयूष राउत सहित कई अन्य युवाओं से लाखों रुपए वसूले गए थे। शिकायत के बाद पुलिस ने अपराध क्रमांक १८१/२६ दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा ३१८,४ और ३ ,५ के तहत मामला दर्ज किया है। जिसमें रविशंकर पिता माखनलाल कबीरे उम्र ३१ वर्ष निवासी ग्राम सिहारी थाना लांजी को गिरफ्तार कर वारासिवनी पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से उसे रिमांड पर भेज दिया गया है।

जांच का दायरा बढ़ने की उम्मीद

वारासिवनी पुलिस अब दोनों आरोपियों को आमने सामने बिठाकर पूछताछ कर रही है। पुलिस को अंदेशा है कि इस नेटवर्क में और भी लोग शामिल हो सकते हैं और ठगी का शिकार हुए पीड़ितों की संख्या बढ़ सकती है। रिमांड के दौरान ठगी गई राशि की बरामदगी और डिजिटल ट्रांजेक्शन के अन्य रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं।

दीनदयाल चौक पर युवक गंभीर रूप से घायल, जिला चिकित्सालय रिफर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शहर के व्यस्ततम दीनदयाल चौक पर ६ मई को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना घटित हुई। इस हादसे में लालपुर निवासी २४ वर्षीय कमलेश चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रिफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लालपुर निवासी कमलेश पिता धनलाल चौधरी किसी निजी कार्य से नगर आए हुए थे। दीनदयाल चौक के समीप वह सड़क हादसे का शिकार हो गए जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना होते ही आसपास मौजूद लोग मदद के लिए दौड़े और मानवता दिखाते हुए घायल कमलेश को तत्काल स्थानीय सिविल अस्पताल पहुँचाया। सिविल अस्पताल में डॉक्टरों ने तत्परता दिखाते हुए उनका प्राथमिक उपचार किया। लेकिन घाव गहरे होने के कारण उन्हें उच्च स्तरीय उपचार हेतु तत्काल जिला चिकित्सालय भेज दिया गया है।

एनसीसी का 95वां संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 6 म.प्र. बटालियन एनसीसी बालाघाट के तत्वावधान में दस दिवसीय 95वां संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (CATC-95) का शुभारंभ बुधवार को हुआ। शिविर के उद्घाटन अवसर पर कैम्प कमाण्डेन्ट लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए एकता और अनुशासन के सिद्धांतों का पालन करने का संदेश दिया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि सभी कैडेट्स को जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर भविष्य निर्माण के लिए निरंतर मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि एनसीसी प्रशिक्षण शिविर कैडेट्स के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और उन्हें जिम्मेदार व राष्ट्रभक्त नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है। कैम्प कमाण्डेन्ट ने आगे कहा कि शिविर के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु कैडेट्स को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, उत्तम चरित्र एवं मानवीय मूल्यों के साथ कार्य करना चाहिए। उद्घाटन सत्र के बाद कैडेट्स को ड्रिल अभ्यास कराया गया तथा फायरिंग में भाग लेने वाले कैडेट्स को प्रारंभिक शस्त्र संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही संगीत में रुचि रखने वाले कैडेट्स के लिए गिटार प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई और नियमित एनसीसी कक्षाओं का संचालन भी किया गया। शिविर में एनसीसी अधिकारी कल्पना थोंबरे एवं नवीता मैथ्यु के साथ हवलदार किरण कुमार और हवलदार रामदेव भी सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह शिविर आगामी दिनों में विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों के माध्यम से कैडेट्स के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित रहेगा।

लिंगा में उच्चस्तरीय पुल निर्माण स्थल का एसडीएम ने किया निरीक्षण, अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के विकासखंड बालाघाट अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत नवेगांव से देवगांव मार्ग पर ग्राम लिंगा में निर्माणाधीन उच्चस्तरीय पुल के कार्य का आज 06 मई को एसडीएम गोपाल सोनी द्वारा निरीक्षण किया गया। पुल के दोनों ओर एप्रोच रोड का कार्य प्रगति पर है, जहां घनी आबादी वाले क्षेत्र में कुछ स्थानों पर अतिक्रमण की स्थिति सामने आई है। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री सोनी ने संबंधित क्षेत्र के ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हें अतिक्रमण हटाने के लिए समझाइश दी। उन्होंने कहा कि यह कार्य शासन की महत्वपूर्ण योजना के अंतर्गत किया जा रहा है, जिससे क्षेत्रीय आवागमन सुगम होगा और विकास को गति मिलेगी। इसलिए सभी ग्रामीण सहयोग करें, ताकि निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण किया जा सके। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की महाप्रबंधक माया मनीष परते, उपयंत्री श्री रामनरेश यादव, पटवारी ग्राम लिंगा, ग्राम पंचायत के पंच भोलानाथ वामनकर, पूर्व सरपंच तुलसीराम कावरे, सहायक सचिव नरेश छिपकर सहित शांतिलाल दोनकर, आरिफ कुरेशी, सुका जी कावरे, आकाश शुक्ला, संतोष बढ़ई एवं अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मोबाइल की चकाचौंध में गुम हुआ बचपन

आज की शाम किसी भी मोहल्ले के पार्क या कॉलोनी के पास से गुज़रिए, एक सन्नाटा मिलेगा, वह शोर-शराबा, बच्चों के चहकने की आवाज़े, और पकड़म-पकड़ाई के खेल अब न के बराबर दिखते हैं। अगर कुछ बच्चे नजर भी आते हैं, तो अक्सर वे किसी बेंच पर सिर झुकाए मोबाइल की स्क्रीन में खोए रहते हैं। उनके अंगूठे स्क्रीन पर तेज़ी से चल रहे होते हैं, जहाँ उनका डिजिटल खिलाड़ी मैदान पर बहुत तेज़ दौड़ रहा होता है, लेकिन हकीकत में उनके अपने पैर थमे हुए हैं। यह मंजर आज की उस कड़वी हकीकत को बताता है जहाँ बचपन खेल के मैदानों से कटकर पांच इंच की स्क्रीन में सिमट गया है। 7 मई का दिन पूरी दुनिया में विश्व एथलेटिक्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। तारीखों के हिसाब से देखें तो यह दिन खेलों को बढ़ावा देने का एक मौका हो सकता है, लेकिन समाज के नाते यह दिन हमसे कुछ सवाल पूछता है। सबसे बड़ा सवाल यह कि क्या हमारे जीवन से मैदान और मिट्टी का रिश्ता टूट रहा है? एथलेटिक्स कोई भारी-भरकम शब्द नहीं है, यह तो हम सबकी बुनियादी फितरत है। दौड़ना, कूदना और अपनी पूरी ताकत से भागना, ये वो चीज़ें हैं जो एक बच्चा चलना सीखने के साथ ही अपने आप करने लगता है। लेकिन जैसे-जैसे हम आधुनिक सुविधाओं की तरफ बढ़े, हमने बच्चों के भीतर के इस खिलाड़ी को सुरक्षा और पढ़ाई के नाम पर घरों के भीतर कैद कर दिया है। एक दौर था जब गाँव की पगडंडियों पर नंगे पैर दौड़ना या स्कूल के ऊबड़-खाबड़ मैदानों में पसीना बहाना ही दिन की सबसे बड़ी खुशी होती थी। तब न महंगे जूते थे, न कोई खास डाइट और न ही वातानुकूलित जिम। फिर भी शरीर मजबूत रहता था और मन में गजब का उत्साह। आज तकनीक ने हमें सब कुछ दे दिया है, बस वह पसीना बहाने वाला ज़मीन का रिश्ता कहीं पीछे छूट गया है। आज का बच्चा स्कूल की पढ़ाई, भारी-भरकम ट्यूशन और फिर अंतहीन मुकाबलों की ऐसी अदृश्य रेस में दौड़ रहा है, जहाँ वह मानसिक रूप से तो थक जाता है, उसका शरीर सुस्त पड़ा रहता है। जब भी ओलंपिक जैसे बड़े खेल होते हैं, तो नीरज चोपड़ा या हिमा दास जैसे खिलाड़ियों की सफलता पर पूरा देश गर्व करता है। सोशल मीडिया पर उनकी तारीफों के पुल बांध दिए जाते हैं। लेकिन क्या एक समाज के तौर पर हम अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं? हकीकत यह है कि आज भी मध्यमवर्गीय परिवारों में खेलकूद को पढ़ाई के बाद का काम समझा जाता है। जैसे ही कोई बच्चा हाथ में फुटबॉल या गेंद, बैट उठाता है, माता-पिता को उसके भविष्य की चिंता होने लगती है। हम यह भूल जाते हैं कि मैदान केवल खिलाड़ी नहीं बनाते, बल्कि ये बेहतर इंसान बनाते हैं। एथलेटिक्स या कोई भी खेल हमें वह अनुशासन सिखाता है, मैदान पर जब कोई बच्चा गिरता है और अपनी धूल झाड़कर फिर से दौड़ने लगता है, तो असल में वह जीवन के बड़े संघर्षों का मुकाबला करने की तैयारी कर रहा होता है। खेल उसे हार को हिम्मत के साथ स्वीकार करना और जीत के लिए दोबारा मेहनत करना सिखाते हैं। आज के समय में जब बच्चों में चिड़चिड़ापन, तनाव और मोटापा बढ़ रहा है, तब खेल के मैदान ही सबसे बेहतर दवा साबित हो सकते हैं। मोबाइल की स्क्रीन उसे पल भर की खुशी तो दे सकती है, लेकिन वह आत्मविश्वास नहीं दे सकती जो उसे असली मैदान पर पसीना बहाने से मिलता है। विश्व एथलेटिक्स दिवस पर यह सोचना ज़रूरी है कि क्या हम अपने बच्चों को केवल डिग्रियों की रेस का हिस्सा बनाना चाहते हैं या उन्हें एक स्वस्थ जीवन भी देना चाहते हैं?

बंगाल विजयः संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रही थी और उसकी वह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बनी है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत 'हिंदू वोट बैंक' तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक 'मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं ने अपेक्षाकृत शांत रहकर 'निःशब्द विप्लव' या 'मूक क्रांति' को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपना पक? मजबूत करने पर ध्यान दिया। बंगाल की अस्मिता, विकास और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को आधार बनाकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला, युवा, प्रबुद्ध वर्ग, किसान, श्रमिक और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तक अलग-अलग तरीकों से पहुंचने की कोशिश की गई।

निश्चिततौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष मंर निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल चुनावी रणनीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था। पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार के तहत नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में ख ?ी दिखाई दी। इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जु ?ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बंगाली अस्मिता और हिंदुत्व परस्पर विरोधी हैं, लेकिन इस चुनाव में यह धारणा काफी हद तक टूटती हुई दिखाई दी। जय श्री राम के साथ जय मां काली और जय मां दुर्गा जैसे नारों का समन्वय केवल राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश था, जिसने यह स्थापित किया कि क्षेत्रीय पहचान और व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा के बीच कोई टकराव नहीं है। इस समन्वय ने मतदाताओं के भीतर एक नई प्रकार की आत्मजागरूकता उत्पन्न की, जहां वे केवल विकास या योजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के आधार पर भी निर्णय लेने लगे। चुनाव के दौरान जिस प्रकार से 'अस्तित्व' एवं 'अस्मिता' का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला। इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकर्ताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही। यह केवल एक राजनीतिक दल का प्रयास नहीं था, बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक सहयोग का परिणाम था, जिसने भाजपा को एक सशक्त चुनावी शक्ति के रूप में स्थापित किया।

इस जीत में नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीतिक क्षमता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जिस सामाजिक आधार की आवश्यकता थी, वह संघ ने तैयार किया। यही कारण है कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की सफलता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस चुनाव में बंगाल के मध्यम वर्ग का झुकाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में सामने आया। यह वर्ग परंपरागत रूप से विचारशील और राजनीतिक रूप से सजग माना जाता है और इसका समर्थन किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक होता है। संघ ने इस वर्ग के बीच संवाद और जागरूकता के माध्यम से एक वैचारिक आधार तैयार किया, जिससे यह वर्ग भाजपा के समर्थन में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरा। इस पूरे परिवर्तन को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दृष्टिकोण और उनके सपनों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उन्होंने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा की नींव रखी थी, उसे आज बंगाल की धरती पर एक नए रूप में साकार होते हुए देखा जा रहा है। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक भी है।

अंततः यह स्पष्ट होता है कि पश्चिम बंगाल 2026 का चुनाव केवल एक चुनावी घटना नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जिस प्रकार से वर्षों तक धैर्य और अनुशासन के साथ समाज के भीतर कार्य किया, वह आज परिणाम के रूप में सामने आया है। यह परिवर्तन यह संकेत देता है कि जब संगठनात्मक शक्ति, वैचारिक स्पष्टता और नेतृत्व की दिशा एक साथ मिलती है, तो वे न केवल राजनीतिक परिणामों को प्रभावित करती हैं, बल्कि समाज की दिशा को भी बदलने की क्षमता रखती हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह परिवर्तन किस प्रकार आगे विकसित होता है और क्या यह केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित रहता है या एक स्थायी सामाजिक पुनर्जागरण का आधार बनता है।

-ललित गर्ग

तेल कंपनियों का रिकॉर्ड मुनाफा और उपभोक्ताओं पर बढ़ता बोझ

भारत में पेट्रोलियम क्षेत्र एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान देश की प्रमुख तेल कंपनियों ने जिस तरह से मुनाफा कमाया है, उसने आम जनता, विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के बीच नई बहस को जन्म दे दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन कंपनियों ने रोजाना औसतन 116 करोड़ रुपये का लाभ कमाया, जो पूरे वर्ष में करीब 1.37 लाख करोड़ रुपये के आसपास बैठता है। यह आंकड़ा न केवल चौंकाने वाला है बल्कि यह भी संकेत देता है कि बाजार की जटिल परिस्थितियों के बावजूद कंपनियों की कमाई लगातार मजबूत बनी हुई है।

पिछले तीन वर्षों से तेल कंपनियों का मुनाफा लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद कंपनियों ने अपने मार्जिन को बनाए रखा है। खास बात यह है कि जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो कंपनियां कीमतें बढ़ाने की बात करती हैं, लेकिन जब कीमतें घटती हैं, तो उपभोक्ताओं को उसका पूरा लाभ नहीं मिल पाता। 2022-23 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद कच्चे तेल की कीमतें 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। उस समय भी अधिकांश तेल कंपनियों ने भारी मुनाफा कमाया था। इसके बाद 2023-24 और 2024-25 में कीमतों में कुछ गिरावट आई, लेकिन कंपनियों के लाभ में कोई खास कमी नहीं आई। 2025-26 में भी यही ट्रेंड जारी रहा। केयर एज रेटिंग के अनुसार, तीसरी तिमाही में रिफाइनिंग मार्जिन प्रति बैरल लगभग 13 डॉलर तक पहुंच गया था, जो भारतीय मुद्रा में करीब 1,235 रुपये होता है। इसका सीधा असर कंपनियों की कमाई पर पड़ा। अगर पेट्रोल और डीजल के स्तर पर देखा जाए, तो कंपनियों को प्रति लीटर 7 से 6 रुपये तक का लाभ मिल रहा था। इससे पहले 2024-25 में यह मार्जिन 12 से 14 रुपये प्रति लीटर तक था। यह साफ दिखाता है कि कंपनियों ने लागत और बिक्री मूल्य के बीच एक ऐसा संतुलन बनाया है, जिससे उनका मुनाफा लगातार बढ़ता रहा। हालांकि, दूसरी ओर उपभोक्ताओं की स्थिति उतनी मजबूत नहीं रही। आम जनता को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अपेक्षित राहत नहीं मिल पाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें घटने के बावजूद घरेलू स्तर पर कीमतों में सीमित कटौती ही देखने को मिली। इससे यह सवाल उठता है कि क्या तेल कंपनियां का मुनाफा उपभोक्ताओं की कीमत पर बढ़ रहा है? 2026 की शुरुआत में ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध की स्थिति ने एक बार फिर तेल बाजार को प्रभावित किया। 26 फरवरी 2026 से शुरू हुए इस संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई और यह 125 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। हालांकि बाद में कीमतें घटकर 116 डॉलर तक आ गई। इस दौरान तेल कंपनियों ने दावा किया कि उन्हें पेट्रोल पर प्रति लीटर 14 रुपये और डीजल पर 10 रुपये का नुकसान हो रहा है। लेकिन यह दावा उस समय सवालों के घेरे में आ गया जब उनके पिछले मुनाफे के आंकड़े सामने आए। विशेषज्ञों का मानना है कि तेल कंपनियां अपने नुकसान और मुनाफे को संतुलित तरीके से प्रस्तुत करती हैं। जब कीमतें बढ़ती हैं तो नुकसान का हवाला दिया जाता है और जब कीमतें घटती हैं तो मुनाफे की बात कम ही सामने आती है। यह रणनीति बाजार और उपभोक्ताओं दोनों को प्रभावित करती है। सरकार की भूमिका भी इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार ने 27 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी, जिससे आम जनता को कुछ राहत मिली। हालांकि इससे सरकार को हर महीने करीब 12,000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। इस घाटे की भरपाई के लिए सरकार ने डीजल के निर्यात पर टैक्स बढ़ा दिया, जिससे अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। भारत में हर महीने औसतन 191 करोड़ लीटर डीजल का निर्यात होता है। टैक्स बढ़ने के बाद सरकार को केवल डीजल निर्यात से ही करीब 10,500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हो रही है। इससे यह साफ है कि सरकार भी राजस्व संतुलन बनाए रखने के लिए अलग-अलग उपाय कर रही है। तेल कंपनियों द्वारा उठाए गए कुछ कदम भी चर्चा में रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ क्षेत्रों में एक बार में 200 लीटर से अधिक पेट्रोल या डीजल देने पर प्रतिबंध लगाया गया। यह कदम आपूर्ति को नियंत्रित करने और संभावित संकट से निपटने के लिए उठाया गया था। हालांकि इससे छोटे व्यवसायों और किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कच्चे तेल की कीमतों का इतिहास देखें तो 2020-21 में यह लगभग 44.65 डॉलर प्रति बैरल थी, जो महामारी के दौरान सबसे कम स्तर था। इसके बाद 2021-22 में यह 79.30 डॉलर, 2022-23 में 90 डॉलर के आसपास, 2023-24 में 82.58 डॉलर और 2024-25 में 78.56 डॉलर रही। 2025-26 में यह औसतन 70.99 डॉलर के आसपास रही। इस ट्रेंड से स्पष्ट है कि कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन इसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या तेल कंपनियों का मुनाफा उचित है या इसमें संतुलन की जरूरत है। एक तरफ कंपनियां यह तर्क देती हैं कि उन्हें वैश्विक बाजार की अनिश्चितताओं, रिफाइनिंग लागत और लॉजिस्टिक्स खर्च का सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ उपभोक्ता यह महसूस करते हैं कि उन्हें कीमतों में पारदर्शिता और राहत मिलनी चाहिए।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार और कंपनियों दोनों को मिलकर एक संतुलित नीति बनानी चाहिए, जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत रहे और उपभोक्ताओं को भी उचित कीमत मिले। इसके लिए मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता, टैक्स संरचना में सुधार और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना जरूरी है। भविष्य की बात करें तो भारत तेजी से ऊर्जा परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और अन्य वैकल्पिक स्रोतों पर जोर दिया जा रहा है। इससे आने वाले वर्षों में तेल की मांग पर असर पड़ सकता है। ऐसे में तेल कंपनियों को भी अपने बिजनेस मॉडल में बदलाव लाना होगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि तेल कंपनियों का बढ़ता मुनाफा केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक महत्व का विषय भी बन चुका है। जब तक उपभोक्ताओं को उचित राहत और पारदर्शिता नहीं मिलेगी, तब तक यह बहस जारी रहेगी। सरकार, कंपनियां और जनता के बीच संतुलन बनाना ही इस चुनौती का सबसे प्रभावी समाधान हो सकता है।

-कांतिलाल मांडोत

जैव विविधता के लिए सतत कृषि की आवश्यकता

- संजय गोस्वामी

सतत् कृषि का तात्पर्य कृषि और खाद्य उत्पादन के लिये एक समग्र दृष्टिकोण से है जिसका उद्देश्य कृषि प्रणालियों की दीर्घकालिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करते हुए तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिये प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करते हुए भोजन एवं फाइबर की वर्तमान जरूरतों को पूरा करना है। इसमें फसल प्रतिरूप, जैविक खेती, सामुदायिक सहायक कृषि आदि जैसी विभिन्न प्रथाओं और सिद्धांतों को शामिल किया गया है, जो पर्यावरणीय प्रबंधन, आर्थिक लाभप्रदता तथा सामाजिक समानता पर ध्यान केंद्रित करते हैं। ऐसी प्रथाएँ जो पारिस्थितिक तंत्र, मृदा, जल और जैवविविधता पर प्रभाव को कम करती हैं। इसमें ऐसी पद्धतियों का प्रयोग करना शामिल है जो मृदा-अपरदन को कम करते हैं, जल का संरक्षण करते हैं और रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों के प्रयोग से बचते हैं या कम करते हैं। मृदा की उर्वरता और स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिये फसल चक्र, कवर क्रॉपिंग और कृषि-वानिकी जैसी तकनीकों को नियोजित किया जाता है। यह सुनिश्चित करना

कि कृषि पद्धतियाँ किसानों के लिये आर्थिक रूप से व्यवहार्य हों, जिससे वे अपनी आजीविका बनाए रखते हुए उचित आय अर्जित कर सकें। इसमें ऐसी रणनीतियाँ शामिल हैं जो उत्पादकता बढ़ाती हैं, उत्पादन लागत कम करती हैं और स्थायी रूप से उत्पादित वस्तुओं के लिये बाजार खोलती हैं। सामाजिक समताः किसानों, उपभोक्ताओं और खाद्य प्रणाली में अन्य हितधारकों के बीच निष्पक्ष एवं न्यायसंगत संबंधों को बढ़ावा देना। इसमें खेतिहर मजदूरों के लिये उचित वेतन और काम करने की स्थिति सुनिश्चित करना, ग्रामीण समुदायों का समर्थन करना एवं सभी के लिये स्वस्थ व पौष्टिक भोजन तक पहुँच को बढ़ावा देना शामिल है। जलवायु परिवर्तन के प्रति समुत्थानशीलताः ऐसी कृषि प्रणालियों का निर्माण करना जो जलवायु परिवर्तनशीलता और परिवर्तन के प्रति समुत्थानशील हों। सतत् कृषि पद्धतियों का लक्ष्य बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल ढलना, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना और समग्र जलवायु समुत्थानशक्ति में योगदान करना है। फसलों और पशुओं में विविध पारिस्थितिक तंत्र तथा आनुवंशिक विविधता का समर्थन करना, कीटों, बीमारियों और पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रति समुत्थानशीलता के लिये जैवविविधता को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। इसमें स्थानीय और स्वदेशी फसल किस्मों को संरक्षित करना, साथ ही वन्यजीवों व परागणकों का समर्थन करने वाले विविध परिदृश्यों को बढ़ावा देना शामिल है। भारत में सतत् कृषि की सीमाएँ क्या हैं? उच्च श्रम मांगः सतत् कृषि के लिये प्रायः पारंपरिक कृषि की तुलना में अधिक शारीरिक श्रम की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसमें फसल चक्र, अंतर-फसल, जैविक उर्वरक और कीट प्रबंधन जैसी प्रथाएँ शामिल होती हैं। इससे उत्पादन लागत बढ़ सकती है और किसानों की लाभप्रदता कम हो सकती है। समय की खपतः सतत् कृषि के कार्यान्वन में और उपज प्राप्त करने में पारंपरिक कृषि की तुलना में अधिक समय लगता है क्योंकि यह प्राकृतिक प्रक्रियाओं तथा क्रमिक प्रगति पर निर्भर करती है। यह उन किसानों को हतोत्साहित कर सकता है जिन्हें तत्काल उपज की आवश्यकता होती है तथा उन्हें मौसम, बाजार एवं नीति परिवर्तन जैसी अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ता है। सीमित उत्पादन क्षमताः सतत् कृषि भारत में खाद्यान्न की बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं हो सकती है क्योंकि विशेषकर अल्पावधि में इसमें पारंपरिक कृषि की तुलना में कम पैदावार होती है। यह विशेषकर एक बड़े तथा बढ़ती आबादी वाले देश में खाद्य सुरक्षा तथा गरीबी उन्मूलन के लिये एक चुनौती उत्पन्न कर सकता है। हाल ही में श्रीलंका संकट जैविक कृषि की ओर स्थानांतरित करने के प्रयास के कारण उत्पन्न हुआ था। इसके परिणामस्वरूप चावल, जो कि श्रीलंका का प्रमुख आहार है, की औसत पैदावार में लगभग 30% की कमी देखी गई।

उच्च पूंजी लागतः सतत् कृषि के लिये बुनियादी ढाँचे, उपकरण व इनपुट जैसे सिंचाई प्रणाली, सूक्ष्म सिंचाई उपकरण, जैविक उर्वरक एवं बीज में उच्च निवेश की आवश्यकता हो सकती है। यह उन छोटे तथा सीमांत किसानों के लिये एक बाधा हो सकता है जिनके पास ऋण तथा सब्सिडी तक पहुँच नहीं है। भंडारण और विपणन चुनौतियाँः भारत में सतत् कृषि को भंडारण तथा विपणन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि यह खराब होने वाले तथा विविध उत्पादों का उत्पादन करती है जिनके लिये उचित प्रबंधन एवं पैकेजिंग की आवश्यकता होती है। इससे फसल कटाई के बाद का नुकसान बढ़ सकता है तथा उपज की विपणन क्षमता कम हो सकती है, विशेष रूप से पर्याप्त प्रमाणीकरण एवं लेबलिंग प्रणालियों के अभाव में जो गुणवत्ता व उत्तरदायित्व सुनिश्चित करती हैं। सतत् कृषि पर राष्ट्रीय मिशन परंपरागत कृषि विकास योजना कृषि वानिकी पर उप-मिशन राष्ट्रीय कृषि विकास योजना उत्तर पूर्वी क्षेत्र हेतु मिशन जैविक मूल्य श्रृंखला विकास किसानों को प्रत्यक्ष भुगतान, जैविक आदानों के लिये सब्सिडी और फसल बीमा जैसी स्थायी प्रथाओं को अपनाने हेतु वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करना, सतत् कृषि प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं के अनुसंधान तथा विकास में निवेश करना, किसानों को टिकाऊ कृषि पर प्रशिक्षण और जानकारी प्रदान करने के लिये कृषि विस्तार सेवाओं को मजबूत करना, बेहतर बुनियादी ढाँचे, विपणन सहायता और उपभोक्ता जागरूकता अभियानों के माध्यम से स्थायी रूप से उत्पादित भोजन के लिये बाजार पहुँच में सुधार करना, भूमि समेकन कार्यक्रमों के माध्यम से भूमि विखंडन को संबोधित करना और संयुक्त कृषि पहल को बढ़ावा देना, पर्यावरण नियमों और उनके कार्यान्वयन को मजबूत करना, भूमि स्वामित्व अधिकार, ऋण और संसाधनों तक पहुँच तथा निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भागीदारी के माध्यम से कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाना है।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। आवकों में सुधार से बुधवार को किराना जिंसों में नारियल बाजार नरमी के रहे। शक्कर में सुर्खी कायम रही। खाद्य तेलों में बाजार बढ़त पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूत हुए। दलहनों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार आवकों में सुधार के चलते किराना जिंसों में नारियल बाजार नरमी के रहे। शक्कर में सुस्ती बनी। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य रहा। किन्तु बाजार तेजी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन मजबूती पर रहा। दलहनों में कामकाज की मात्रा कम ही रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4190-4250, खोपरा गोला 380-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2300-2400, (160) 2700, (200) 2700, (250) 2700

तेल- सींगदाना 1630-1650, मुम्बई 1650, राजकोट तेलिया 2560, सोया साल्वेंट 1410-1415, सोया रिफाइंड 1480-1485, कपास्या 1460-1465, धूलिया 1465, कड़ी 1470,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1600, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1520,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7500-7700, रायडा 6500-6700, सोयाबीन 6400-6500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5675-5725, एवरेज 5450-5575, विशाल 5625-5650, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7600-7800, मूंग पुराना बोल्ड 8500-8800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-7100, एवरेज 6800-6900, हल्की 6600-6700, महाराष्ट्र सफेद 7100-7200, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2525, लोकवन एवरेज 2550-2600, बेस्ट 2700-3000, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2000-2025, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सुधार पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 246000, चाँदी (99) 245900, टंच 245200, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151200,

रुपया बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 32 पैसे की तेजी के साथ ही 94.51 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुरुआती कारोबार में 23 पैसे बढ़कर 94.95 पर पहुंच गया। रुपये की कीमतों में से तेजी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ तनाव कम करने के संकेतों देने के बाद ब्रेंट क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों में गिरावट से आई है। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा है कि पश्चिम एशिया में राजनीतिक तनाव कम होने के संकेतों से भी तेल की कीमतें घटकर 108 डॉलर प्रति बैरल हो गईं। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 23 पैसे उछलकर 94.95 प्रति डॉलर के शुरुआती उच्च स्तर पर पहुंच गया। रुपया बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.10 पर कारोबार कर रहा था। वहीं गत दिवस रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.18 पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ संघर्ष समाप्त करने के संकेतों से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इस कारण कच्चे तेल की कीमतों में 6 फीसदी की गिरावट आई है जिससे भी बाजार में उत्साह का माहौल है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 940.73 अंक बढ़कर 77,958.52 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 298.15 अंक उछलकर 24,330.95 पर पहुंच गया। बीएसई के शीर्ष 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त पर बंद हुए। आज कारोबार के दौरान निफ्टी के सभी सेक्टोरियल इंडेक्स में तेजी रही। केवल एफएमसीजी सेक्टर के शेयर ही नीचे आये।

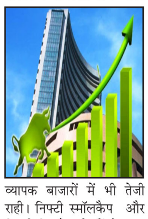

व्यापक बाजारों में भी तेजी राही। निफ्टी स्मॉलकैप और निफ्टी मिडकैप शेयरों मे 0.9 फीसदी और 1.1 फीसदी की बढ़त रही। शेयर बाजार में तेजी की वजह से आज निवेशकों को खासा लाभ हुआ। बाजार पूंजीकर 466 लाख करोड़ रुपये से 472 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया जिससे निवेशकों को करीब 6 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 253.42 अंक करीब 0.33 फीसदी की तेजी के साथ 77,248.86 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.80 अंक उछलकर 24,129.75 पर करोबार कर रहा था। आज महिन्द्रा एंड महिंद्रा , इंटर ग्लोब एवीएशन और टाटा मोटर्स वाहनों के शेयरों में तेजी रही। इन कंपनियों के शेयरों में खरीदारी से बाजार में तेजी आई। वहीं व्यापक बाजार की बात करें तो मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स लगभग 0.91 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स करीब 1.01 फीसदी उछला। दूसरी ओर एशियाई और अमेरिकी बाजारों में भी तेजी का माहौल रहा।

बंगाल में बीजेपी सरकार बनने से निवेश और उद्योग को नई रफ्तार की उम्मीद

नई दिल्ली। एजेंसी। 2015 में पश्चिम बंगाल के बर्नपुर स्थित आधुनिक आईआईएससीओ संयंत्र के उद्घाटन समारोह में सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी की मौजूदगी में कहा था कि राजनीति और विकास को अलग-अलग रखा जाना चाहिए। हालांकि आने वाले सालों में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बढ़ते टकराव और टीएमसी की नीतियों के चलते कई बड़े निवेश प्रस्ताव पर असर हुआ। अब राज्य और केंद्र दोनों में बीजेपी की सरकार बनने के बाद उद्योग जगत की नजर इस बात पर टिकी है कि क्या यह राजनीतिक तालमेल पश्चिम बंगाल को फिर से निवेश और औद्योगिक विकास का बड़ा केंद्र बना पाएगा। बता दें बीजेपी ने अपने घोषणापत्र में कारोबार सुगमता बढ़ाने, सिंगल विंडो सिस्टम लागू करने और सिंडिकेट संस्कृति खत्म करने का वादा किया है। पार्टी ने बंदरगाह आधारित विकास, नीली अर्थव्यवस्था, मत्स्य पालन, समुद्री खाद्य प्रसंस्करण और तटीय आर्थिक क्षेत्रों के विस्तार की योजना भी पेश की है। साथ ही आधुनिक इस्पात संयंत्रों और नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास पर भी जोर दिया है। पश्चिम बंगाल के औद्योगिक इतिहास में सिंगूर का मुद्दा हमेशा अहम रहा है। जहां कभी टाटा की नैनो परियोजना प्रस्तावित थी, वहीं अब बीजेपी वहां औद्योगिक पार्क विकसित करने की बात कर रही है। उद्योग जगत की सबसे बड़ी उम्मीद भूमि अधिग्रहण नीति में बदलाव को लेकर है। सिंगूर और नंदीग्राम आंदोलनों के बाद राज्य में भूमि अधिग्रहण बेहद संवेदनशील विषय बन गया था। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के महानिदेशक राजीव सिंह का कहना है कि पश्चिम बंगाल में भूमि आज भी सबसे बड़ी संरचनात्मक चुनौती बनी हुई है। राज्य में जनसंख्या घनत्व ज्यादा है और जमीन छोटे-छोटे हिस्सों में बंटी हुई है। राज्य में करीब 71 लाख किसान परिवार हैं, जिनमें 96 फीसदी छोटे और सीमांत किसान हैं।

मोदी कैबिनेट ने दी आपातकालीन ऋण गारंटी योजना के पांचवें संस्करण को मंजूरी

नई दिल्ली। एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आपातकालीन ऋण गारंटी योजना के पांचवें संस्करण को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), विमान कंपनियों और अन्य कंपनियों को पश्चिम एशिया संकट के कारण बढ़ती लागतों के बीच कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने में मदद करने के लिए 18,100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। कोविड महामारी के दौरान मई 2020 में पहली बार शुरू की गई इस योजना से विमानन क्षेत्र के लिए 5,000 करोड़ के विशेष आवंटन सहित 2.55 लाख करोड़ रुपए के अतिरिक्त ऋण प्रवाह की उम्मीद है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबि पीएम मोदी ने कहा कि मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत ईसीएलजीएस 5.0 वैश्विक चुनौतियों के समय में भारत के व्यवसायों, विशेष कर एमएसएमई क्षेत्र का समर्थन करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मजबूत गारंटी कवरेज के साथ अतिरिक्त ऋण प्रवाह को संभव बनाकर यह पहल कई क्षेत्रों की मदद करेगी। हमारा ध्यान उद्यमों को सशक्त बनाने, वृद्धि की गति को बनाए रखने और आजीविका की सुरक्षा पर केंद्रित है। यह योजना बैंकों को सरकार समर्थित गारंटी प्रदान करके पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित व्यवसायों को ज्यादा ऋण देने की अनुमति देती है। यदि उधारकर्ता भुगतान में चूक करते हैं तो नैशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी के जरिए सरकार एमएसएमई के लिए 100 फीसदी और बड़ी फर्मों व विमानन कंपनियों के मामले में 90 फीसदी नुकसान को कवर करेगी। इससे ऋणदाताओं का जोखिम कम होगा और व्यवसायों की नकदी प्रवाह की समस्या दूर होगी। कंपनियां वित्त वर्ष 2026 की मार्च तिमाही में उपयोग की गई अपनी उच्चतम कार्यशील पूंजी का 20 फीसदी तक, 100 करोड़ रुपए की अधिकतम सीमा के साथ अतिरिक्त ऋण प्राप्त कर सकते हैं। विमानन कंपनियां जरुरत का 100 फीसदी तक, प्रति उधारकर्ता 1,500 करोड़ रुपए की सीमा के साथ अतिरिक्त कर्ज ले सकती हैं।

मेष- आज दिल और किस्मत दोनों आपका साथ देने वाले हैं। प्रेम जीवन में मिठास बढ़ेगी और पार्टनर के साथ बॉन्डिंग पहले से मजबूत होगी। धन-धान्य में भी बढ़ोतरी के संकेत हैं, लेकिन राजनीति या सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग थोड़ा सावधान रहें, क्योंकि विरोधी पर्दे के पीछे चाल चल सकते हैं। नौकरी की तलाश में भटक रहे लोगों के लिए कोई दोस्त ही आज रास्ता खोल सकता है। मन करेगा तो कहीं घूमने निकल पड़ेंगे और वही आपको सुकून देगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए अच्छा है, बस एक छोटी सी सावधानी जल्दबाजी से बचें, वरना चोट लग सकती है। वाहन संभलकर चलाएं। परिवार में खुशियां रहेंगी और आप अपने बच्चों के लिए कोई सरप्राइज लेकर आ सकते हैं। छात्रों को आज मेहनत का असली मतलब समझना होगा। फोकस ही सफलता दिलाएगा। घूमने के दौरान कोई ऐसी जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में काम आए। खर्च भी थोड़ा ज्यादा हो सकता है।

मिथुन- आज सेहत को हल्के में लेना भारी पड़ सकता है। कोई पुरानी परेशानी फिर से सिर उठा सकती है। खर्चों पर कंट्रोल रखना जरूरी है। हालांकि सामाजिक क्षेत्र में आपकी पकड़ मजबूत रहेगी और कुछ नया करने की कोशिश आपको सफलता दिलाएगी। लंबे समय बाद किसी पुराने दोस्त से मुलाकात दिल को खुशी देगी। बिजनेस में कोई अच्छी डील हाथ लग सकती है। बस ध्यान और संतुलन बनाए रखें।

कर्क- आज का दिन आपको सिखाएगा कि जीत सिर्फ ताकत से नहीं, समझदारी से मिलती है। आप अपने विरोधियों पर भारी पड़ सकते हैं, लेकिन फैसले सोच-समझकर लें। संतान की ओर से कोई खुशखबरी मिल सकती है। प्रेम जीवन में समर्पण दिखाई देगा। परिवार में थोड़ी सतर्कता जरूरी है, क्योंकि कोई लिया हुआ निर्णय बाद में खल सकता है।

सिंह- आज मन थोड़ा भारी रह सकता है। तनाव महसूस होगा। बच्चों की सेहत को नजरअंदाज न करें। किसी काम में रिस्क लेना आज नुकसान दे सकता है। पिताजी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। उसे हल्के में लिया तो डांट भी सुननी पड़ सकती है। दिन के बीच में कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी और घर में मेहमानों का आना आपको व्यस्त रखेगा।

कन्या- आज चुनौतियां सामने आ सकती हैं, लेकिन आपका धैर्य ही आपकी ढाल बनेगा। मन में नकारात्मक विचारों को जगह न दें। घर-परिवार में सुधार और साज-सज्जा पर ध्यान देंगे। परिवार में किसी शादी से जुड़ी रुकावट दूर हो सकती है। कार्यक्षेत्र में बॉस की सलाह को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। प्रमोशन में थोड़ी रुकावट आ सकती है। लेकिन ये बस एक परीक्षा है।

तुला- आज का दिन आपको आगे बढ़ाने वाला है। आपकी मेहनत रंग लाएगी और सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने का मौका मिलेगा। किसी सहयोगी की बात दिल को चुभ सकती है, लेकिन उसे दिल पर न लें। पुराना दोस्त अचानक मिलकर खुशियां बढ़ा सकता है। जीवनसाथी के लिए नई नौकरी के संकेत हैं। जिस काम को हाथ में लेंगे, उसमें सफलता आपके कदम चूमेगी।

वृश्चिक- आज का दिन पॉजिटिव रिजल्ट लेकर आएगा, लेकिन परिवार में छोटी-सी कलह आपके मन को परेशान कर सकती है। संतान के करियर को लेकर आप कोई बड़ा कदम उठा सकते हैं या यात्रा पर जा सकते हैं। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा, लेकिन पेट से जुड़ी परेशानी आपको परेशान कर सकती है। छात्रों को मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। कोई पुराना दोस्त मिलकर दिल को सुकून देगा।

धनु- आज मन में बेचैनी रह सकती है और सेहत भी थोड़ा कमजोर रह सकता है। बिजनेस डील को लेकर चिंता बनी रहेगी। मां से किया हुआ वादा निभाना जरूरी है, वरना मन में अपराधबोध रहेगा। पैसों के मामले में किसी अजनबी पर भरोसा न करें। आज निवेश से दूर रहना ही बेहतर है। बैंकिंग या फाइनेंस से जुड़े लोगों को नई नौकरी का ऑफर मिल सकता है।

मकर- आज खर्चे आपकी जेब पर भारी पड़ सकते हैं।और अगर लापरवाही की तो बचत भी कम हो सकती है। भाई-बहनों के साथ प्रॉपर्टी को लेकर विवाद बढ़ सकता है, जो कानूनी रूप ले सकता है। आलस्य और काम टालने की आदत आज आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। किसी अनजान व्यक्ति पर आंख बंद करके भरोसा करना भारी पड़ सकता है।सावधान रहें।

कुंभ- आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन आपके अंदर ऊर्जा भरपूर रहेगी। आप लंबी यात्रा की योजना बना सकते हैं। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना आज जरूरी है।बिना सोचे कुछ कह दिया तो बात बिगड़ सकती है। काम तेजी से पूरे होंगे, लेकिन दूसरों के मामलों में दखल देना आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। राजनीति में कदम रखने वालों को सतर्क रहना होगा।

मीन- आज आपको कानूनी मामलों में खास ध्यान देने की जरूरत है। बिजनेस में थोड़ा उतार-चढ़ाव रहेगा, लेकिन पुराने निवेश, खासकर शेयर मार्केट से लाभ मिल सकता है। किसी डील को फाइनल करने से पहले हर कागज अच्छे से पढ़ लें। पार्टनरशिप में जल्दबाजी नुकसान दे सकती है। नया वाहन लेने का मन बना सकते हैं और इसके लिए लोन भी अप्लाई कर सकते हैं।

शब्दजाल- 8251

शब्द जाल में नाना पाटेकर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

यु	क	दो	यु	ला	प	र	तू	ग	झ	क
ज	ग	ल	प	ह	रिं	पू	ना	दि	शा	को
अं	इ	पु	म	सं	दा	ल	श	र	ला	ल
क	कु	दा	रु	धा	ब	क	प	रि	श	र
क	ति	श	ब्न	ष	क	र	री	ग	वी	ता
द	रं	ल	प	व	गा	र्त	ऐ	ती	प	रु
ती	गा	ल	श	अं	प	म	क्रां	कौ	ला	व
क	बा	अ	ब	त	क	छ	प्प	न	श	जू
क	स	थो	तें	व	न	ज	द	शा	जू	द
द	र	ल	प	ति	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु
थो	ड़	सा	रु	मा	नी	हो	जा	एं	प	क

अंकुश, अब तक छप्पन, अंगार, तिरंगा, दिशा, वजूद, क्रांतीवीर, परिंदा,युगपुरुष, थोड़ा सा रुमानी हो जाएं.

शब्दजाल - 8250 का हल

या	ज	गा	र	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वा	ज	क	या	ज	का	मौ	स	जि	ड़
क	ह	या	य	र्म	छ	स	या	ता	य	क
क	र	ल	र	दे	वी	स	न	ल	श	क
ज	इ	ल	म	सं	व	ज	श	र	ला	ल
क	ज	दा	ई	र	ब	ज	फ	लो	श	ज
क	ज	चे	दा	ई	क	स	री	ग	प	न
द	र	मी	प	व	ज	ना	र्द	न	ज	स
क	जे	ल	ज	न	व	री	ऐ	ना	प	ह
क	मी	ल	प	द	या	स	मा	ज	स	यो
का	न	चे	ब्न	ई	क	ज	री	ग	प	ग

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7195

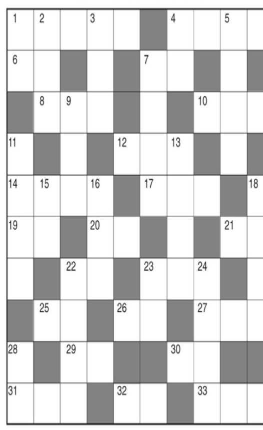

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7194

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मेष में	वृष	05.54 बजे से
चंद्र	धनु में	मिथुन	07.53 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.06 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.22 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	14.34 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.45 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.59 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	21.15 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.21 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कुंभ	01.07 बजे से
		मीन	02.40 बजे से
		मेष	04.10 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 127 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** पंचमी 10.15 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 18.46 बजे को समाप्त। **योग** साध्य 02.00 बजे रात्र को समाप्त। **करण** तैतिल 10.15 बजे तदनन्तर गर 23.21 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 16° 45' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872702 **जूलियन दिन** 2461167.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 19 **विशेष** रबीन्द्रनाथ टैगौर जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सेवा का रास्ता

ऑस्ट्रिया में पैस्टोला नामक एक छात्र डॉक्टरी पढ़ रहा था। एक दिन जब वह कहीं जा रहा था, तो रास्ते में उसे एक बच्चा मिला। एक छोटे से बच्चे को अकेला देखकर पैस्टोला ने उसे अपने साथ ले लिया। उसने उसके अभिभावकों को खोजने के लिए पुलिस में सूचना दी काफी दिनों तक जब बच्चे के अभिभावकों का कुछ पता न चला तो पैस्टोला ने उसे एक अनाथालय में रखवा दिया। पर उसे उस बालक से बेहद लगाव हो गया था, इसलिए वह अक्सर उसे अनाथालय में देखने आता और उसके लिए कुछ उपहार भी लाता। धीरे-धीरे पैस्टोला ने नोट किया कि अनाथालय में बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था तो है, लेकिन वहां के कर्मचारियों में दयाभाव नहीं है। इसलिए बच्चे उन कर्मचारियों के संरक्षण में ढंग से विकसित नहीं हो पा रहे हैं। पैस्टोला ने अपनी पढ़ाई खत्म होते ही एक आंदोलन चलाया और निःसंतान तथा छोटी गृहस्थी वाले लोगों से अनुरोध किया कि वे अनाथ बच्चों को अपने परिवार में सम्मिलित कर लें और उन्हें लाड़-प्यार से पालें। ऐसा करने से बच्चों का समुचित विकास हो पाएगा और उन्हें जीने की राह मिल पाएगी। पैस्टोला के इस आंदोलन का लोगों पर सकारात्मक असर हुआ। अनेक उदार, धनी व शिक्षित लोगों ने ऐसे असहाय बच्चों को अपने परिवार में शामिल कर लिया। आत्मीयता एवं अपनत्व भरे माहौल में उन बच्चों का विकास होने लगा। पैस्टोला ने उन अनाथ बच्चों की देख-रेख में अपना जीवन लगा दिया। वह आजीवन अविवाहित रहा। पैस्टोला ने अनाथ बच्चों का पालन-पोषण करने के अलावा विधवाओं व वृद्धाओं की भी निःस्वार्थ मदद की। अपनी पूरी आमदनी उसने जरूरतमंदों पर लगाई। पैस्टोला की प्रेरणा से अनेक उदार लोगों ने भी अपने परिवारों में निराश्रितों को सम्मिलित किया। धीरे-धीरे यह आंदोलन दूर-दूर तक फैल गया। पैस्टोला के काम कई लोगों ने हाथ में ले लिया। आज भी ऑस्ट्रिया के अनेक लोग पैस्टोला के बताए रास्ते पर चल रहे है और असहायों की मदद कर रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 7504

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5					6		
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7503 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 8719

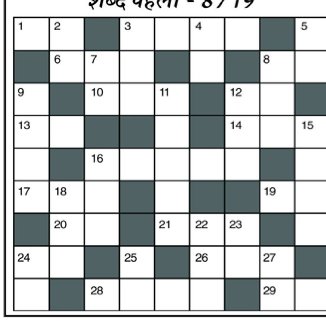

बाएँ से दाएँ

1.पेड़,दरख्त-2
3.प्रार्थना,पूजना-4
6.आदर्श,पैमाना-3
8.त्वचा,चमड़ी,खाल-2
10.सड़ने की प्रक्रिया,गलन-3
12.देव,देवता-2
13.चलने का ढंग-2
14.प्रशंसा,गुणगान-3
16.आरामदायक-5
17.कक्ष,रूम-3
19.हिंदू कलैंडर का एक महीना, भाद्रवा-2
20.500 कागजों की गड्डी-2
21.कबाड़,खराब वस्तु-3
24.मजा,मस्ती-2
26.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28.शोरगुल,-4
29.तह,परत-2

ऊपर से नीचे

2.माफी-2
3.झूठी शान,घमंड-3
4.गर्दन से नीचे का शरीर,देह-2
5.अपराध,गुनाह-2
7.रग,नाड़ी-2
8.सूत कातने का यंत्र-3
9.एकाएक-4
11.शीश झुकाए हुए-5
12.भोर,प्रातः-3
15.ननद का पति-4
16.विश्राम,राहत-3
18.रोगी,बीमार-3
22.उच्चतम-3
23.गरबा,नृत्य-2
24.मृत्यु-2
25.रास्ता,मार्ग-2
27.आनंदित,मौजी-2

शब्द पहेली -8718 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

केराटोला में ट्रांसफार्मर खराब, 12 दिनों से बिजली आपूर्ति ठप्प

पद्मेश न्यूज। लांजी।

जनपद क्षेत्र लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत कंसुली के वनांचल ग्राम केराटोला में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। बार-बार ट्रांसफार्मर खराब होने और समय पर सुधार नहीं होने से ग्रामीणों के साथ-साथ किसानों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एक माह से बिजली गुल रहने के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत कंसुली के ग्राम केराटोला के वार्ड क्रमांक 5 में स्थापित 25 केवी का यह ट्रांसफार्मर करीब 15 दिन पहले ही लगाया गया था, लेकिन लगने के दूसरे ही दिन यह जल गया और तब से अब तक बंद पड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर लगने से पहले भी लगभग 12 दिनों तक गांव में बिजली आपूर्ति ठप्प रही थी। इस प्रकार देखा जाए तो ग्राम केराटोला करीब एक माह से अंधेरे में डूबा हुआ है। बिजली न होने से जहां एक ओर आमजन को पानी, बच्चों की पढ़ाई, मोबाइल चार्जिंग सहित दैनिक कार्यों में परेशानी हो रही है, वहीं किसानों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

ग्राम के किसानों की भी बढ़ी परेशानी.

किसानों का कहना है कि विद्युत आपूर्ति बंद होने के कारण वे अपनी रबी फसल की समय पर सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं, जिससे फसल सूखने की कगार पर पहुंच रही है।

इससे किसानों में चिंता और नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों द्वारा कई बार विद्युत विभाग को सूचना देने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे विभाग के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। हालांकि विभाग के अधिकारियों द्वारा एक-दो दिन में ट्रांसफार्मर लगाने का आश्वासन दिया जा रहा है, लेकिन लगातार मिल रहे आश्वासनों से ग्रामीणों का भरोसा कम होता जा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द ट्रांसफ र्मर बदलकर बिजली आपूर्ति बहाल की जाए, ताकि ग्रामीणों और किसानों को राहत मिल सके।

इनका कहना है-

ग्राम केराटोला में पिछले 27 दिनों से विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ठप्प है। 15 दिन पूर्व विभाग द्वारा 25 केवी का ट्रांसफार्मर तो लगाया गया मगर वह महज 18 घंटे भी काम नहीं कर सका और पुन: जल गया, जिसके कारण गांव फिर से अंधेरे में है। रात्रि के समय ग्राम के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत व्यवस्था बहाल नहीं होने से लोगों के दैनिक कार्यों पर भी बहुत प्रभाव पड़ रहा है। विद्युत विभाग जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करें।

लीलाराम मानकर, सरपंच
ग्राम पंचायत कंसुली

इस संबंध में मुझे जानकारी है, हमारे द्वारा दो दिनों के भीतर ग्राम केराटोला में नया ट्रांसफार्मर लगा दिया जाएगा। 25 केवी के ट्रांसफार्मर उपलब्ध नहीं होने के कारण उसे लगाने में समस्या आई है। परंतु ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए विभाग द्वारा नये ट्रांसफार्मर की व्यवस्था कर ली गई जिसे आज या कल में स्थापित कर दिया जाएगा।

ललित मार्को, जेई
विद्युत विभाग, लांजी

पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. श्री दिलीप भटेरे जी की 19 वी पुण्य तिथि पर दी श्रृद्धांजली

पद्मेश न्यूज। लांजी। मप्र भाजपा सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. श्री दिलीप भटेरे जी की 6 मई 2026 दिन बुधवार को 19 वां श्रद्धा पुण्य स्मरण श्रद्धांजली कार्यक्रम स्व श्री दिलीप भटेरे जी की स्मृति स्थल ग्राम बोलेगांव मे दोपहर 3 बजे से आयोजित किया गया। तय कार्यक्रम के अनुसार भटेरे परिवार के सभी सदस्य गण एवं अतिथियो के द्वारा स्व. श्री भटेरे जी के स्मृति स्थल पर विधि पूर्वक पूजन अर्चन कर सामूहिक मौन धारण कर स्व. श्री भटेरे जी को श्रृद्धांजली दी गई। श्रृद्धानवत भटेरे परिवार पूर्व विधायक रमेश भटेरे, ऋषिका भटेरे एवं गंभा. धारेश्वरी दिलीप भटेरे, जागेश जयंती भटेरे (भ्राता), प्रेमलता योगेश कश्यप, नेहा दिनेश वर्मा, राजेश साधना भटेरे, राकेश प्रिया भटेरे, सुमित, रूचा भटेरे, शिवानी, प्रियांशी, श्रीयांशी, प्राची, प्रज्ञा, राशि, सिद्धी, समृद्धि, ओजल, कार्तिकेय, रोहिताक्ष एवं समस्त भटेरे परिवार के अलावा पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, आयोग सदस्य मौसम हरिनखेड़े, श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर नगर पालिका अध्यक्ष, पूर्व नपा अध्यक्ष रमेश रंगलानी, अभय सेठिया, अभिलाष मिश्रा जिला प्रभारी, निशांत बिसेन प्रदेश प्रवक्ता सहित समस्त भाजपा परिवार, ग्राम के समस्त ग्रामीण जनों के द्वारा स्व. दिलीप भटेरे जी की समाधी स्थल पर विधि पूर्वक पूजा अर्चना कर श्रद्धा सूमन अर्पित किये। स्व. दिलीप भटेरे जी की समाधी स्थल पर सम्पूर्ण समाधी को फुलो द्वारा साजसजित कर विधि पूर्वक पूजा अर्चना कर श्रद्धा सूमन अर्पित किये। तत्पश्चात आमंत्रित अतिथियो के लिये शीतल पेय पदार्थ सहित भोज की व्यवस्था भी भटेरे परिवार के द्वारा की गई थी।

संगीतमय भजन कार्यक्रम

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भटेरे परिवार के द्वारा स्व. श्री दिलीप भटेरे जी की स्मृति पर रोशन कुमार एण्ड ग्रुप खैरागढ़ के द्वारा संगीतमय भजन प्रस्तुतियॉ प्रदान की गई। कार्यक्रम अन्तर्गत चल रहे संगीतमय भजन गीत श्रृद्धांजली कार्यक्रम की शोभा बढा रहे थे।

स्व. श्री दिलीप भटेरे जी के 19वां श्रृद्धा पुण्य स्मरण पर भारतीय जनता पार्टी परिवार जिनमें बालाघाट से लेकर सभी तहसीलो के वरिष्ठ पदाधिकारी, लांजी विधानसभा क्षेत्र के समस्त भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गण तथा आमंत्रित अतिथियों के द्वारा स्मृति स्थल पर पंहुचकर स्व. श्री दिलीप भटेरे को श्रृद्धा सुमन अर्पित करते हुये भावपूर्ण श्रृद्धांजलि प्रदान की।

भोपाल में डीपीआई के सामने चयनित शिक्षक-अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

बोले.. आदेश जारी नहीं हुए तो होगा आंदोलन

भोपाल। मध्यप्रदेश में शिक्षक भर्ती प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर चयनित अभ्यार्थियों ने गुधवार को लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) के सामने प्रर्शन किया । चयनित अभ्यार्थियों ने नियुक्ति प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग की।

करीब 9 माह पूर्व 10 हजार से अधिक अभ्यार्थियों की चयन सूची जारी हुई थी , लेकिन अब तक न तो नियुक्ति आदेश जारी हुए हैं और न ही चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया शुरू हो सकी है। अभ्यर्थियों के अनुसार भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2022 में शुरू हुई थी। 2023 में पात्रता परीक्षा आयोजित की गई और अप्रैल 2025 में चयन परीक्षा ली गई। लंबी प्रक्रिया के बाद सितंबर 2025 में परिणाम घोषित किया और चयन सूची जारी हुई।नियमों के बावजूद नहीं मिली नियुक्ति

अभ्यर्थियों का कहना है कि परीक्षा संचालन नियम पुस्तिका की धारा 3.28 के अनुसार चयन सूची जारी होने के तीन माह के भीतर नियुक्ति आदेश जारी करना अनिवार्य है। इसके बावजूद 8 से 9 महीने बीत जाने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे अभ्यर्थियों में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है।

चयनित उम्मीदवारों का आरोप है कि अब तक न तो पात्र और अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई है और न ही चॉइस फिलिंग कराई गई है। नवंबर 2025 से लेकर अप्रैल 2026 तक कई बार विभागीय अधिकारियों से संपर्क किया गया, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। मार्च में चॉइस फिलिंग और अप्रैल में जॉइनिंग शुरू करने की बात कही गई थी, जो अब तक पूरी नहीं हुई।

लगभग 10 हजार चयनित अभ्यर्थी इस देरी से प्रभावित हैं। उनका कहना है कि नया शैक्षणिक सत्र अप्रैल 2026 से शुरू हो चुका है, इसके बावजूद नियुक्ति न मिलना उनके भविष्य के साथ अन्याय है। अभ्यर्थियों का यह भी कहना है कि भर्ती प्रक्रिया पर किसी तरह का कोर्ट स्टे नहीं है, फिर भी देरी के लिए कानूनी कारण बताए जा रहे हैं।

चयनित अभ्यार्थियों का कहना है कि हजारों अभ्यर्थी पिछले कई वर्षों से नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। भर्ती में देरी के कारण कई उम्मीदवारों की पारिवारिक और आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई है। कुछ अभ्यर्थियों के माता-पिता इलाज के अभाव में परेशान हैं, तो कुछ परिवार ऐसे भी हैं जिनके बुजुर्ग भर्ती का इंतजार करते-करते दुनिया छोड़ गए। कुछ उम्मीदवार अब 40 वर्ष की उम्र पार कर चुके हैं, जिससे उनके सामने भविष्य को लेकर गंभीर चिंता खड़ी हो गई है।

अभ्यार्थयों का कहना है कि वर्ष 2022 में भर्ती का नोटिफिकेशन जारी हुआ था। परीक्षा, दस्तावेज सत्यापन और अन्य प्रक्रियाएं पूरी होने के बावजूद अभी तक अंतिम नियुक्ति नहीं दी गई है। अभ्यर्थियों ने कई बार भोपाल पहुंचकर धरना-प्रदर्शन किया। हर बार प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की ओर से जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया। कई बार लिखित और मौखिक भरोसा दिया गया कि जल्द पात्र-अपात्र सूची जारी होगी और जॉइनिंग प्रक्रिया पूरी होगी, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी पोर्टल पर कोई अपडेट नहीं है।

अभ्यर्थियों की प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और दस्तावेज सत्यापन जैसी सभी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं, लेकिन नियुक्ति अब भी लंबित है। मार्च और अप्रैल तक नियुक्ति का आश्वासन दिया गया था, लेकिन समय सीमा गुजरने के बाद भी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी।

अभ्यर्थियों में कई किसान परिवारों से आते हैं, कुछ कोचिंग पढ़ाकर अपना खर्च चला रहे हैं, तो कुछ छोटे-मोटे काम कर परिवार का सहारा बने हुए हैं। सभी का सपना सिर्फ एक सरकारी नौकरी हासिल करना है, लेकिन लंबा इंतजार अब मानसिक और आर्थिक दबाव में बदलता जा रहा है।

कमर्शियल गैस सिलेण्डर के दामों में हुई वृद्धि का आप पार्टी ने जताया विरोध

नगर में निकाली रैली, काली पुतली चौक में किया प्रदर्शन
मूल्य वृद्धि वापस लेने की करी मांग,प्रदेश की तुलना में जिले में सबसे अधिक दाम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लगातार बढ़ती जा रही महंगाई के बीच केन्द्र सरकार द्वारा अचानक कमर्शियल गैस सिलेण्डर के दाम में 993 रूपए की मूल्य वृद्धि की गई है।जिसपर अपना एतराज जताते हुए आम आदमी पार्टी द्वारा सड? पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया गया।जिन्होंने नगर मुख्यालय के कालीपुतली चौक में 6 मई बुधवार की शाम 6ः30 बजे एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन कर शहर में रैली निकाली गई। रैली में आप पार्टी के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री मोदी से कमर्शियल गैस के दामों में की गई मनमानी मूल्य वृद्धि को वापस लिए जाने की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की।

बालाघाट में सबसे ज्यादा दर

कमर्शियल गैस सिलेडर के दाम में 993 रूपए की वृद्धि के बाद बालाघाट में कमर्शियल गैस सिलेंडर का दाम, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन से ज्यादा है। बालाघाट में कमर्शियल गैस सिलेडर जो पहले 2345 रूपए में मिलता था, वह अब बढ़कर 3337 रूपए हो गया है। जो पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा है।

दाम वापस नही हुए तो करेंगे उग्र आंदोलन- शिव जयसवाल

चर्चा के दौरान आप पार्टी के जिलाध्यक्ष शिव जायसवाल ने बताया कि आज आप पार्टी के म.प्र प्रभारी जितेन्द्र सिंग तोमर के आदेशानुसार पूरे प्रदेश में

धरना प्रदर्शन व आंदोलन किया जा रहा है। केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा पांच राज्यों के मतदान प्रक्रिया संपन्न होते ही कमर्शियल गैस सिलेण्डर के दाम 2345 से बढ़ाकर एकदम से 3337 रूपये कर दी गई है। इससे होटल व्यवसायियों का दुकान संचालन करना मुश्किल हो रहा है। सिलेण्डर के दाम बढने से चाय-नाश्ता व भोजन के दामों में वृद्धि होगी जिसका असर आमजनों पर भी पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि रेस्टारेंट व होटल व्यवसायियों द्वारा भी सरकार द्वारा सिलेण्डर के दाम में एकदम से 993 रूपए बढ़ा दिए जाने से आक्रोश जताया है। आप पार्टी द्वारा इस बढ़े हुए दामों को लेकर होटल संचालकों से भी सडक पर उतरकर आंदोलन करने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि गैस सिलेण्डर के दाम में की गई मूल्य वृद्धि वापस नहीं ली गई तो आम आदमी पार्टी उग्र आंदोलन करने बाध्य होगी।इस दौरान स्टेट कोऑर्डिनेटर रजनीश नायडू, मनोज पमनानी (प्रदेश संयुक्त सचिव), मस्तराम डाहारे (ग्रामीण जिला अध्यक्ष), अनिल ब्रम्हे (जिला सचिव), प्रदीप नागेश्वर (जिला संयुक्त सचिव), शंकर कंसरे (जिला किसानविंग), दिनेश बघेले (जिला मजदूर विंग), डॉ। भूनेश भारद्वाज (चिकित्सा विंग) मनोज चौहान (लेबरविंग), ऊषा नगपुरे (जिला महिलाविंग), देवानंद विश्वकर्मा (जिला सचिव परसवाड़ा), ज्ञानेश राणा (जिला सचिव शिक्षाविंग), ओमप्रकाश जायसवाल (शिक्षा विंग), अखिलेश लिल्हारे (संयुक्त सचिव परसवाड़ा), श्यामशंकर लिल्हारे, सीताराम डाहारे, वीरेंद्र पगाड़े, नागेंद्र पवार, भूमेश्वर बपेरे, विकास गेडाम (जि.सचिव परसवाड़ा) सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बंगाल में बीजेपी जीती नहीं,जिताई गई-पप्पू यादव

उज्जैन में -कहा- गड़बड़ी कर 100 सीट जीती, बीजेपी के गुंडे जश्न मना रहे; बादल, महबूबा, चौटाला, नीतीश खत्म

भोपाल।बीजेपी चुनाव जीती नहीं, जिताई गई है। और अब बीजेपी के गुंडे जश्न मना रहे हैं। यह विवादित बयान बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय बाहुबली सांसद पप्पू यादव दो दिवसीय प्रवास पर उज्जैन में मीडिया से चर्चा के बाद दिया है। पप्पू यादव मंगलवार सुबह महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती में शामिल हुए और इसके बाद अन्य मंदिरों में भी दर्शन किए। बुधवार को बिहार रवाना होने से पहले उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि इंसानियत और मानवता की रक्षा के लिए महाकाल का आशीर्वाद लिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया युद्ध की ओर बढ़ रही है और नफरत खत्म कर मोहब्बत का रास्ता अपनाने की जरूरत है। यादव ने नलखेड़ा स्थित मां बगलामुखी माता के दर्शन भी किए।

बंगाल चुनाव पर गंभीर आरोप

पप्पू यादव ने पश्चिम बंगाल चुनाव नतीजों पर केंद्र सरकार और एजेंसियों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बंगाल में बीजेपी जीती नहीं, जिताई गई है। 100 सीटों पर गड़बड़ी कर जीत हासिल की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी, सीबीआई और एनआईए जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग किया गया। यादव ने कहा कि चुनाव में भारी सुरक्षा बलों की तैनाती की गई और ऐसा लग रहा था जैसे सुखोई और राफेल ही लगाना बाकी था। उन्होंने वोटिंग प्रतिशत पर भी सवाल उठाते हुए जांच की मांग की।

यादव बोले 90 प्रतिशत वोट कहां से कास्ट हो गया, एक बूथ पर तीन तो बक्सा रहता है या दो। यदि हम साढ़े दस घंटा भी वोट डालते हैं तो साढ़े नौ सौ वोट गिरता है। तो 92 प्रतिशत वोट कहां से गिर गया। साढ़े चार लाख का फ़ोर्स बंगाल भेज दिया। चार सौ बटालियन ममता दीदी के यहां तैनात की।

दोपहर 2 बजे के बाद सीसीटीवी फुटेज को चेक कराइये। ममता दीदी के सीट की गिनती सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पांच सदस्य बेंच के नेतृत्व में कर लीजिए। यदि ममता दीदी हार जाएगी। तो जनादेश स्वीकार है। छोटी पार्टियों को कांग्रेस से लड़ाई नहीं लड़नी चाहिए। एक होकर के लड़ाई लड़नी चाहिए। मैं तो हाथ जोड़कर कहूंगा कांग्रेस और सभी विपक्ष से एक होकर के चुनाव लड़िए।

सुप्रीम कोर्ट से जांच की मांग

पप्पू यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट सभी बूथों की जांच कराए और ओपन काउंटिंग कराई जाए। उनका दावा है कि सीसीटीवी फुटेज भी बंद कर दिए गए थे और कई जगह टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले हुए। यादव ने विपक्षी दलों से 2027 और 2029 के चुनाव एकजुट होकर लड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि छोटी पार्टियों को कांग्रेस से अलग लड़ाई नहीं लड़नी चाहिए। उन्होने कई क्षेत्रीय नेताओं का जिक्र करते हुए कहा कि कई बड़े नेता और दल खत्म हो गए, अब विपक्ष को रणनीति बदलनी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि राजनीति में सेवा और संघर्ष की भावना को बनाए रखना जरूरी है और देशहित में एकजुटता ही आगे का रास्ता है।

एक-एक कर भाजपा ने विपक्षी नेताओं को खत्म किया

बीजेपी ने बालासाहेब ठाकरे को बर्बाद कर दिया, बादल खत्म, महबूबा खत्म, रेड्डी खत्म, चौटाला खत्म, भजन लाल खत्म, बंसी लाल खत्म, नीतीश कुमार खत्म, शिंदे खत्म, कौन बचा है। उन्होंने कहा कि पप्पू यादव जैसे लोगों को यह चिंतन और मंथन करना होगा की हमारी राजनीति का क्या होगा। , विपक्ष को एक होकर 2029 और 2027 की लड़ाई एक साथ मिलकर लड़नी चाहिए। 40 जगह टीएमसी के कार्यकर्ताओं पर हमला हुआ है। ममता दीदी हार गई तो संघर्ष और मदद करना छोड़ देने के अपने वादे पर यादव ने कहा जब संघर्ष हारेगा, सेवा हारेगी, दीदी की मदद हारेगी। किसी की मदद करने में पीछे हटे नहीं। लेकिन पप्पू यादव जैसे लोगों को यह चिंतन और मंथन करना होगा कि हमारी राजनीति का क्या होगा।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

चार हजार माध्यमिक-प्राथमिक चयनित शिक्षकों को राहत, स्कूल चॉइस प्रक्रिया प्रारंभ

12 से 18 मई तक भरना होगा विकल्प, तय समय में चयन अनिवार्य

भोपाल । मध्यप्रदेश में माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा 2024 में चयनित अभ्यर्थियों का बुधवार को लोक शिक्षण संचालनालय(डीपीआई) के सामने प्रदर्शन रंग लाया। लोक शिक्षण संचालनालय ने चयनित शिक्षकों को स्कूल चॉइस भरने की प्रक्रिया शुरू करने संबधित आदेश जारी कर दिए हे। इसके तहत अभ्यर्थियों को 12 मई से 18 मई 2026 के बीच ऑनलाइन माध्यम से स्कूलों का चयन करना होगा। यह प्रक्रिया नियुक्ति की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि तय समय सीमा के भीतर चॉइस फिलिंग नहीं करने पर बाद में उपलब्ध रिक्तियों के आधार पर ही स्कूल आवंटित किए जाएंगे।

-12 से 18 मई तक भरना होगा स्कूल विकल्प

लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, माध्यमिक शिक्षक (विभिन्न विषय) और प्राथमिक शिक्षक (खेल, संगीत, गायन-वादन, नृत्य) पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्कूलों का चयन करना होगा। यह प्रक्रिया 12 मई 2026 से शुरू होकर 18 मई 2026 तक चलेगी। अभ्यर्थियों को उनके आवंटित संभाग या जिले के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूलों का चयन प्राथमिकता क्रम में करना अनिवार्य होगा। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि चॉइस फिलिंग पूरी करने के बाद पोर्टल शुल्क जमा करने पर ही प्रक्रिया पूर्ण मानी जाएगी।

तो होगा नुकसान

विभाग ने स्परूट किया है कि यदि कोई अभ्यर्थी निर्धारित समय सीमा के भीतर स्कूल विकल्प नहीं भरता है, तो उसे बाद में बची हुई रिक्तियों के आधार पर स्कूल आवंटित किया जाएगा। ऐसे में पसंदीदा स्कूल मिलने की संभावना कम हो सकती है। इसके अलावा, चॉइस फिलिंग के संबंध में बाद में किसी भी प्रकार का दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे समय रहते प्रक्रिया पूरी करें।

इस आधार पर तय होगी पात्रता

जिन अभ्यर्थियों के नाम सशर्त रूप से चयन सूची में शामिल किए गए हैं, उनके दस्तावेजों का सत्यापन संबंधित अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। सत्यापन के बाद ही उनकी पात्रता या अपात्रता तय की जाएगी। दस्तावेजों के प्रमाणीकरण के आधार पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा और उसी के अनुसार आगे की नियुक्ति प्रक्रिया बढ़ेगी।

पोर्टल पर रखे नजर

अभ्यर्थियों को निर्देश दिया गया है कि वे एमपी ऑनलाइन के अधिकृत पोर्टल पर नियमित रूप से अपडेट देखते रहें। सभी जरूरी सूचनाएं और निर्देश इसी पोर्टल के माध्यम से जारी किए जाएंगे। विभाग ने यह भी कहा है कि प्रक्रिया से जुड़ी किसी भी नई जानकारी के लिए अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट ही देखें, ताकि किसी प्रकार की गलतफहमी से बचा जा सके।

प्राथमिक शिक्षक (गायन-वादन, नृत्य)पदों के लिए अलग से जारी होगी सूचना

प्राथमिक शिक्षक (गायन-वादन, नृत्य) जैसे विशेष पदों के लिए पात्र अभ्यर्थियों की सूची अलग से जारी की जाएगी। इसके बाद ही इन पदों के लिए आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। लंबे समय से नियुक्ति का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों के लिए यह प्रक्रिया राहत भरी मानी जा रही है। स्कूल चॉइस फिलिंग के बाद जल्द ही स्कूल आवंटन और नियुक्ति आदेश जारी होने की संभावना है।

फ्री ट्रेनिंग में रहना-खाना मुफ्त, स्टाइपेंड भी देगी सरकार- राज्यमंत्री श्रीमती गौर

सुरक्षाबलों में भर्ती के लिए 11 मई तक करें ऑफलाइन आवेदन

भोपाल । मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को सेना, पुलिस, होमगार्ड और अन्य सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए निशुल्क ट्रेनिंग देने जा रही है। अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए शुरू की गई शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना में उन्हें 45 दिन का निशुल्क आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस योजना से प्रदेश के 4000 ओबीसी युवाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। योजना का लाभ लेने के लिए 11 मई की शाम 6 बजे तक आवेदन किए जा सकते हैं।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रदेश के ओबीसी वर्ग के युवाओं के सर्वांगीण विकास और उन्हें रोजगार के समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी संकल्प को साकार करते हुए सैन्य बलों में भर्ती की नि:शुल्क कोचिंग के लिए शुरू की गई शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2026 युवाओं के लिए एक ऐतिहासिक सौगात है। उन्होंने प्रदेश के ओबीसी वर्ग के प्रतिभावान युवक-युवतियों से इस योजना में बढ़-चढ़कर आवेदन करने की अपील की है।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बताया कि आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑफलाइन और नि:शुल्क रखी गई है। उम्मीदवार, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की आधिकारिक वेबसाइट (222.ड्ढष्2द्गद्य-द्धड्डह्वद्ग.द्वश्च.द्दश1.द्बठ्ठ) से फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, 20 चयनित जिलों में स्थित पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक संचालक कार्यालयों से भी नि:शुल्क आवेदन फॉर्म प्राप्त किए जा सकते हैं। इन फॉर्म को सही तरीके से भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ 11 मई या उससे पहले इन्हीं कार्यालयों में जमा करना होगा।

योजना के लिए कौन पात्र होगा?

आवेदन करने के लिए युवा का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना और अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन-क्रीमीलेयर) श्रेणी में आना अनिवार्य है। आवेदक का न्यूनतम 12वीं कक्षा पास होना जरूरी है। शारीरिक मापदंड के तहत पुरुषों की न्यूनतम ऊंचाई 168 सेंटीमीटर और महिलाओं की 155 सेंटी मीटर होनी चाहिए। साथ ही, आवेदक के पैरों के तलवे चपटे (फ्लैट फुट) नहीं होने चाहिए और सावधान की मुद्रा में खड़े होने पर दोनों घुटने आपस में टकराने (नॉक नीज़) नहीं चाहिए। आवेदन यदि 4000 से अधिक प्राप्त होते हैं, तो चयन 12वीं कक्षा में प्राप्त अंकों (मेरिट) के आधार पर किया जाएगा। अंक समान होने की स्थिति में अधिक उम्र वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी।

ट्रेनिंग के दौरान मिलेंगी कई सुविधाएं

चयनित युवाओं को ट्रेनिंग के दौरान कई शानदार सुविधाएं निशुल्क दी जाएंगी। प्रशिक्षणार्थियों को 45 दिन के आवासीय प्रशिक्षण में नाश्ता, दोनों समय का भोजन और अध्ययन सामग्री विभाग की ओर से नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण अवधि में जेब खर्च के लिए पुरुष अभ्यर्थियों को 1,000 रुपए प्रतिमाह और महिला अभ्यर्थियों को 1,100 रुपए प्रतिमाह का स्टाइपेंड भी सीधे उनके बैंक खातों में दिया जाएगा। योजना में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कुल 4000 सीटों में से 35 प्रतिशत सीटें महिला अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित रखी गई हैं।

ट्रेनिंग प्रोग्राम को रिजल्ट ओरिएंटेड बनाया गया है। इसमें युवाओं को हर दिन लगभग 4 घंटे सैद्धांतिक विषयों की तैयारी कराई जाएगी। इसके अलावा, सुबह और शाम मिलाकर प्रतिदिन 3 घंटे दौड़, ऊंची कूद, लंबी कूद और गोला फेंक जैसी शारीरिक ट्रेनिंग दी जाएगी। शुरुआत में यह ट्रेनिंग प्रदेश के 20 जिलों (भोपाल, रायसेन, इंदौर, खंडवा, उज्जैन, मंदसौर, सागर, टीकमगढ़, जबलपुर, छिंदवाड़ा, ग्वालियर, गुना, शहडोल, अनूपपुर, रीवा, सतना, नर्मदापुरम, बैतूल, मुरैना और भिंड) के 40 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इन केंद्रों में महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग व्यवस्था होगी।

सुधांशु कुमार सीबीआई भोपाल जोन के संयुक्त निदेशक नियुक्त

भोपाल । भारत सरकार ने केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों (सीबीआइ) की भोपाल ईकाई में 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी सुधांशु कुमार खरे को भोपाल जोन का संयुक्त निदेशक नियुक्त किया गया है।

सीबीआई के नेतृत्व को मजबूत करने के लिए तीन उप महानिरीक्षक (डीआईजी) रैंक के अधिकारियों को संयुक्त निदेशक के पद पर पदोन्नत किया है। पदोन्नत किए गए तीनों अधिकारी और उनके नए पदक्रम इस प्रकार हैं-

सुधांशु कुमार खरे (आईपीएस)- डीआईजी/एचओबी, सीबीआई, एससीबी कोलकाता से संयुक्त निदेशक, एचओजेड, सीबीआई भोपाल जोन, भोपाल के पद पर पदोन्नत।

मधु कुमार सिंघल (आईपीएस)- नई दिल्ली स्थित सीबीआई सूचना एवं राजस्व विभाग के डीआईजी पद से पदोन्नत होकर नई दिल्ली स्थित सीबीआई सूचना एवं राजस्व विभाग के संयुक्त निदेशकबने ।

विवेक प्रियदर्शी (आईपीएस)- नई दिल्ली स्थित सीबीआई, बीएसएफबी के डीआईजी/एचओबी से पदोन्नत होकर हैदराबादजोन स्थित सीबीआई के संयुक्त निदेशक/एचओजेड बने।

राज्य सरकार विभागों की कार्यप्रणाली में गुणवत्ता और उत्कृष्टता को लेकर गंभीर नहीं-जीतू पटवारी

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि सरकार विभागों में गुणवत्ता और उत्कृष्टता को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नजर नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा पिछले दिनों एक-एक घंटे में कई बड़े और महत्वपूर्ण विभागों की समीक्षा करना यह दर्शाता है कि सरकार के लिए जनता का हित प्राथमिकता में नहीं है।

पटवारी ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश की आम जनता और आपकी पार्टी के बीजेपी कार्यकर्ता, दोनों ही मंत्रियों से मिलने में असफल हो रहे हैं। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि सरकार की प्राथमिकताओं में जनता और जनहित कहीं पीछे छूट चुका है।

पटवारी ने कहा कि यह देखना दिलचस्प होगा कि अगली समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री इंदौर के भागीरथपुरा की घटना, भोपाल स्लाटर हाउस में गोमांस मिलना, छिंदवाड़ा कफ सिरप प्रकरण और बरगी में हुए क्रूज़ हादसे के दौरान सरकारी लापरवाही पर क्या स्टैंड लेते हैं। इन घटनाओं ने यह साबित कर दिया है कि सरकार जिम्मेदारी निभाने में असफल रही है और

आम जनता की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया कि शिक्षा, जल संसाधन, कृषि, तकनीकी शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विभागों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं। साथ ही हालिया घटनाओं में हुई लापरवाही की भी निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें जल्द से जल्द सजा दिलाई जाए।

पटवारी ने कहा कि प्रदेश की जनता पारदर्शिता और जवाबदेही चाहती है, लेकिन वर्तमान सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर रही है। सरकार को चाहिए कि वह जनहित को सर्वोपरि रखते हुए अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करे और जनता का विश्वास पुन- स्थापित करे।

शिकारियो के गिरोह के अंतरराज्यीय नेटवर्क की जॉच तेज

- पॉच सालो में 1 हजार से अधिक वन्य जीवो के शिकार की आंशका
- कोड वर्ड में तय होता था शिकार का प्लान
- रिटायर्ड रेंजर से जुड़ी शिकारियो की कड़िया

भोपाल। वन विभाग द्वारा गुना के बीनागंज में भोपाल के शिकारियों को दबोचने के मामले में गिरोह अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा होने के साथ ही कई और सनसनीखेज खुलासे हुए है। हिरण, नीलगाय और सांभर का शिकार कर उनका मांस भोपाल में स्टोर किया जाता और बाद में इसे देश के कई शहरों के साथ दुबई तक सप्लाई किया जाता था। जांच में सामने आया है, कि शिकारी गिरोह बीते लंबे समय से सक्रिय था, और रायसेन, गुना, नर्मदापुरम, नजीराबाद, सिरोंज के जंगलों में हर सप्ताह कई बार शिकार करता था। आंशका है की आरोपियो ने बीते पांच साल में करीब 1 हजार से अधिक वन्य जीवो का शिकार किया है।

- कोड वर्ड में तय होता था शिकार का प्लान

शिकार के लिये घूमने चलना, हिरण के लिये घोड़ा, ब्लैक बक के लिये कुत्ता, नील गाय के लिए हाथी था कोड

पूछताछ में सामने आया की गिरोह बातचीत के लिये कोड वर्ड की भाषा का इस्तेमाल करता था। हिरण के लिए घोड़ा, नील गाय के लिए हाथी और काला हिरण (ब्लैक बग) के लिए कुत्ता कोड वर्ड इस्तेमाल होता था। शिकार पर जाने के लिये घूमने चलेंगे जैसै कोड वर्ड प्रयोग किया जाता था। वहीं शिकारी बंदूक के लिए माचिस और कारतूसों के लिए तीली कोड वर्ड का उपयोग करते हैं। बताया गया है की गिरोह के टारगेट पर

सबसे ज्यादा ब्लैक बग रहता था, क्योकि इसकी डिमांड सबसे अधिक रहती है, और इसका मांस भी सबसे महंगा करीब 800 रुपए

प्रति किलो तक बिकता है।

- विदेशो से सप्लाई के भी जुड़ रहे तार

सूत्रो की मानी जाये तो छानबीन में यह भी पता चला है की शिकार के मांस को देश के कई शहरों जैसे मुंबई, पुणे और दक्षिण भारत के साथ दुबई तक सप्लाई किया जाता था। इस पूरे नेटवर्क का केंद्र भोपाल बना हुआ था।

- रिटायर्ड रेंजर से जुड़ी शिकारियो की कड़िया

शिकार गिरोह के संपर्क में वन विभाग का रिटायर्ड रेंजर नियामत भी था। जॉच में सामने आया की वह शिकारियों को लोकेशन और तरीके बताने के साथ मांस की खरीद-फरोख्त में मदद करता था। वहीं जांच में उसके और शिकार गिरोह के बीच बैंक ट्रांजेक्शन के साक्ष्य भी मिले हैं। हालांकि टीम इस बिंदु पर और भी जॉच कर रही है।

- होटल कारोबारियों भी थे खरीददार, पुरानी गाड़ियो से करते थे शिकार

सूत्रो के अनुसार शिकार गिरोह पुराने और तय ग्राहकों को ही मांस सप्लाई करते थे। भोपाल के कुछ होटल कारोबारियों से भी इनके संपर्क थे। वन विभाग और पुलिस की नजरो से बचने के लिए शातिर आरोपी शिकार और परिवहन के लिए ऐसी सेकंड हैंड गाड़ियों का इस्तेमाल करते थे, जो बिकने के लिए आती थीं। टीम आरोपियों के बैंक खातों की डिटेल भी खंगाल रही है।

- वन विभाग की होटलो पर सर्चिंग जारी

सूत्रो के मुताबिक टीम को जानकारी लगी की वन्यजीवों का शिकार कर उनका मांस शहर के होटलों, फार्महाउस पार्टियों और अन्य स्थानों पर सप्लाई किया जाता था। इसके बाद टीम ने इस कनेटवर्क में जुटे लोगो की पहचान जुटाने की जांच तेज कर दी है। कार्यवाही के चलते पुराने शहर के बुधवारा, जिन्सी, पीरगेट से लेकर शाहजहांनाबाद के होटलों में छापामार कार्यवाही की गयी। मुखबिर की सूचना पर वन विभाग की टीम ने शहर के होटलों और संदिग्ध स्थानों पर सघन जांच की है। जॉच के दौरान संदिग्ध नजर आये मांस के नमूनों को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

- दूरबीन लगी बंदूक, छुरियां, बका, जिंदा कारतूस सहित मांस हुआ था बरामद

गौरतलब है की वन विभाग की टीम ने भोपाल से सटे बीनागंज के जंगली क्षेत्रों में वन्यजीवों के शिकार और मांस बिक्री के मामले में पिछले दिनों पांच शिकारियों को गिरफ्तार किया था। कार्रवाई के दौरान एमपी-09 सीके 8520 नंबर की कार से वन्यजीवों का मांस और हथियार बरामद किए गए। जब्त सामान में दूरबीन लगी सिंगल नाल बंदूक, तीन छुरियां, एक बका, एक शार्पनर और सात जिंदा कारतूस शामिल हैं। फिलहाल वन विभाग पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटा है।

निगम-आयोगों में नए अध्यक्षों ने संभाली कमान

भोपाल। मध्यप्रदेश के निगम और आयोगों में नियुक्त नए अध्यक्षों ने बुधवार को जिम्मेदारी संभाल ली। भोपाल में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेवाल की मौजूदगी में भाजपा प्रदेश कार्यालय से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। नवनियुक्त अध्यक्षों ने पहले पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण के किया उसके बाद अध्यक्ष अपने-अपने कार्यालय पहुंचे और विधिवत पदभार ग्रहण किया।

रामनिवास रावत ने संभाली वन विकास निगम की जिम्मेदारी

रामनिवास रावत ने सुबह 11 बजे मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला। इस दौरान विभागीय अधिकारियों और पार्टी पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर रामनिवास रावत ने कहा कि वह वनों के विकास के लिए काम करेंगे। उनका रोडमैप अभी तैयार नहीं है। वह बाघों की हो रही मौत के मामले में जांच करेंगे।

डॉ. कैलाश जाटव ने संभाला अनुसूचित जाति आयोग

कैलाश जाटव ने भी सुबह 11 बजे अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष पद का पदभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने आयोग की जिम्मेदारियों को प्राथमिकता से निभाने की बात कही। यह नाम भी अधिकृत सूची में दर्ज है।

केपी यादव ने संभाली नागरिक आपूर्ति निगम की कमान

मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाइज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष पद का कार्यभार केपी यादव ने संभाला। पदभार ग्रहण के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका स्वागत किया।

14 लाख 79 हजार किसानों ने कराया स्लॉट बुक - खाद्य मंत्री श्री राजपूत

8.57 लाख किसानों से 48.30 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का हुआ उपार्जन

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 8 लाख 57 हजार किसानों से 48 लाख 30 हजार मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। उन्होंने बताया है की तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक तथा देयक जारी करने का समय रात 12 तक कर दिया गया है। गेहूँ का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन सोमवार से शनिवार तक किया जाता है।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि अभी तक 14 लाख 79 हजार किसानों द्वारा गेहूँ उपार्जन के लिए स्लॉट बुक कराए गए हैं। किसानों के हित में गेहूँ उपार्जन की अवधि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई 2026 तक की गई। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल कांटों की संख्या में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही एनआईसी सर्वर की क्षमता एवं संख्या में वृद्धि कराई गई। खाद्य विभाग द्वारा प्रति घंटा स्लॉट बुकिंग एवं उपार्जन की मॉनिटरिंग की जा रही है।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि किसानों को 8879.42 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिए पीने का पानी, बैठने के लिए छायादार स्थान, जन सुविधाए आदि की व्यवस्थाएँ की गई हैं। किसानों के उपज की तौल समय पर हो सके, इस हेतु समस्त आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं। इसमें बारदाने, तौल कांटे, हम्माल तुलावटी, सिलाई मशीन, कम्प्यूटर, नेट कनेक्शन, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण, उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छन्ना आदि की व्यवस्था की गई है। उपार्जन केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं के फोटो ग्राफ्स भारत सरकार के क्क्स्क्क पोर्टल पर अपलोड करने की कार्यवाही की जा रही है।

किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है। उपार्जित गेहूँ की भर्ती जूट बारदाने के साथ साथ क्क्क ।।छ्रक्क बेग एवं जूट के एक भर्ती बारदाने का उपयोग किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये भण्डारण की पर्याप्त व्यवस्था की गई, जिससे उपार्जित गेहूँ का सुरक्षित भण्डारण किया जा सके।

कांग्रेस आज करेगी एमपी में आगरा-मुम्बई हाईवे पर जाम

मप्र में गेहूं खरीदी व्यवस्था पूरी तरह विफल, किसानों के हितों की लड़ाई को लेकर कांग्रेस का प्रदेशव्यापी आंदोलन

भोपाल। मध्य प्रदेश में गेहूं खरीदी व्यवस्था को लेकर प्रदेश कांग्रेस गुरूवार को पूरे प्रदेश में आगर मुबंई हाइवे पर जाम करेगी। कांग्रेस के नेताओं ने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए कहा किगेहूं खरीदी व्यवस्था पूरी तरह अव्यवस्थित, किसान विरोधी और सरकार की प्रशासनिक विफलता का प्रतीक बन चुकी है। प्रदेश सरकार द्वारा बार-बार खरीदी एवं स्लॉट बुकिंग की तिथियां बढ़ाया जाना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि सरकार का खरीदी तंत्र पूरी तरह चरमरा गया है। कांग्रेस पार्टी लगातार सरकार को आगाह करती रही है कि जिस रफ्तार से खरीदी हो रही है, उससे प्रदेश के किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि खरीदी के शुरुआती 14 दिनों में मात्र 9.5 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी होना सरकार की तैयारी, प्रबंधन और किसानों के प्रति संवेदनहीनता को उजागर करता है। आज प्रदेश का किसान स्लॉट बुकिंग की परेशानी, पंजीयन पर्ची अपलोड करने में तकनीकी समस्याएं, भुगतान में देरी, खरीदी केंद्रों पर अव्यवस्था तथा मूलभूत सुविधाओं के अभाव जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है।

प्रदेशभर के खरीदी केंद्रों पर किसानों के लिए पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था, शौचालय और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। किसान घंटों नहीं बल्कि कई-कई दिनों तक अपनी उपज बेचने के लिए परेशान होने को मजबूर हैं। खरीदी में देरी और सरकारी तंत्र की विफलता के कारण हजारों किसानों को मजबूरी में अपना गेहूं रू1800 से रू2200 प्रति क्विंटल की दर पर व्यापारियों को बेचना पड़ा, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि प्रदेश सरकार तत्काल किसानों को समर्थन मूल्य रू2625 प्रति क्विंटल और मजबूरी में कम कीमत पर बेचे गए गेहूं के वास्तविक मूल्य के अंतर की राशि किसानों के खातों में जमा करे। साथ ही मूंग खरीदी में सरकार की उदासीनता, सोयाबीन पर किए गए रू6000 प्रति क्विंटल के वादे, गेहूं पर बोनस एवं अन्य फसलों के उचित मूल्य को लेकर किए गए चुनावी वादों पर भी सरकार जवाब दे। इन्हीं किसान विरोधी नीतियों और खरीदी व्यवस्था की विफलता के खिलाफ मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर 7 मई 2026 को आगरा-मुंबई राजमार्ग पर प्रदेशव्यापी चक्का जाम आंदोलन आयोजित किया जा रहा है। भोपाल संभाग के समस्त जिलों के कांग्रेस कार्यकर्ता, किसान प्रतिनिधि एवं आमजन शाजापुर में एकत्रित होकर आगरा-मुंबई राजमार्ग पर किसानों के अधिकारों और उनकी न्यायोचित मांगों के समर्थन में चक्का जाम करेंगे।

इसी संबंध में बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रमुख रूप से पी.सी. शर्मा, पूर्व मंत्री प्रवीण सक्सेना, अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) अनोखी मानसिंह पटेल, अध्यक्ष, जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी, अरुण श्रीवास्तव, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी

अभिषेक शर्मा, संगठन महासचिव, जितेंद्र मिश्रा, प्रदेश प्रवक्ता, उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट कहा कि यदि प्रदेश सरकार किसानों के हितों की रक्षा करने में विफल रहती है, तो कांग्रेस पार्टी किसानों के हक, सम्मान और उनकी उपज के उचित मूल्य के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।

आरसीबी और लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला

लखनऊ । आईपीएल में गुरुवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से होगा। इस मैच में जीत के साथ ही आरसीबी का लक्ष्य प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। आरसीबी अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है और उसके बल्लेबाज व गेंदबाज भी लय में हैं ऐसे में वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। उसके पास विराट कोहली जैसा अनुभवी बल्लेबाज हैं। वहीं भुवनेश्वर कुमार और जोस हेजवुड जैसे घातक गेंदबाज हैं। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी इस सत्र में काफी अच्छी रही है। टीम ने इस सत्र में 6 मैच जीते हैं जिससे उसके 12 अंक हैं। उसका रेट रन रेट भी बेहतर है। कप्तान रजत पाटीदार की आरसीबी की ओर से विराट के अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा योगदान दिया है। विराट ने अब तक सबसे अधिक 379 रन बनाए हैं। इस मैच में भी टीम को सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट की कमी खलेगी। साल्ट उंगली में चोट के कारण बाहर हैं। ऐसे में

उनकी जगह पर शामिल जैकब बेथेल को इस मैच में भी अवसर मिलना तय है।

वहीं दूसरी ओर लखनऊ की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है ओर वह केवल दो मैच ही जीती है। 4 अंक लेकर वह अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है, ऐसें में वह प्लेऑफ की दौड़ से तकरीन बाहर हो गयी है। उसे अपनी संभावनाएं बनाये रखने इस मैच के अलावा बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो ही अच्छी नहीं रही है। ऐसे में उसके लिए इस मैच में जीत दर्ज करना बेहद कठिन है। उसके कप्तान ऋषभ पंत भी फार्म में नहीं हैं। टीम के एक अन्य अनुभवी बल्लेबाज निकोलस पूरन के प्रदर्शन में भी निरंतरता की कमी रही है। उसके प्रमुख बल्लेबाज मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम भी विफल रहे हैं। अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए हैं। ऐसे में उसके लिए आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमक का सामना करना कठिन होगा। आरसीबी के पास भुवनेश्वर और हेजलवुड जैसे गेंदबाज हैं। इसके अलावा क्रुणाल पंड्या ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

अब तक हुए मैचों की बात करें तो दोनो के बीच कुल 7 मैच हुए हैं जिसमें से आरसीबी ने पांच ने पांच जबकि लखनऊ ने दो मैच जीते हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- रजत पाटीदार (कप्तान), टिम डेविड, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, जैकब बेथेल, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, अभिनंदन सिंह, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, नुवान तुषारा, वेंकटेश अय्यर, जैकब डफी, मंगेश यादव, जॉर्डन कॉक्स, विक्की ओस्टवाल, विहान मल्होत्रा, कनिष्क चौहान, सात्विक देसवाल।

लखनऊ सुपर जायट्स- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, अक्षत रघुवंशी, आयुष बडोनी, मुकुल चौधरी, हिम्मत सिंह, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एडेन मार्क्रम, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), अर्शिन कुलकर्णी, जॉर्ज लिंडे, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, आकाश सिंह, अवेश खान, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान, एनरिक नोर्किया, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, मणिमारन सिद्धार्थ, अर्जुन तेंदुलकर, नमन तिवारी, मयंक यादव।

रोहित पहले ही खेलना चाहते थे पर मैंने रोका था- कोच जयवर्धने

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक सप्ताह पहले ही फिट हो गये थे और खेलने के लिए तैयार थे पर उन्होंने ही रोहित को कुछ और दिनों आराम दिया था। इसका कारण ये था कि रोहित हैमस्ट्रिंग चोट से उबरे थे। रोहित ने इसके बाद वापसी करते हुए ए लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 84 रनों की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

जयवर्धने ने कहा कि रोहित अपनी हैमस्ट्रिंग चोट के बाद मैदान पर लौटने के लिए उत्सुक थे पर इस बार हमने उनके साथ थोड़ा और धैर्य रखा। आमतौर पर वह एक हफ्ते में ही लौट आते हैं, लेकिन हमने उन्हें एक अतिरिक्त सप्ताह दिया ताकि वह पूरी तरह तैयार हो सकें और अपनी इच्छानुसार खेल सकें। ये फैसला इसलिए लिया गया ताकि वह दौरान चोटिल न हो। टीम चाहती थी कि वह पूरी तरह से फिट होकर वापसी करें।

रोहित आरसीबी के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने के दौरान ही चोटिल हो गये थे। उनकी उनकी अनुपस्थिति में मुंबई इंडियंस ने कई प्रयोग किये क्योंकि टीम उस दौरान टीम खराब दौर से गुजर रही थी। तीन सप्ताह के बाद रोहित ने अच्छी वापसी की। इस सत्र की पांच पारियों में उनके नाम 221 रन हैं, जिसमें उनका औसत 55.25 और प्रभावशाली स्ट्राइक रेट 174.01 रहा है। इस सत्र में उनके नाम दो अर्धशतक भी हैं, जो उनकी फॉर्म और टीम में उनके महत्व को दर्शाते हैं।वापसी के बाद, लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ रोहित ने रयान रिकेल्टन के साथ मिलकर 65 गेंदों में 143 रन की साझेदारी की।अब रोहित 10 मई को रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से खेलते दिखेंगे। प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए, मुंबई इंडियंस को अपने बाकी बचे चारों मैच जीतना अनिवार्य है। इसके साथ ही, उन्हें बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी ताकि उनका नेट रन रेट बेहतर हो सके।

कुलदीप, अक्षर जानते हैं लय हासिल करना - बदानी

नई दिल्ली । आईपीएल के इस 19 वें सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव और अक्षर पटेल का प्रदर्शन खराब रहने से सभी हैरान हैं। कुलदीप जैसे गेंदबाज पर इस सत्र में अबतक 24 छक्के लगे हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में भी ये दोनो बेअसर रहे। वहीं टीम के मुख्य कोच हेमंग बदानी ने इन दोनो का ही बचाव किया है। बदाने ने कहा कि कुलदीप अभी फार्म में नहीं हैं और सामान्य गति से गेंदबाजी भी नहीं कर पा रहे हैं हालांकि टीम को उन पर पूरा भरोसा है। लय हासिल करना उनके लिए कठिन नहीं है।

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए अभी पूरी तरह बंद नहीं हुआ प्लेऑफ का रास्ता

बचे हुए सभी पांच मैच जीतने होंगे

मुम्बई। कप्तान ऋषभ पंत की लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक इस टूर्नामेंट में मिली सातवीं हार के साथ ही तकरीबन प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है हालांकि आधिकारिक तौर पर देखें तो तब भी सुपर जायंट्स की संभावनाएं बनी हुई हैं पर उसे बचे हुए सभी पांच मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। कप्तान ऋषभ ने भी स्वीकार किया कि उनकी टीम को अब टॉप-4 में पहुंचने के लिए काफी किस्मत की जरूरत होगी। वह गलत नहीं हैं, क्योंकि 9 मैचों में 2 जीत और 7 हार के साथ ही सुपरजायंट्स को अब प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए अन्य टीमों के परिणामों के उसके अनुसार आने पर निर्भर रहना होगा।

प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को बनाये रखने के लिए, लखनऊ को अब अपने बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। उन्हें 7 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), 10

और 15 मई को दो बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), 19 मई को राजस्थान रॉयल्स (आर) और 23 मई को पंजाब किंग्स (पंजाब किंग्स) का सामना करना है। इन सभी पांच मैचों में जीत से उन्हें 10 और अंक मिलेंगे, जिससे वे सत्र के अंत में 14 अंक हासिल कर सकते हैं

हालांकि, केवल अपनी जीत पर्याप्त नहीं होगी। लखनऊ की टीम को अपनी जीत के साथ यह भी उम्मीद करनी होगी कि पंजाब किंग्स , सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स जैसी मजबूत टीमें अपने ज्यादातर मैच जीतें। इससे ये टीमें 16 या उससे अधिक अंक हासिल कर शीर्ष-3 प्लेऑफ स्थानों को पक्का कर सकेंगी, जिससे चौथे स्थान के लिए मुकाबला खुला रहे। इसके अलावा उसे ये भी उम्मीद करनी होगी कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस अपने बचे हुए मैचों में हारें, ताकि वे 14 से अधिक अंक न बना सकें। उसके लिए बेंगलुरु को हराना भी अत्यंत जरुरी होगा। । कुल मिलाकर, प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए लखनऊ को अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा, बल्कि अन्य टीमों के परिणामों के भी पूरी तरह से अनुकूल होने की प्रार्थना करनी होगी। इस प्रकार देखा जाये तो उसे चमत्कार की ही अधिक जरुरत है।

राहुल के पास आई ऑरेंज कैप, पर्पल कैप पर भुवनेश्वर का कब्जा बरकरार

मुम्बई। दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच हुए आईपीएल मुकाबल के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप के दावेदारों में बदलाव आया है हालांकि सबसे अधिक विकेट लेने के लिए मिलनी वाली पर्पल कैप में कोई बदलाव नहीं आया है। दिल्ली के बल्लेबाज केएल राहुल ने सीएसके के खिलाफ मुकाबले में केवल 12 रन बनाए पर इसके बाद भी वह ऑरेंज कैप की सूची में नंबर एक पर पहुंच गयी हैं। राहुल के अब 10 मैचों में 49.44 की शानदार औसत से 445 रन हो गये हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं।

अभिषेक के नाम 10 मैचों में 48.88 की औसत से 440 रन दर्ज हैं। सनराइजर्स के ही हेनरिक क्लासेन 10 मैचों में 425 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं।

वहीं सीएसके के संजू सैमसन ने दिल्ली के खिलाफ नाबाद 87 रनों की पारी खेलकर ऑरेंज कैप की रेस में लंबी छलांग लगाई है। सैमसन अब 10 मैचों में 57.42 के औसत से 402 रन बनाकर पांचवें स्थान पर आ गए हैं। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज विराट अब आठवें स्थान पर फिसल गए हैं। विराट ने 9 मुकाबलों में 54.14 की औसत से 379 रन बनाए हैं। उनके बाद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल हैं, जिनके 9 मैचों में 378 रन हैं। वहीं पर्पल कैप की बात करें तो अभी आरसीबी के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार इसके लिए सबसे आगे हैं। उन्होंने 9 मैचों में 17 विकेट लिए हैं। वहीं चेन्नई के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज 10 मैचों में कुल 17 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं। वहीं तीसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा हैं। रबाडा के नाम 10 मैचों में 16 विकेट हैं।

वैभव के लिए टेस्ट टीम में जगह बनाना आसान नहीं रहेगा - मांजरेकर

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने संजय मांजरेकर ने कहा है कि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने टी20 क्रिकेट में धूम मचा रखी है पर उनके लिए राष्ट्रीय टेस्ट टीम में जगह बनाना आसान नहीं रहेगा। मांजरेकर ने माना कि जिस प्रकार से वैभव 15 साल की उम्र में खेल रहे हैं उससे वह भारतीय टीम में जगह बनाने लिए सभी योग्यताएं हासिल कर चुके हैं। उनका मानना है कि वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से तैयार नजर आते हैं हालांकि ये उनक लिए आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि भारतीय टीम के पास पहले से ही शुभमन गिल और यशस्वी जयसवानल जैसे बेहतरीन सलामी बल्लेबाज हैं। वैभव ने अपने पिछले साल के पहले आईपीएल सत्र में ऐतिहासिक शतक लगाकर क्रिकेट जगत को हैरान किया दिया था। इसके बाद, उन्होंने घरेलू क्रिकेट और अंडर-19 स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। इस साल के अंडर-19 विश्व कप फाइनल में भी उनकी 175 रनों की रिकार्ड पारी भी शामिल रही।

ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से आईपीएल के तुरंत बाद उन्हें सीधे राष्ट्रीय टीम में शामिल करने की मांग बढ़ गयी थी। मांजरेकर भी मानते हैं कि वह टी20 टीम के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, आईपीएल को भारतीय टी20 टीम में जगह बनाने के एक मंच के तौर पर देखते हुए, और साथ ही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनके

प्रदर्शन पर भी नजर रखते हुए। जहां उन्होंने महाराष्ट्र के ख़िलाफ़ एक शतक भी बनाया है। मुझे लगता है कि उन्होंने अब तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर कोई खिलाड़ी इस तरह से इस बड़े मंच पर खेल रहा है, तो इसका मतलब है कि वह पूरी तरह से तैयार है। मांजरेकर ने साथ ही ये भी कहा कि टीम में पहले से ही शुभमन और यशस्वी जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, ऐसे में सूर्यवंशी को टीम में शामिल करना उतना आसान नहीं होगा। मांजरेकर ने जोर देकर कहा कि सूर्यवंशी जैसे युवा बल्लेबाज टी20 क्रिकेट के हिसाब से आक्रामक, बाउंड्री लगाने वाले अंदाज में खेलते हैं और अक्सर अपने हाथ खोलने के लिए जगह बनाते हैं पर उनके लिए टेस्ट में बल्लेबाजी आसान नहीं होगी। उन्होंने सूर्यवंशी की तकनीक का विश्लेषण करते हुए बताया, सूर्यवंशी लेग साइड में रहता है और मिडिल स्टंप पर आई गेंद को पॉइंट की तरफ मारता है, क्योंकि वह ऐसा करने के लिए जगह बनाता है जबकि टेस्ट क्रिकेट में सलाह यह दी जाती है कि गेंद के जितना हो सके करीब जाकर खेलें। मांजरेकर का मानना है कि इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों में जहां गेंद ज्यादा स्विंग और सीम करती है, वहां गेंद से दूर रहकर रन बनाना बेहद मुश्किल होगा और यह तरीका काम नहीं आएगा।

दो दशक बाद चैंपियंस लीग फुटबॉल के फाइनल में पहुंची आर्सेनल

लंदन । आर्सेनल की टीम ने दो दशक के बाद चैंपियंस लीग फुटबॉल के फाइनल में पवेश किया है। इससे पहले टीम साल 2006 में अंतिम बार फाइनल में पहुंची थी। इस बार बुकायो साका के गोल से आर्सेनल ने सेमीफाइनल के दूसरे लेग में एटलेटिको मैड्रिड को 1-0 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी। टीम ने कुल मिलाकर 2-1 के स्कोर के साथ फाइनल में प्रवेश किया है। इस मैच में शुरुआत से ही आर्सेनल हावी रही। पहला हमला एटलेटिको मैड्रिड ने किया। जूलियन अल्वारेज ने आठवें मिनट में ही गिउलिआनो शिमोन के क्रॉस पर एक तेज़ आक्रमण किया पर गेंद बाहर चली गयी। आर्सेनल को हाफ टाइम से पहले अधिकतर समय लंबी दूरी के शॉट्स का सहारा लेना पड़ा पर जैसे-जैसे मध्यांतर का समय करीब आया टीम ने हमले तेज कर दिये। विक्टर ग्योकेरेस ने पेनल्टी स्पॉट के बाईं ओर खुले स्थान में लिएंड्रो ट्रॉसार्ड को एक पास दिया। जिसे जान ओब्लाक ने रोकने की कोशिश की पर बुकायो साका ने सबसे तेज़ी से रिबाउंड पर प्रतिक्रिया देते हुए गोल दाग दिया।

बीसीसीआई ने जारी किया आईपीएल प्लेऑफ का कार्यक्रम, अहमदाबाद में खेला जाएगा फाइनल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सत्र के प्लेऑफ और फाइनल के लिए मैच स्थलों की घोषणा कर दी। बोर्ड ने एक बदलाव करते हुए फाइनल मैच बेंगलुरु की जगह पर अहमदाबाद में रख दिया है। पहले खिताबी मुकाबला बेंगलुरु में रख गया था पर वहां आ रही दिक्कतों को देखते हुए इसे

अहमदाबाद में रखने का फैसला लेना पड़ा। पारंपरा के अनुसार आईपीएल के फाइनल की मेजबानी मौजूदा चैंपियन टीम के पास होती है पर राजनीतिक कारणों की वजह से ये बेंगलुरु के हाथ से निकल गयी क्योंकि वहां कुछ विधायक मुफ्त में पांच टिकट मांग रहे थे। इसके अलावा वहां कुछ और परेशानी भी आ रही थी। बीसीसीआई ने कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा कि धर्मशाला में पहला क्वालीफायर खेला जाएगा, जबकि एलिमिनेटर और दूसरा क्वालीफायर मैच न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। वहीं फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। मंगलवार 26 मई को धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में पहला क्वालीफायर खेला जाएगा। इसको जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी और हारने वाली टीम क्वालीफायर 2 खेलेगी। वहीं अगले दिन यानी बुधवार 27 मई को न्यू चंडीगढ़ के न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच को जीतने वाली टीम क्वालीफायर 2 में क्वालीफायर 1 को हारने वाली टीम से खेलेगी, जबकि एलिमिनेटर हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।

आईपीएल 2026 का दूसरा क्वालीफायर शुक्रवार 29 मई को न्यू चंडीगढ़ में ही खेला जाएगा। वहीं फाइनल मुकाबला अहमदाबाद में रविवार 31 मई को खेला जाएगा। क्वालीफायर 1 की विजेता और क्वालीफायर 2 की विजेता टीम की टक्कर फाइनल में होगी। क्वालीफायर 1 उन टीमों के बीच खेला जाता है, जो लीग फेज के बाद अंक तालिका में नंबर एक और नंबर दो पर रहती हैं, जबकि एलिमिनेटर में नंबर 3 और नंबर 4 की टीम खेलती हैं। इस तरह अंक तालिका में शीर्ष 2 में रहने पर आपको दो अवसर प्लेऑफ में जाने के मिलते हैं। इस बार प्लेऑफ मुकाबले तीन शहरों में रखे गये हैं। अभी तक क्वालीफायर 1 और एलिमिनेटर मैच एक मैदान पर, जबकि क्वालीफायर 2 और फाइनल दूसरे मैदान पर खेला जाता था, लेकिन इस बार क्वालीफायर 1 अलग, एलिमिनेटर और क्वालीफायर 2 अलग और फाइनल अलग मैदान पर खेला जाएगा।

प्लेऑफ कार्यक्रम

क्वालीफायर 1 - मंगलवार 26 मई - एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला

एलिमिनेटर - बुधवार 27 मई - न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़

क्वालीफायर 2 - शुक्रवार 29 मई - न्यू इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़

फाइनल - रविवार 31 मई - नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद

सैमसन ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) से खेल रहे बल्लेबाज संजू सैमसन ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में अपनी अर्घशतकीय पारी के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। संजू ने केवल 52 गेंदों पर ही नाबाद 87 रन बना दिये। अब सैमसन ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन ये हैं। इससे पहले आईपीएल में किसी भी बल्लेबाज ने ये रिकार्ड नहीं बनाया था। इस पारी के दौरान

सैमसन ने कार्तिक शर्मा के साथ 114 रन बनाये। इस के साथ ही वह आईपीएल के एक ही सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ दो बार 100 से अधिक रन की साझेदारी बनाने वाले वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। हालांकि, दिल्ली के खिलाफ सर्वाधिक शतकीय साझेदारियों का कुल रिकॉर्ड रुतुराज गायकवाड़ के नाम है, जिन्होंने तीन बार (2021, 2022 और 2023 में) यह कारनामा किया था पर सैमसन की खासियत यह है कि उन्होंने यह एक ही सत्र में इसे बनाया है। वह हालांकि शतक पूरा नहीं कर पाने से थोड़ा निराश जरूर दिखे। इस सीजन संजू दो शतक लगा चुके हैं।

विश्व कप फुटबॉल से पहले ईरान और पेरु के साथ अभ्यास मैच खेलेगा स्पेन

मैड्रिड । स्पेन की फुटबॉल टीम विश्व कप 2026 की अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए ईरान के साथ 4 जून को एक अभ्यास मैच खेलेगी। स्पेनिश टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि यह मुकाबला टीम के लिए टूर्नामेंट से पहले अपनी रणनीति और खिलाड़ियों की फिटनेस को परखने का एक अहम अवसर होगा, विशेष रूप से जब टीम को कई प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से जूझना पड़ रहा है। गौरतल है कि यूरोपीय चैंपियन होने के कारण स्पेन विश्व कप 2026 के प्रबल दावेदारों में से एक है। । ईरान के खिलाफ ये मैच टीम के लिए मेक्सिको दौरे से पहले अंतिम घरेलू परीक्षा होगा, जिसके बाद वे पुएब्ला में पेरू के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेंगे। इन मुकाबलों का लक्ष्य टीम संयोजन को समझना, नई रणनीतियों का परीक्षण करना और युवा प्रतिभाओं को बड़े मंच के लिए तैयार करना है, जिससे वे विश्व कप में वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

स्पेन टीम के मुख्य कोच लुइस डी ला फोंट के सामने अभी खिलाड़ियों का फि नहीं होनो एक बड़ी चुनौती है। कोच ने साफ किया है कि वे टीम चयन से पहले खिलाड़ियों की फिटनेस पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, क्योंकि कई अहम खिलाड़ी चोटों से जूझ रहे हैं। ला लीगा सीज़न के समाप्त होने के बाद 24 मई को टीम की अंतिम घोषणा की जाएगी । खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक तैयारी विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में सफलता के लिए अहम होती है। टीम के लिए सबसे अधिक चिन्ता का कारण स्टार खिलाड़ी लमानन यामिल का फिट नहीं होना है, जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मौजूदा सीजन से बाहर हो चुके हैं और वार्म-अप मैचों में उनकी भागीदारी की संभावना भी कम है। उनकी अनुपस्थिति से टीम की रचनात्मकता और गतिशीलता पर असर पड़ सकता है। इसी तरह, तेज़-तर्रार विंगर निको विलियम्स भी अभी पूरी फिटनेस हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि मध्य मैदान के महत्वपूर्ण खिलाड़ी माइक मैरिनों की वापसी पर भी सवाल बना हुआ है, क्योंकि हाल ही में उनकी सर्जरी हुई है। इन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति या आधी-अधूरी फिटनेस स्पेन की विश्व कप रणनीति को प्रभावित कर सकती है। स्पेन को विश्वकप में अपना पहला मैच 15 जून को अटलांटा में केप वार्ड नेशनल फुटबॉल टीम से खेलना है। टीम का लक्ष्य सिर्फ टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करना ही नहीं, बल्कि एक बार फिर खिताब अपने नाम करना होगाथा। ईरान और पेरू के खिलाफ होने वाले ये वार्म-अप मैच, इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य की दिशा में पहला कदम होंगे, जहां टीम को अपनी कमजोरियों को दूर करने और मजबूत पक्ष जानने का अवसर मिलेगा।

अंडर-18 एशिया कप एशिया कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज खेलेगी भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें

नई दिल्ली । भारतीय महिला और पुरुष हॉकी टीमें अंडर-18 एशिया कप एशिया कप से पहले अपनी तैयारियों को आंकने के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ चार मैचों की सीरीज खेलेगी। यह सीरीज 15 से 20 मई तक खेली जाएगी। इससे भारतीय टीमों को जापान केकाकामिगाहारा में होने वाले महाद्वीपीय टूर्नामेंट से पहले अभ्यासाका अच्छा अवसर मिलेगा।

भारतीय पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा कि इससे पहले साई भोपाल में हमारा कैंप बहुत सफल रहा है। खिलाड़ियों को इसमें काफी सीखने को मिला। इस शिविर में हमारा मुख्य ध्यान सभी पोजीशन्स पर बुनियादी तकनीकों को मजबूत करने पर था, जिससे खिलाड़ी आधुनिक हॉकी की मांगों के लिए बेहतर तरीके से तैयार हो सकें और सीनियर स्तर की ओर लगातार आगे बढ़ें। कोच ने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीमों के खिलाफ ये अनुभव मैच की उनकी तैयारी में एक अहम कदम हैं। यह सीरीज टीम के लिए उच्च-स्तर का अंतरराष्ट्रीय अनुभव लेने का अवसर है। इस सीरीज में हम अपनी टीम के बेहतर संयोजन की तलाश करेंगे जिससे अंडर-18 एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए सबसे अच्छी टीम चुनने में हमारी मदद करेगा। वहीं महिला टीम की कोच और पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल ने भी कहा कि कहा की साई भोपाल में हमारा कैंप अच्छा रहा। खिलाड़ियों के साथ काम करने का एक शानदार अवसर था और हम खुश हैं कि उन्होंने इसका भरपूर फायदा उठाया। ऑस्ट्रेलिया की अंडर-18 टीम के खिलाफ ये मैच खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर खेलने का और आगामी अंडर-18 एशिया कप के लिए तैयार होने का बेहतरीन अवसर । यह प्रत्येक खिलाड़ी के लिए अपनी क्षमताओं को मैदान पर साबित करने का एक अवसर है। सीरीज का कार्यक्रम दोनों टीमों के लिए एक ही है। महिला और पुरुष टीमें अपने मुकाबले 15 मई को शुरू करेंगी। इसके बाद दूसरा मैच 17 मई को, तीसरा मैच 18 मई को और चौथा व अंतिम मैच 20 मई को खेला जाएगा। यह सीरीज युवा प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय दबाव में प्रदर्शन करने और अपनी रणनीतिक समझ को निखारने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगी, जिससे उन्हें आगामी अंडर-18 एशिया कप में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी।

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम : एनआईए ने आईएसआईएस से जुड़े तीन आतंकियों के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

बम धमाके नहीं, जैविक हमले की थी तैयारी-राइसिन जैसे घातक ज़हर से सामूहिक नरसंहार की साजिश का खुलासा

अहमदाबाद। अहमदाबाद में एक बड़े आतंकी हमले की साजिश का पर्दाफाश हुआ है, जिसमें प्रतिबंधित संगठन आईएसआईएस से जुड़े तीन आतंकियों के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। जांच में सामने आया है कि ये आतंकी पारंपरिक बम धमाकों के बजाय जैविक हमले की तैयारी कर रहे थे, जो और भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता था।

एनआईए की जांच के अनुसार, मुख्य आरोपी सैयद अहमद मोहियुद्दीन बेहद घातक जहर राइसिन बनाने की योजना पर काम कर रहा था। यह जहर एरंड (अरंडी) के बीजों से तैयार किया जाता है और इसकी बेहद कम मात्रा भी इंसान के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, आरोपी इंटरनेट के जरिए इस जहर को बनाने की तकनीक सीख रहे थे और इसके प्रायोगिक परीक्षण की भी तैयारी कर चुके थे।

इस साजिश का खुलासा नवंबर 2025 में हुआ, जब गुजरात एटीएस को खुफिया सूचना मिली। इसके बाद टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कलोल टोल प्लाजा के पास से हैदराबाद निवासी सैयद अहमद मोहियुद्दीन को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उसने अपने दो अन्य साथियों के नाम उजागर किए, जो उत्तर प्रदेश के निवासी हैं और इस साजिश में सक्रिय रूप से शामिल थे।

चार्जशीट में बताया गया है कि तीनों आरोपी सीधे आईएसआईएस के हैंडलर्स के संपर्क में थे और उनके निर्देशों पर काम कर रहे थे। वे भीड़भाड़ वाले इलाकों को निशाना बनाकर खाद्य पदार्थों या हवा के जरिए राइसिन फैलाने की योजना बना रहे थे, जिससे बड़े पैमाने पर लोगों की मौत हो सकती थी। इस तरह का हमला बेहद खतरनाक माना जाता है क्योंकि इसमें न तो धमाके की आवाज होती है और न ही तुरंत पहचान संभव होती है।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर अपने विदेशी आकाओं से जुड़े हुए थे। वे लगातार निर्देश प्राप्त कर रहे थे और भारत में आतंकी नेटवर्क को मजबूत करने की कोशिश कर रहे थे। एजेंसियों का मानना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं होती, तो यह साजिश एक बड़े नरसंहार में बदल सकती थी।

एनआईए ने अपनी चार्जशीट में आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) समेत कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल तीनों आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ जारी है। एजेंसी अब उनके अंतरराष्ट्रीय संपर्कों और फंडिंग नेटवर्क की भी गहन जांच कर रही है।

सुरक्षा एजेंसियों ने इस मामले को बेहद गंभीर बताते हुए कहा है कि आतंकवाद अब नए और अधिक खतरनाक रूप ले रहा है। पारंपरिक हथियारों के बजाय जैविक और रासायनिक तरीकों का इस्तेमाल चिंता का विषय है। ऐसे में खुफिया तंत्र और सतर्कता को और मजबूत करने की जरूरत है।

गुजरात एटीएस और एनआईए की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के चलते एक बड़ी आतंकी घटना टल गई। इस ऑपरेशन को सुरक्षा एजेंसियों की बड़ी सफलता माना जा रहा है। अधिकारियों ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस या संबंधित एजेंसियों को दें, ताकि समय रहते ऐसी साजिशों को नाकाम किया जा सके।

यह मामला एक बार फिर इस बात की पुष्टि करता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लगातार जारी है और इसके लिए सुरक्षा एजेंसियों के साथ-साथ आम जनता की जागरूकता भी बेहद जरूरी है।

बंगाल चुनाव के बाद राहुल गांधी ने की ममता बनर्जी से लंबी बातचीत

-हार के बाद सक्रिय हुए विपक्षी, विश्लेषक निकाल रहे हैं इसके खास मायने

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद विपक्षी राजनीति में नई हलचल देखने को मिल रही है। चुनाव रिजल्ट के बाद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को फोन कर लंबी बातचीत की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच हुई यह बातचीत केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि कई गहरे राजनीतिक संकेतों से जुड़ी मानी जा रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, इस बातचीत का पहला पहलू 'जरूरत' के रूप में सामने आता है। बंगाल जैसे बड़े राज्य में हार का असर राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष की ताकत पर पड़ता है। ऐसे में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस जैसे दलों के बीच संवाद बनाए रखना जरूरी हो जाता है, ताकि भविष्य की रणनीति पर समन्वय स्थापित किया जा सके। खासकर तब, जब केंद्र में सत्तारूढ़ दल के मुकाबले विपक्ष को एकजुट दिखाने की आवश्यकता हो।

हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम में 'मजबूरी' का पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कांग्रेस का घटता जनाधार और कई राज्यों में कमजोर होती स्थिति उसे क्षेत्रीय दलों पर निर्भर बनने के लिए मजबूर कर रही है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस की सीमित मौजूदगी को देखते हुए ममता बनर्जी से दूरी बनाना उसके लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदेह हो सकता है। ऐसे में यह संपर्क बनाए रखना रणनीतिक विवशता भी माना जा रहा है।

तीसरा महत्वपूर्ण पहलू इस फोन कॉल के जरिए दिया गया 'राजनीतिक संदेश' है। राहुल गांधी का यह कदम संकेत देता है कि विपक्ष पूरी तरह बिखरा नहीं है और सहयोग की संभावनाएं अभी भी मौजूद हैं। यह संदेश न केवल सहयोगी दलों के लिए बल्कि मतदाताओं के लिए भी अहम है, जो एक मजबूत और संगठित विकल्प की तलाश में रहते हैं।

हालांकि, इस घटनाक्रम में एक विरोधाभास भी साफ नजर आता है। चुनावी मैदान में कई बार कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के खिलाफ उतरती हैं, लेकिन नतीजों के बाद सहयोग की बात सामने आती है। यही असंगति विपक्षी एकता की सबसे बड़ी चुनौती बनती है।

कुल मिलाकर, राहुल गांधी का ममता बनर्जी को फोन करना 'जरूरत' और 'मजबूरी' दोनों का मिश्रण है। अब यह देखना अहम होगा कि यह संवाद आगे चलकर ठोस राजनीतिक रणनीति में बदलता है या केवल औपचारिक संपर्क तक सीमित रह जाता है।

आईएसआईएस से जुड़े मामले में आरोपियों के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने आईएसआईएस से जुड़ी खतरनाक साजिश का पर्दाफाश किया है। एनआईए ने एक डॉक्टर और उसके दो सहयोगियों के खिलाफ अहमदाबाद की विशेष कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया। इन पर सार्वजनिक स्थानों पर जैविक जहर का इस्तेमाल कर बड़े पैमाने पर आतंक फैलाने की साजिश रचने का गंभीर आरोप है। एक आधिकारिक बयान से यह जानकारी प्राप्त हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बयान में कहा गया है कि आरोपियों के खिलाफ गुजरात के अहमदाबाद स्थित एक विशेष एनआईए कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया गया है। एनआईए के बयान के मुताबिक आरोपियों ने इस्लामिक स्टेट से जुड़े अपने-अपने विदेशी आकाओं के मार्गदर्शन में काम करते हुए भोले भाले युवाओं की भर्ती की, जिन्हें जिहाद का समर्थन करने और प्रतिबंधित हथियारों तथा बायोटेररिज्म' के ज़रिए आतंक फैलाने के लिए कट्टरपंथी बनाया। उन्होंने आईएसआईएस के नापाक एजेंडे को अंजाम देने के लिए रिसिन का इस्तेमाल करने की योजना बनाई थी।

यह मामला मूलरूप से गुजरात एटीएस द्वारा दर्ज किया गया था। यह कार्रवाई नवंबर 2025 में डॉ. मोहिउद्दीन की गिरफ्तारी के बाद की गई। चीन से एमबीबीएस की डिग्री हासिल करने वाले डॉ. मोहिउद्दीन को एक टोल प्लाज़ा पर उस समय पकड़ा गया था, जब उसकी कार में अवैध हथियार, चार लीटर अरंडी के तेल से भरी एक बोतल और अन्य आपत्तिजनक सामग्री मिली थी। एटीएस की जांच के परिणामस्वरूप, उसी दिन दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया था। अब दाखिल किए गए इस आरोपपत्र से डॉ. सैयद अहमद मोहिउद्दीन और सह-आरोपी आज़ाद और मोहम्मद सुहेल के खिलाफ कानूनी शिकंजा और कस गया है।

'स्वस्थ भारत पोर्टल' लॉन्च, जेपी नड्डा ने किया शुभारंभ

-देश की स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली, । देश की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 'स्वस्थ भारत पोर्टल' लॉन्च किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने 10वें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान इस पोर्टल का शुभारंभ किया। 'भारत के स्वास्थ्य भविष्य को आकार देने वाली सर्वोत्तम प्रथाएं' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में इस पहल को एक आधुनिक और एकीकृत स्वास्थ्य ढांचे की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताया गया।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित यह पोर्टल देश के विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को एक ही मंच पर लाने का कार्य करेगा। अब तक अलग-अलग डिजिटल एप्लिकेशन के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी और रिपोर्टिंग की जाती थी, जिससे डेटा बिखराव और संसाधनों के दोहराव जैसी समस्याएं उत्पन्न होती थीं। 'स्वस्थ भारत पोर्टल' इन चुनौतियों का समाधान करते हुए 'वन-स्टॉप' प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगा।

यह पोर्टल एपीआई-आधारित फेडरेटेड आर्किटेक्चर पर तैयार किया गया है, जो विभिन्न स्वास्थ्य प्रणालियों को आपस में जोड़ता है। इससे इंटरऑपरेबिलिटी में सुधार होगा और डेटा का बेहतर उपयोग संभव हो सकेगा। स्वास्थ्य कर्मियों को अब अलग-अलग पोर्टल पर लॉगिन करने या बार-बार डेटा एंट्री करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, जिससे समय की बचत और कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। इस पहल से देश के अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ता, जैसे- आशा, एएनएम, सीएचओ और मेडिकल ऑफिसर सीधे लाभान्वित होंगे। उन्हें एक ही प्लेटफॉर्म पर डेटा एंट्री, रिपोर्टिंग और निगरानी की सुविधा मिलेगी। साथ ही, पोर्टल में डेटा विजुअलाइजेशन टूल भी शामिल किए गए हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर योजना निर्माण और निर्णय लेने की प्रक्रिया आसान होगी।

'स्वस्थ भारत पोर्टल' आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अनुरूप विकसित किया गया है और इसमें आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता के साथ इंटीग्रेशन की सुविधा भी उपलब्ध है। भविष्य में इसे हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री और हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री से भी जोड़े जाने की योजना है, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड का सुरक्षित और सहज आदान-प्रदान सुनिश्चित हो सकेगा। सरकार के अनुसार, इस पोर्टल के माध्यम से स्वास्थ्य अवसंरचना पर होने वाले खर्च में 20 से 30 प्रतिशत तक और डेटा एंट्री व मानव संसाधन से जुड़ी दोहराव वाली प्रक्रियाओं में 20 से 40 प्रतिशत तक कमी आने की संभावना है। साथ ही, नीति निर्धारण और निर्णय लेने की प्रक्रिया भी अधिक तेज और प्रभावी बनेगी। कुल मिलाकर, 'स्वस्थ भारत पोर्टल' देश में एकीकृत, पारदर्शी और डेटा-आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में देखा जा रहा है।

भारत-वियतनाम संबंध प्रगाढ़- राष्ट्रपति तो लाम और पीएम मोदी की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम से मुलाकात की। मुलाकात से पहले दिन की शुरुआत राष्ट्रपति भवन में भव्य औपचारिक स्वागत के साथ हुई, जो भारत और वियतनाम के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में वियतनामी राष्ट्रपति तो लाम को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जहां भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे बच्चों ने भारत और वियतनाम के राष्ट्रीय ध्वज लहराकर मेहमान नेता का अभिनंदन किया, जो दोनों देशों के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों की गहराई को दर्शाता है। अपनी राजकीय यात्रा के तहत, राष्ट्रपति लाम बिहार के गया पहुंचे थे, जहां मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उनका स्वागत किया। बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर में उन्होंने पूजा-अर्चना की, जो भारत-वियतनाम के बीच गहरे आध्यात्मिक जुड़ाव का भी प्रतीक है। दिल्ली पहुंचने पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। इसके पहले मंगलवार को ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने राष्ट्रपति तो लाम से मुलाकात की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, इस बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को सशक्त बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ। राष्ट्रपति तो लाम की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और वियतनाम अपनी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के 10 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस साझेदारी की स्थापना 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वियतनाम यात्रा के दौरान हुई थी। राष्ट्रपति बनने के बाद यह तो लाम की पहली भारत यात्रा है और इसे द्विपक्षीय संबंधों को एक नई गति देने वाला माना जा रहा है। वह वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के महासचिव भी हैं। राष्ट्रपति लाम 7 मई तक भारत दौरे पर है। अपने दौरे के अगले चरण में, वह मुंबई भी जाएंगे, जहां वे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का दौरा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और राज्यपाल से मुलाकात करने और एक प्रमुख व्यापार मंच में हिस्सा लेने वाले है।

जालंधर और अमृतसर में संदिग्ध धमाकों में लांडा-रिंदा गैंग पर शक

जालंधर। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा खालिस्तानी और पाकिस्तान समर्थित आतंकी मॉड्यूल्स पर कड़ा शिकंजा कसने के बाद सीमावर्ती राज्य पंजाब में एक बार फिर अशांति फैलाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। बीती रात जालंधर और अमृतसर में दो संदिग्ध धमाकों ने सुरक्षा व्यवस्था की चुनौतियों को बढ़ा दिया है। इन धमाकों के पीछे खालिस्तानी आतंकी लखबीर सिंह लांडा और हरविंदर सिंह रिंदा का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। लांडा, जिसे भारत सरकार ने आतंकवादी घोषित कर रखा है, कनाडा से बैठकर आईएसआई के इशारे पर पंजाब में आरपीजी हमले और हथियारों की तस्करी जैसी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। वहीं, पाकिस्तान में छिपे रिंदा के परिवार के सदस्यों की हाल ही में महाराष्ट्र से हुई गिरफ्तारी ने यह संकेत दिए हैं कि वह भारत में अपना नेटवर्क दोबारा सक्रिय कर रहा है।

माना जा रहा है कि भारतीय एजेंसियों की कार्रवाई से बौखलाई पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने कनाडा और पाकिस्तान में बैठे आतंकी लखबीर सिंह लांडा और हरविंदर सिंह रिंदा के गैंग को पुनर्जीवित कर भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिश रची है। मंगलवार रात करीब 8:15 बजे जालंधर स्थित बीएसएफ पंजाब फंटियर हेडक्वार्टर के गेट के बाहर एक खड़ी एक्टिवा में भीषण धमाका हुआ। सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट दिख रहा है कि स्कूटर अचानक आग की चपेट में आ गया और फट गया। इस घटना के ठीक तीन घंटे बाद, रात लगभग 10:30 बजे अमृतसर के खासा इलाके में स्थित आर्मी कैंप के पास दूसरा धमाका हुआ। स्थानीय पुलिस के अनुसार, किसी अज्ञात व्यक्ति ने आर्मी कैंप की बाहरी दीवार की तरफ कोई संदिग्ध वस्तु फेंकी, जिससे कम तीव्रता का विस्फोट हुआ। गनीमत रही कि इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन टीन शेड और संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। हाल के दिनों में सीसीटीवी गैंग जैसे नए खतरों ने भी एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है, जो संवेदनशील इलाकों में कैमरे लगाकर उनका एक्सेस पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स को देते थे। इसके अतिरिक्त, यूपी एटीएस द्वारा हाल ही में पकड़े गए संदिग्ध आतंकियों से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि वे आईएसआई के इशारे पर ग्रेनेड अटैक और टारगेट किलिंग की योजना बना रहे थे। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पंजाब में हुए ये धमाके सुरक्षा एजेंसियों के दबाव का नतीजा हैं, जिससे आतंकी संगठन अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल, एजेंसियां दोनों विस्फोटों के बीच कड़ियों को जोड़ने और आईएसआई कनेक्शन की गहराई से जांच कर रही हैं।

पंजाब धमाकों पर बोले फारूक अब्दुल्ला- हिंदुस्तान में ब्लास्ट तो होते रहते....

जम्मू, । पंजाब में हुए ताजा बम धमाकों के बीच फारूक अब्दुल्ला के एक बयान ने सियासी विवाद खड़ा कर दिया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने धमाकों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हिंदुस्तान में ब्लास्ट होते रहते हैं, इसमें कौन सी नई बात है। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखी जा रही है और इसे असंवेदनशील बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि मंगलवार रात पंजाब के जालंधर और अमृतसर में तीन घंटे के अंतराल में दो धमाके हुए, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, जालंधर में रात करीब 8:15 बजे बीएसएफ मुख्यालय के बाहर एक स्कूटी में जोरदार विस्फोट हुआ। धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि आसपास की दीवारें हिल गईं और आवाज लगभग डेढ़ किलोमीटर तक सुनी गई। इस घटना में एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है, जबकि स्कूटी चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

वहीं, दूसरी घटना अमृतसर के खासा क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास हुई, जहां रात लगभग 10:50 बजे बीएसएफ मुख्यालय के बाहर विस्फोट हुआ। प्रारंभिक जांच के अनुसार, बाइक सवार दो नकाबपोशों ने विस्फोटक सामग्री फेंकी, जो दीवार से टकराते ही फट गई। इस धमाके से परिसर की दीवार और टीन शेड को नुकसान पहुंचा है। घटनाओं के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। साथ ही पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

इस बीच, फारूक अब्दुल्ला के बयान ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। विपक्ष और अन्य दलों के नेताओं ने उनके बयान की आलोचना करते हुए इसे गैर-जिम्मेदाराना बताया है। वहीं, सुरक्षा एजेंसियां इन घटनाओं के पीछे की साजिश का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

चुनावी हार के बाद ममता और अभिषेक की सुरक्षा में कटौती

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की हार के दो दिन बाद, निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की सुरक्षा में कमी की गई है। बुधवार सुबह 6:30 बजे से उनके आवासों और कार्यालयों के बाहर पुलिस व्यवस्था कम की गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, तीन परिसरों 88ए हरीश चटर्जी (ममता बनर्जी का आवास), 121 कालीघाट रोड (पार्टी का मुख्यालय) और 9 कैमक स्ट्रीट (अभिषेक बनर्जी का कार्यालय) से अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को वापस बुलाया गया है। अब केवल जेड+ सुरक्षा व्यवस्था ही लागू रहेगी, जबकि इसके अतिरिक्त तैनात सुरक्षाकर्मियों को हटाया गया है। मंगलवार को ही हरीश चटर्जी रोड पर लगे कैंचीनुमा बैरिकेड जैसे कुछ अत्याधुनिक सुरक्षा इंतजामों को हटाया गया था और उनकी जगह मैनुअल रेलिंग लगा दी गई थीं। यह घटनाक्रम इस साल अप्रैल में हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत के बाद सामने आया है। भाजपा ने 294 विधानसभा सीटों में से 207 सीटें हासिल की थीं, जबकि टीएमसी को 80 सीटें मिलीं। इस बीच, राज्य के एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता ने भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि को अपना इस्तीफा भेज दिया है। दत्ता दिसंबर 2023 से एडवोकेट जनरल थे और इससे पहले 2017 से 2021 तक भी इस पद पर रह चुके थे।

बीजेपी ने कोलकाता में बुलाई अहम बैठक, विधायक दल के नेता का होगा ऐलान

कोलकाता। बीजेपी जल्द ही पश्चिम बंगाल के सीएम के नाम का ऐलान कर सकती है। ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि शुक्रवार को इस संबंध में पार्टी एक बड़ी बैठक करने जा रही है। ऐसी संभावनाएं है कि इसके बाद विधायक दल के नेता के नाम की घोषणा हो सकती है। बीजेपी ने बंगाल का पर्यवेक्षक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को नियुक्त किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को बीजेपी के विधायकों की बैठक कोलकाता में होने जा रही है। सूत्रों ने बताया है कि इस बैठक में शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल के नेता को तौर पर चुना जाएगा। बीजेपी के प्रदेश प्रमुख शमिक भट्टाचार्य अधिकारी के नाम का प्रस्ताव रखेंगे और शाह उनके नाम की घोषणा करेंगे। बीजेपी ने अभी तक औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, लेकिन गृह मंत्री शाह सहित वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान संकेत दिया था कि अगला सीएम पश्चिम बंगाल से ही होगा।

बता दें साल 2021 में शुभेंदु अधिकारी ने सीएम ममता बनर्जी से राहें अलग कर ली थीं। इतना ही नहीं, वह उनके खिलाफ नंदीग्राम से चुनाव में भी उतरे। और सीएम ममता को हार का सामना करना पड़ा था। माना जाता है कि साल 2011 में टीएमसी को सत्ता में लाने में नंदीग्राम की भूमिका बड़ी रही थी। इसके बाद 2026 में भी बीजेपी ने शुभेंद्र अधिकारी को ममता के सामने उतारा, लेकिन मैदान बदलकर सीएम के गढ़ भवानीपुर पहुंच गया। यहां भी नतीजा वही हुआ और शुभेंदु ने करीब 15 हजार मतों के अंतर से विजय हासिल की।

बिहार में कैबिनेट विस्तार, मंत्री बनाने के लिए नामों पर हो रहा मंथन

पटना। बिहार की राजनीति में लंबे समय से प्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार की घड़ियां अब करीब आ गई हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का पहला कैबिनेट विस्तार 7 मई (गुरुवार) को दोपहर करीब 12 बजे होना तय हुआ है। इस महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर राजधानी पटना में हलचलें तेज हो गई हैं और एनडीए के विधायक बड़ी संख्या में पटना पहुंचने लगे हैं। शपथ ग्रहण समारोह के लिए पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान को चुना गया है, जहां प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां अंतिम चरण में हैं और सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बीते 15 अप्रैल को दो उपमुख्यमंत्रियों—विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव—के साथ शपथ ली थी। अब होने जा रहे इस विस्तार में मंत्रियों की संख्या और समीकरणों को लेकर व्यापक मंथन किया गया है। सूत्रों की मानें तो नई कैबिनेट में भाजपा और जेडीयू के बीच शक्ति संतुलन बनाए रखने की पूरी कोशिश की गई है। इस विस्तार में कुल 28 से 30 नए मंत्रियों के शपथ लेने की संभावना है, जिससे कैबिनेट की कुल सदस्य संख्या 32 के करीब पहुंच जाएगी। दलवार हिस्सेदारी की बात करें तो भाजपा से 12 और जेडीयू से 11 से 12 नेताओं को मंत्री पद मिल सकता है। इसके अलावा, गठबंधन के छोटे सहयोगियों को भी उचित प्रतिनिधित्व दिया जा रहा है। चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) से 2 और जीतन राम मांझी की हम पार्टी से 1 मंत्री के शामिल होने की चर्चा है।

जेडीयू और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के बीच नामों को अंतिम रूप देने के लिए बैठकों का दौर जारी है। जेडीयू की ओर से संजय झा और ललन सिंह जैसे वरिष्ठ नेता नीतीश कुमार के साथ विचार- विमर्श कर रहे हैं, वहीं लोजपा (रामविलास) के कोटे से संजय पासवान और रालोमो से दीपक प्रकाश का नाम लगभग तय माना जा रहा है। इस भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित एनडीए के कई दिग्गज नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी इसके लिए निमंत्रण भेजा गया है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, गांधी मैदान का यह आयोजन महज एक शपथ ग्रहण नहीं, बल्कि आगामी चुनावों से पहले एनडीए की एकजुटता और शक्ति प्रदर्शन का एक बड़ा मंच साबित होगा।

न्यूज गैलरी

तेज रफ्तार फोर व्हीलर की टक्कर से युवक घायल

लवादा फोरलेन पुल पर देर रात हुआ हादसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट-गोंदिया-सिवनी फोरलेन मार्ग पर स्थित ग्राम लवादा के पास मंगलवार देर रात एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना लालबर्रा थाना क्षेत्र की है। जहां एक तेज रफ्तार फोर व्हीलर ने पीछे से मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गई। घायल युवक आदित्य सहारे पिता फन्दु सहारे 24 वर्ष ग्राम कटंगा थाना लालबर्रा निवासी बताया गया है। जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। जानकारी के अनुसार आदित्य मजदूरी करता है। 5 मई को वह अपनी पत्नी और बच्चे को ग्राम खारा (किरनापुर) में एक शादी समारोह में छोड़कर रात करीब 10 बजे मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहा था।इसी दौरान जब वह लवादा के पास फोरलेन पुल पर पहुंचा।तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार फोर व्हीलर ने उसकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि आदित्य सड़क पर गिरकर घायल हो गया। जबकि वाहन चालक मौके से फरार हो गया।घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से 108 एंबुलेंस से घायल आदित्य को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। वहां पुलिस ने उसका बयान दर्ज कर लिया है और मामला जांच के लिए लालबर्रा थाना भेज दिया गया है।

कांग्रेस समन्वय बैठक में हंगामा, नेताओं के बीच तीखी बहस

विधायक और जिला पंचायत अध्यक्ष समर्थकों में टकराव, अनुशासन पर सख्ती के संकेत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला कांग्रेस कमेटी और कांग्रेस विधायक दल की समन्वय बैठक स्थानीय संस्थान में आयोजित की गई, जो संगठन के अंदर चल रही खींचतान के चलते काफी हंगामेदार साबित हुई। बैठक में कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे, उनके समर्थकों और जिला पंचायत अध्यक्ष के समर्थकों के बीच लंबे समय से चल रहे मतभेद खुलकर सामने आए, जिससे बैठक का माहौल कई बार तनावपूर्ण हो गया। बैठक के दौरान बीते कुछ दिनों से चल रही बयानबाजी और आपसी आरोप-प्रत्यारोप प्रमुख मुद्दा बने रहे। दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच तीखी बहस हुई और कई बार स्थिति ऐसी बनी कि माहौल गरमा गया। सूत्रों के अनुसार, बैठक में कई नेताओं ने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की और संगठन में समन्वय की कमी को लेकर सवाल उठाए। हालांकि इस बैठक को मीडिया से दूर रखा गया था, लेकिन अंदर हुए घटनाक्रम की जानकारी बाहर आने के बाद यह बैठक चर्चा का विषय बन गई। बताया जा रहा है कि बैठक करीब कई घंटों तक चली, जिसमें संगठन के भीतर चल रही गुटबाजी और मतभेदों को सुलझाने का प्रयास किया गया। बैठक के अंत में कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उइके ने सभी नेताओं और पदाधिकारियों को एकजुट होकर काम करने की सलाह दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन में अनुशासन सर्वोपरि है और जो भी अनुशासनहीनता करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सभी को संगठन हित में कार्य करना होगा। हालांकि बैठक समाप्त हो गई, लेकिन जिस तरह से मतभेद खुलकर सामने आए हैं, उससे साफ है कि कांग्रेस संगठन के भीतर चल रही खींचतान अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

जिले में कांग्रेस संगठन के भीतर बीते कुछ दिनों से चल रही आपसी खींचतान और मतभेदों को लेकर 6 मई को एक अहम समन्वय बैठक आयोजित की गई। यह बैठक स्थानीय सर्किट हाऊस में आयोजित हुई, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन में बढ़ती अंदरूनी कलह को खत्म कर एकजुटता बनाए रखना था। बीते दिनों कांग्रेस में कई विवाद सामने आए थे। इनमें बालाघाट विधायक के निजी सहायकों से जुड़े ऑडियो वायरल होने, अनियमितताओं के आरोप, तथा जिला पंचायत की बैठकों में पार्टी के ही कुछ प्रतिनिधियों पर प्रतिबंध लगाए जाने जैसे मामले प्रमुख रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार द्वारा अपने समिति सदस्यों के साथ मिलकर बालाघाट विधायक प्रतिनिधि अनीस खान के आचरण पर रोक लगाने की कार्रवाई भी चर्चा में रही। इसके अलावा लालबर्रा क्षेत्र में एक ठेकेदार और किसान कांग्रेस पदाधिकारी मुनेद्र ठाकरे के बीच बातचीत का ऑडियो वायरल होना भी विवाद का कारण बना। इन्हीं घटनाओं के चलते पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ रहा था। हाल ही में कांग्रेस कार्यकारिणी के विस्तार में भी कई पुराने चेहरों को स्थान नहीं मिलने और युवाओं की अनदेखी जैसे मुद्दों ने भी नाराजगी को हवा दी। इन सभी विषयों को लेकर पार्टी में गुटबाजी की स्थिति बनती जा रही थी। समन्वय बैठक में इन मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान बालाघाट विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार और किसान कांग्रेस पदाधिकारी भुरु पटेल के बीच तीखी नोंकझोंक भी देखने को मिली। मुख्य रूप से बालाघाट विधायक के समर्थकों और निजी सहायकों से जुड़े मामलों को लेकर बहस हुई। लालबर्रा के किसान कांग्रेस पदाधिकारी मुनेंद्र ठाकरे के वायरल ऑडियो, अनीस खान को जिला पंचायत बैठकों से बाहर किए जाने तथा अमोली से समनापुर के बीच बन रही सड़क की जांच जैसे मुद्दे भी बैठक में उठाए गए। बैठक के दौरान नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप और तीखी बहस हुई, जहां सभी ने अपने-अपने पक्ष रखे। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि वे लंबे समय से कई मुद्दों पर चुप थे और उन्होंने मीडिया में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन कुछ नेताओं द्वारा उनके खिलाफ बयानबाजी कर माहौल बनाया गया, जिस पर चर्चा आवश्यक थी। अंत में कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उइके ने बैठक को संबोधित करते हुए स्पष्ट कहा कि पार्टी में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि जो भी कार्यकर्ता और पदाधिकारी संगठन की मर्यादा के खिलाफ जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी को यह निर्देश दिया गया कि पार्टी से जुड़े मुद्दों को सार्वजनिक मंच और मीडिया में ले जाने के बजाय संगठन के भीतर ही सुलझाया जाए। बैठक में यह भी सहमति बनी कि आने वाले समय में संगठन को मजबूत और एकजुट बनाए रखने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। नेताओं ने आपसी मतभेद भुलाकर पार्टी हित में कार्य करने की बात कही। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बैहर विधायक संजय उईके, पूर्व सांसद विश्वेश्वर भगत, अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव,पंजाब सहप्रभारी सुश्री हिना कावरे, वारासिवनी के विधायक विवेक विक्की पटेल, श्रीमती पुष्पा बिसेन, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट अशोक सरसवार, जिला संगठन महासचिव एवं विधायक प्रतिनिधि शफ़कत खान, जिला सेवादल अध्यक्ष जीतू बर्वे, शहर अध्यक्ष श्याम पंजवानी, किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष अब्दुल हक़ भूरू पटेल, सभी समन्वय समिति के सदस्य एवं सभी विंग और प्रकोष्ठ के साथीगण उपस्थित रहें।

नवीन कार्यालय भवन व आवासीय परियोजनाओं का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, शीघ्र पूर्णता के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने बुधवार 06 मई को कलेक्ट्रेट कार्यालय के समीप पुराने आरटीओ कार्यालय स्थल पर निर्मित हो रहे नवीन कार्यालय भवन एवं पुनर्घनत्वीकरण योजना के अंतर्गत सिविल लाइन क्षेत्र में बनाए जा रहे आवासीय भवनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शेष निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के समय मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल के कार्यपालन यंत्री श्री जयंत देशमुख तथा निर्माण एजेंसी मेसर्स रायसिंह एंड कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पुराने आरटीओ कार्यालय के स्थान पर निर्मित हो रहा नवीन भवन लगभग पूर्णता की ओर है। इस भवन में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क इकाई क्रमांक-01 एवं 02, लोक निर्माण विभाग (पीआईयू), सेतु निर्माण संभाग तथा नगर विकास प्लानिंग कार्यालयों को स्थानांतरित किया जाना प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त निजी भवनों में संचालित अन्य शासकीय कार्यालयों को भी यहां शिफ्ट किया जाएगा। कलेक्टर श्री मीना ने निर्देश दिए कि शेष कार्य जल्द पूरा कर सभी कार्यालयों को मई माह में ही नए भवन में स्थानांतरित किया जाए। इसके पश्चात कलेक्टर ने सिविल लाइन क्षेत्र में पुनर्घनत्वीकरण योजना के तहत निर्मित हो रहे आवासीय भवनों का निरीक्षण किया। यहां एच टाइप के 20 एवं आई टाइप के 20 आवासों का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है। उन्होंने शेष कार्य शीघ्र पूर्ण कर कर्मचारियों को आवास आवंटित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि इन आवासों में कर्मचारियों के स्थानांतरण के बाद मुलना स्टेडियम के समीप स्थित पुराने एवं जर्जर आवासों को हटाया जा सकेगा, जिससे प्रस्तावित स्विमिंग पूल निर्माण कार्य में तेजी लाई जा सकेगी।

जबरदस्ती शादी से आहत नवविवाहिता ने कीटनाशक पिया

जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक 18 वर्षीय नवविवाहिता द्वारा कथित रूप से जबरदस्ती शादी से परेशान होकर कीटनाशक दवा पीने का मामला सामने आया है। गंभीर हालत में युवती को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज जारी है। यह नवविवाहिता ग्राम जागपुर थाना वारासिवनी निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह युवती घरेलू कार्य करती है। युवती का आरोप है कि 10 अप्रैल को उसके परिवार वालों ने उसकी शादी उसकी इच्छा के विरुद्ध जबरदस्ती करवा दी थी। जिसके चलते वह मानसिक तनाव में थी। बताया जा रहा है। कि 10 मई की रात करीब 10:30 बजे उसने अपने मायके में कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया। दवा लेने के बाद तबीयत बिगड़ने पर उसने अपने रिश्तेदार को फोन कर घटना की जानकारी दी।सूचना मिलते ही रिस्तेदार तुरंत जागपुर पहुंचे और उसे मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। जहा उसका उपचार किया जा रहा है।मामले की जानकारी अस्पताल प्रबंधन द्वारा पुलिस को दे दी गई। जिला अस्पताल पुलिस ने इस युवती का बयान लेकर इस मामले को पुलिस थाना वारासिवनी भिजवा दिया है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- माईनिंग इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट